THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 56 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ शु.11 2083 बुधवार, 27 मई-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ✻ पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

संस्कृति मंत्रालय की पहल : परिवार सहित पीएम संग्रहालय देखना अब आदमी की पहुंच में होगा

नई दिल्ली, 26 मई (एजेंसियां)। दिल्ली के बहुचर्चित प्रधानमंत्री संग्रहालय (पीएम संग्रहालय) अब आम लोगों को परिवार सहित देखना पहुंच में उपलब्ध होगा। आम आदमी की दिक्कतों को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार ने पीएम संग्रहालय के टिकट में दामों में 30 प्रतिशत तक घटाने यानी कम करने का फैसला लिया है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी भी देश और जीवन से जुड़े दर्शकों के सवालों के जवाब देंगे। नई दिल्ली स्थित प्रधानमंत्री संग्रहालय व पुस्तकालय के निदेशक अनिल लोहानी ने बताया, बच्चों और आम लोगों को प्रधानमंत्री संग्रहालय से जोड़ने के लिए टिकट के रेट में 30 प्रतिशत तक दाम कम करने की तैयारी है।

विधानसभा के पहले ही सत्र में यूसीसी बिल पेश

गुवाहाटी, 26 मई (एजेंसियां)। असम विधानसभा में मंगलवार को मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने राज्य की अर्थव्यवस्था, समान नागरिक संहिता (यूसीसी) और हालिया चुनाव नतीजों को लेकर कई अहम बयान दिए।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार 2028 तक असम को 10 लाख करोड़ रुपये की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य पर तेजी से काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उद्योग, निवेश, इंफ्रास्ट्रक्चर और रोजगार के क्षेत्र में बड़े स्तर पर योजनाएं लागू की जा रही हैं, जिससे राज्य की आर्थिक ताकत लगातार बढ़ रही है। सदन में मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सरकार ने अपने वादे के मुताबिक पहले ही सत्र में यूसीसी विधेयक पेश किया है।

घुसपैठ पर केंद्र सख्त

> जनसांख्यिकीय बदलावों पर उच्च स्तरीय कमेटी का गठन > जस्टिस नावलेकर होंगे अध्यक्ष

नई दिल्ली, 26 मई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने देश में अवैध घुसपैठ और अन्य कारणों से होने वाले असामान्य जनसांख्यिकी बदलावों के अध्ययन के लिए हाई-लेवल कमेटी का गठन कर दिया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि यह समिति पूरे देश में हो रहे जनसंख्या संबंधी परिवर्तनों का व्यापक मूल्यांकन करेगी और इसके समाधान सुझाएगी।

पिछले साल पीएम मोदी ने लाल किले से किया था एलान :

गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर लिखा, घुसपैठ और अन्य कारणों से अप्राकृतिक जनसांख्यिकीय परिवर्तन किसी भी राष्ट्र के वर्तमान व भविष्य के लिए एक बहुत बड़ी चुनौती है। इसी चुनौती से निपटने के लिए 15 अगस्त 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनसांख्यिकीय परिवर्तन पर उच्च-स्तरीय समिति की घोषणा की थी। मुझे बताते हुए हर्ष हो रहा है

कि सरकार ने इस कमिटी का गठन कर लिया है। शाह ने आगे कहा, जस्टिस प्रकाश प्रभाकर नावलेकर (सेवानिवृत्त) की अध्यक्षता में बनी इस कमिटी में जनगणना आयुक्त के साथ दुर्गा शंकर मिश्रा (सेवानिवृत आईएएस), बालाजी श्रीवास्तव (रिटायर आईपीएस) और डॉ. शमिका रवि समिति के सदस्य होंगे। संयुक्त सचिव, गृह मंत्रालय, इस समिति के सदस्य सचिव होंगे। गृह मंत्री ने कहा कि जनसांख्यिकीय बदलाव हमारी संप्रभुता के साथ ही राष्ट्रीय सुरक्षा, कानून व्यवस्था, सामाजिक संरचना में गंभीर बदलाव और जनजातीय समाज के संरक्षण से जुड़ी एक गंभीर समस्या है।

यह कमिटी, अवैध प्रवास और अन्य असामान्य कारणों से पूरे भारत में हो रहे जनसांख्यिकीय बदलाव का व्यापक मूल्यांकन करेगी और धार्मिक एवं सामाजिक समुदायों के स्तर पर असामान्य जनसंख्या परिवर्तनों के तरीकों का विश्लेषण करेगी तथा इसका सुनियोजित और समयबद्ध समाधान प्रस्तुत करेगी। पीएम मोदी ने पिछले साल लाल किले से कहा था, देशवासियों के कल्याण के लिए सरकार हाई पावर्ड डेमोग्राफी मिशन शुरू करने का फैसला लिया है। पीएम मोदी ने कहा था कि घुसपैठिए देश की बहन-बेटियों को निशाना बना रहे हैं। जब सीमावर्ती क्षेत्रों में डेमोग्राफी में बदलाव होता है तब देश की सुरक्षा पर संकट होता है।

'आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होना होगा'

> विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने क्वॉड की बैठक के बाद कहा

नई दिल्ली, 26 मई (एजेंसियां)। क्वॉड के विदेश मंत्रियों की बैठक के बाद भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मंगलवार को कहा कि चारों सदस्य देश व्यापार, स्वास्थ्य सेवा और डिजिटल सहयोग जैसे क्षेत्रों में आदान-प्रदान के जरिये इनोवेशन को आगे बढ़ा रहे हैं।

जयशंकर ने कहा, एक लोकतांत्रिक राष्ट्र के रूप में, हमने आतंकवाद के साझा खतरे का मुकाबला करने पर भी ध्यान दिया है। आतंकवाद के प्रति बिल्कुल भी सहनशीलता नहीं होनी चाहिए और आतंकवादी हमलों से प्रभावित देशों को अपनी रक्षा करने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि क्वॉड में शामिल देशों को आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होना होगा। एस. जयशंकर ने कहा है कि चाहे आर्थिक गतिविधि हो या समुद्री व्यापार आने

वाले दिनों में हिंद-प्रशांत क्षेत्र विश्व के लिए और भी अहम हो जाएगा। जयशंकर ने कहा कि चारों देशों का आदान-प्रदान काफी महत्वपूर्ण रहा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर की अध्यक्षता में नई दिल्ली में क्वॉड की बैठक हुई। इस बैठक में अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो, ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग और जापान के विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी शामिल हुए। क्वॉड-भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान का समूह है जो विशेष रूप से हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता पर ध्यान देता है। समूह का मौजूदा अध्यक्ष के नाते भारत ने इस बैठक की मेजबानी की।

कांग्रेस हाईकमान ने कहा-कर्नाटक में सीएम पद के लिए कोई खींचतान नहीं

नई दिल्ली, 26 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बीच मंगलवार को कांग्रेस के शीर्ष कमान की बैठक हुई। बैठक के बाद पार्टी के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने बताया कि पूरी चर्चा केवल आगामी राज्यसभा चुनाव और कर्नाटक में विधान परिषद चुनावों पर केंद्रित थी। उन्होंने कहा कि जो भी अटकलें लगाई जा रही हैं, उनमें कोई सच्चाई नहीं है। ये केवल आशंकाएं हैं।

उन्होंने बताया कि आज कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के साथ एक विस्तृत बैठक हुई, जिसमें कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उपमुख्यमंत्री डीके

शिवकुमार और कर्नाटक के प्रभारी महासचिव भी मौजूद थे। उन्होंने बताया कि बैठक में केवल राज्यसभा और विधानपरिषद चुनावों की तैयारियों पर चर्चा हुई और उम्मीदवारों की घोषणा अन्य राज्यों के साथ ही की जाएगी। इसके अलावा कोई और फैसला नहीं लिया गया है। कर्नाटक में सत्ता साझेदारी को लेकर अटकलों के बीच मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी और वेणुगोपाल से दिल्ली के इंदिरा भवन में मुलाकात की। इससे पहले सिद्धारमैया ने पत्रकारों के सवालों का जवाब नहीं दिया कि क्या वह अपना पूरा कार्यकाल मुख्यमंत्री के रूप में पूरा करेंगे। शिवकुमार बाद में अलग से पार्टी नेतृत्व के साथ चर्चा में शामिल हुए।

2023 में जब से कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार बनी है, तभी से सिद्धारमैया और शिवकुमार समर्थक गुटों के बीच अंदरूनी मतभेद और तनाव की खबरें लगातार आती रही हैं। सिद्धारमैया ने दिल्ली रवाना होने से पहले कहा कि उन्हें बैठक के एजेंडे के बारे में जानकारी नहीं है और उन्हें केवल बुलाया गया है।

कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने कई बार दोनों नेताओं के बीच के मतभेदों को सुलझाने के लिए दखल दिया है।

'इजरायल का मिटा देंगे नामोनिशान' : ईरान के सुप्रीम लीडर ने अमेरिका को दी चेतावनी

तेहरान, 26 मई (एजेंसियां)। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने अपने टेलीग्राम चैनल पर कहा है कि खाड़ी की ताकतें अब अमेरिका के ठिकानों के लिए ढाल का काम नहीं करेंगी और इस क्षेत्र में अमेरिका के लिए अब कोई सुरक्षित पनाहगाह नहीं होगी। यह बात ऐसे समय में कही गई है जब तेहरान और वाशिंगटन अपने तीन महीने से चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए एक रूपरेखा पर चर्चा कर रहे हैं।

इस युद्ध के दौरान ईरान ने मध्य पूर्व में अमेरिका के कई ठिकानों पर हमले किए थे। ईरान के 58 साल के नये सुप्रीम लीडर खामेनेई 8 मार्च के बाद सार्वजनिक तौर पर सामने नहीं आए हैं और उनके बयान अकसर लिखित तौर पर सामने आए हैं। इस बार भी उन्होंने लिखित बयान जारी किया है। मोजतबा खामेनेई के स्वास्थ्य को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया है

कि उनके एक पैर में गंभीर चोट है। हालांकि वो वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए ईरानी अधिकारियों के साथ बैठकें करते रहते हैं। वो एक गुप्त स्थान पर छिपे हुए हैं। उनका यह बयान अमेरिकी सेना की तरफ से दक्षिणी ईरान में मिसाइल ठिकानों और बारूदी सुरंगें बिछाने की कोशिश कर रही नावों पर हमला करने के कुछ घंटों बाद आया है। उन्होंने अमेरिका को 'महान शैतान' और इजरायल को 'उसका प्रशिक्षित जानवर' बताते हुए देश के सशस्त्र बलों की सराहना की।

खामेनेई ने दावा किया कि इजरायल अपने 'अंतिम चरण' के करीब पहुंच रहा है और यह देश अगले 25 वर्षों में अस्तित्व में नहीं रहेगा। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि इस क्षेत्र के देश अब अमेरिकी सैन्य ठिकानों के लिए ढाल का काम नहीं करेंगे और अमेरिका का वैश्विक प्रभाव दिन-ब-दिन कम होता जा रहा है। उन्होंने कहा, ईरान सऊदी अरब, यूएई और कतर जैसे पड़ोसी देशों को साफ संदेश दे रहा है कि अगर उन्होंने अपने देश में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों का इस्तेमाल ईरान के खिलाफ होने दिया तो ईरान उन देशों को नहीं बख्शेगा। खामेनेई का कहना है कि मध्य पूर्व में अमेरिका का जो पुराना दबदबा था वह अब हमेशा के लिए खत्म हो चुका है और अमेरिका चाहकर भी उस पुराने दौर को वापस नहीं ला सकता।

जम्मू-कश्मीर में आतंकी नेटवर्क फिर सक्रिय करने की कोशिश

अल-बद्र-हिजबुल गठजोड़ पर खुफिया एजेंसी अलर्ट

नई दिल्ली, 26 मई (एजेंसियां)। भारतीय खुफिया एजेंसियों ने जम्मू-कश्मीर में आतंकी गतिविधियों को लेकर बड़ा अलर्ट जारी किया है। एजेंसियों के मुताबिक, लंबे समय से कमजोर पड़ चुका अल-बद्र अब एक बार फिर घाटी में सक्रिय होने की कोशिश कर रहा है और इसके लिए वह हिजबुल मुजाहिदीन के साथ मिलकर संयुक्त वापसी की रणनीति पर काम कर रहा है।

सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तान में अल-बद्र के शीर्ष कमांडर हमजा बुरहान की हालिया मौत संगठन के लिए बड़ा झटका थी। इसके बावजूद भारतीय एजेंसियों का मानना है कि इस संगठन को कमजोर समझना बड़ी भूल हो सकती है। हालिया इंटरसेप्ट्स से संकेत मिले हैं कि अल-बद्र और हिजबुल मुजाहिदीन जम्मू-कश्मीर में फिर से अपने नेटवर्क को खड़ा करने की कोशिश में जुटे हैं। खुफिया अधिकारियों का कहना है कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए इन दोनों संगठनों का साथ आना रणनीतिक रूप से फायदेमंद है, क्योंकि दोनों को घरेलू आतंकी संगठनों के तौर पर पेश किया जा सकता है। इन संगठनों में बड़ी संख्या उन लोगों की है जो वर्षों पहले पढ़ाई के बहाने पाकिस्तान गए थे, लेकिन वहां उन्हें प्रशिक्षण देकर घाटी में आतंकी गतिविधियों के लिए तैयार किया गया। एक अधिकारी ने बताया कि अल-बद्र अकेले काम करने की स्थिति में नहीं है, क्योंकि उसके पास न तो पर्याप्त कैडर हैं और न ही पहले जैसी पकड़। लेकिन हिजबुल मुजाहिदीन के साथ आने से उसे घाटी में फिर से पैर जमाने का मौका मिल सकता है।

अवैध खनन पर सुप्रीम कोर्ट सख्त : यूपी समेत तीन राज्यों को फटकार

फर्जी नंबर वाले वाहनों पर कार्रवाई के निर्देश

नई दिल्ली, 26 मई (एजेंसियां)। चंबल घड़ियाल अभयारण्य में लगातार बढ़ रहे अवैध रेत खनन को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को सख्त रुख अपनाया। अदालत ने राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश सरकारों को तत्काल प्रभाव से प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने कहा कि अवैध खनन रोकने के लिए राज्यों को निगरानी व्यवस्था मजबूत करनी होगी और खाली पड़े वन रक्षक पदों पर जल्द भर्ती करनी होगी।

सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने इस मामले की सुनवाई की। अदालत ने मध्य प्रदेश के मुरैना जिले में बिना नंबर और बिना रजिस्ट्रेशन वाले वाहनों से अवैध रेत ढुलाई की मीडिया रिपोर्ट का भी संज्ञान लिया। कोर्ट ने इस पर नाराजगी जताते हुए कहा कि अगर रिपोर्ट सही है तो अधिकारियों ने अदालत में गलत हलफनामा दाखिल किया है। सुप्रीम कोर्ट ने

तीनों राज्यों को प्रभावित इलाकों में सीसीटीवी कैमरे, कंट्रोल सेंटर और मॉनिटरिंग सिस्टम लगाने के निर्देश दिए हैं। अदालत ने कहा कि यह काम युद्ध स्तर पर किया जाए और छह महीने के भीतर सभी निगरानी व्यवस्था पूरी तरह चालू होनी चाहिए। कोर्ट ने यह भी कहा कि जिन वाहनों का इस्तेमाल अवैध खनन में हो रहा है, उनके खिलाफ तुरंत कार्रवाई की जाए। फर्जी नंबर प्लेट या बिना रजिस्ट्रेशन वाले वाहनों को जब्त कर कानूनी प्रक्रिया शुरू करने के आदेश दिए गए हैं। अदालत ने स्पष्ट किया कि कार्रवाई केवल वाहन चालक तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। अवैध खनन नेटवर्क से जुड़े वाहन मालिकों, ठेकेदारों और अन्य लोगों के खिलाफ भी आपराधिक मुकदमा दर्ज किया जाए। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने वन विभाग के कर्मचारियों पर बढ़ते हमलों को लेकर भी चिंता जताई। अदालत ने कहा कि फील्ड लेवल पर कर्मचारियों की संख्या बढ़ाना जरूरी है, ताकि अवैध खनन पर प्रभावी रोक लगाई जा सके।

स्थानीय लोगों के रोजगार पर भी जोर

कोर्ट ने राज्यों को यह भी सुझाव दिया कि प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए विशेष रोजगार योजनाएं और स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम शुरू किए जाएं।

साथ ही स्थानीय समुदायों को संरक्षण, वृक्षारोपण, इको-टूरिज्म और निगरानी कार्यों से जोड़ने की संभावनाएं तलाशने को कहा गया है। सुप्रीम कोर्ट अब इस मामले की अगली सुनवाई जुलाई में करेगा। इससे पहले अदालत ने 17 अप्रैल को भी अवैध रेत खनन को लेकर चिंता जताते हुए कहा था कि कोर्ट इस मामले में मूक दर्शक नहीं बना रह सकता। राष्ट्रीय चंबल घड़ियाल अभयारण्य राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में फैला करीब 5400 वर्ग किलोमीटर का संरक्षित क्षेत्र है।

अमेरिका को ईरान की खुली चुनौती

'सीजफायर तोड़ा तो खैर नहीं', मार गिराया अमेरिकी एमक्यू-9 ड्रोन

तेहरान, 26 मई (एजेंसियां)। ईरान ने दावा किया है कि उसने अमेरिकी सेना के एक ड्रोन को मार गिराया है। यह दावा तब किया गया, जब मंगलवार सुबह अमेरिका ने अस्थाई संघर्ष विराम के बीच होर्मुज स्ट्रेट में कुछ बोट्स को निशाना बना कर हमला किया था।

इसमें कथित तौर पर ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड (आईआरजीसी) के चार सैनिक मारे गए। इस पर बिफरते हुए ईरान ने कहा है कि अगर अमेरिका फिर से सीजफायर तोड़ता है, तो इसका कड़ा जवाब दिया जाएगा। सूत्रों ने आईआरजीसी के हवाले से बताया कि उसने अमेरिकी एमक्यू-9 रीपर ड्रोन को मार गिराया। उनके मुताबिक यह ड्रोन ईरानी हवाई क्षेत्र में घुस आया था। ईरान ने कहा कि अगर अमेरिका सीजफायर का उल्लंघन करता है, तो उसे जवाब देने का पूरा अधिकार है। यह घटना ऐसे समय हुई जब अमेरिका ने कहा था कि उसने अपनी सुरक्षा के लिए ईरान में मिसाइल लॉन्च साइट्स पर कार्रवाई की।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकाम) के मुताबिक यह कार्रवाई सेल्फ-डिफेंस (आत्मरक्षा) में की गई। सेंटकाम के प्रवक्ता टिमोथी हॉकिन्स ने कहा कि अमेरिकी सैनिकों और युद्धपोतों को खतरे से बचाने के लिए ये हमले किए गए। अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट के पास कथित तौर पर बारूदी सुरंग बिछा रही बोट्स को निशाना बनाया। इसके अलावा बंदर अब्बास पोर्ट के पास सरफेस टू एयर मिसाइल साइट पर भी हमला किया। ईरान की विभिन्न समाचार एजेंसियों के अनुसार दक्षिणी ईरान के बंदर अब्बास में अमेरिकी हमलों में ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड के 4 जवानों के मारे जाने का दावा किया गया है।

आयकर अपीलीय ट्रिब्यूनल में रिक्तियों और आर्द्रभूमि की अस्पष्ट परिभाषा पर केंद्र को नोटिस

नई दिल्ली, 26 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने आयकर अपीलीय ट्रिब्यूनल (आईटीएटी) में कर्मचारियों और सदस्यों के रिक्त पदों को लेकर दायर एक याचिका पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। न्यायालय ने उच्च न्यायालयों से आवश्यकतानुसार न्यायिक अधिकारियों को प्रतिनियुक्ति पर भेजने का भी निर्देश दिया है।

प्रधान न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया और इस मामले में अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी से सहायता मांगी। न्यायालय ने कहा कि लंबित पदों को जल्द से जल्द भरने के लिए याचिका की प्रति अटॉर्नी जनरल के कार्यालय को सौंपी जाए। एक अंतरिम उपाय के रूप में ट्रिब्यूनल उच्च न्यायालयों से ऐसे न्यायिक अधिकारियों को प्रतिनियुक्ति पर भेजने का अनुरोध कर सकते हैं, जिन्हें वहां से मुक्त किया जा सके।

यह आदेश एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान आया, जिसे आईटीएटी के पूर्व उपाध्यक्ष प्रवीण कुमार बंसल ने दायर किया था। याचिका में ट्रिब्यूनल में रिक्तियों का जिक्र किया गया था। याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने पीठ को बताया कि रजिस्ट्रार सहित सभी अधिकारियों के पद कई वर्षों से खाली पड़े हैं। इस पर न्यायालय ने आश्चर्य जताया कि ये पद इतने लंबे समय से रिक्त क्यों हैं और आश्वासन दिया कि इस मामले को प्रशासनिक पक्ष से देखा जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक सरकार के 42 विधायकों (जिनमें एमएलसी भी शामिल हैं) को विभिन्न बोर्डों और निगमों के प्रमुख के रूप में कैबिनेट दर्जा देने के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया है। अदालत ने याचिकाकर्ता को हाईकोर्ट में एक समीक्षा याचिका दायर करने की सलाह दी है। प्रधान न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा, हम याचिकाकर्ता को उच्च न्यायालय में एक समीक्षा याचिका दायर करने की स्वतंत्रता के साथ इस याचिका का निपटारा करते हैं। पीठ ने याचिकाकर्ता को यह निर्देश देते हुए मामले को समाप्त कर दिया। याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता के. परमेश्वर ने पीठ ने दलील दी कि इस मामले को वह गंभीरता नहीं मिली, जिसकी अपेक्षा उच्च न्यायालय से थी। उन्होंने यह भी कहा कि संबंधित विभाग के पास अपना कोई धन नहीं है, क्योंकि यह भारत के समेकित कोष से आता है। यह मामला कर्नाटक राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के साथ काम करने वाले सूरी पायला द्वारा दायर अपील पर सुना जा रहा था। पायला ने कर्नाटक उच्च न्यायालय के चार मार्च के उस आदेश को चुनौती दी थी जिसने उनकी याचिका खारिज कर दी थी।

'जबरन बेदखली नहीं की जाएगी'

दिल्ली जिमखाना क्लब को राहत, हाई कोर्ट में केंद्र का आश्वासन

नई दिल्ली, 26 मई (एजेंसियां)। दिल्ली हाई कोर्ट ने मंगलवार को केंद्र सरकार के उस बयान को रिकॉर्ड पर लिया जिसमें कहा गया कि दिल्ली जिमखाना क्लब के खिलाफ कोई जबरन बेदखली नहीं की जाएगी। अगर जरूरत पड़ी तो उचित नोटिस जारी करने के बाद कानून के अनुसार ही प्रक्रिया अपनाई जाएगी। अदालत उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें केंद्र सरकार के उस आदेश को चुनौती दी गई है कि दिल्ली जिमखाना क्लब को 5 जून तक अपना परिसर खाली करने का निर्देश दिया गया था।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दिल्ली हाई कोर्ट को भरोसा दिलाया कि 5 जून को दिल्ली जिमखाना क्लब की जमीन पर जबरन कब्जा नहीं लिया जाएगा। उन्होंने अदालत में कहा कि 22 मई को जारी नोटिस में केवल स्थायी पट्टा समाप्त करने और जमीन का दोबारा कब्जा लेने की बात कही गई थी। इस हलफनामे के बाद न्यायमूर्ति अवनीश झिंगन ने कहा कि केंद्र के 22 मई के आदेश के खिलाफ क्लब के सदस्यों और कर्मचारियों द्वारा दायर मुकदमों में किसी अंतरिम आदेश की जरूरत नहीं है।

सॉलिसिटर जनरल ने स्पष्ट किया कि दिल्ली जिमखाना क्लब की जमीन से बेदखली की कोई भी कार्रवाई उचित नोटिस देने के बाद और कानून के मुताबिक ही शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा कि फिलहाल तत्काल कब्जा लेने जैसी कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। केंद्र के आदेश में क्लब को परिसर सौंपने को कहा गया था। मेहता ने न्यायमूर्ति झिंगन के समक्ष कहा कि केंद्र का नोटिस क्लब के पक्ष में दिए गए स्थायी पट्टे को समाप्त करने और उसका कब्जा वापस लेने के लिए था। इस मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिल्ली जिमखाना क्लब पर कब्जा लेने के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर केंद्र सरकार और क्लब प्रबंधन को नोटिस जारी किया है।

गुजरात में 5 शावकों समेत 8 शेरों की मौत

बेबेसिया वायरस संक्रमण का अंदेशा, इसी से 2018 में 11 शेरों की मौत हुई थी

अमरेली, 26 मई (एजेंसियां)। गुजरात के गिर जंगल क्षेत्र में दो शेर शावकों की संदिग्ध बाबेसिया वायरस संक्रमण से मौत हो गई है। वहीं, तीन अन्य शेरों की अलग-अलग घटनाओं में प्राकृतिक कारणों और आपसी संघर्ष में जान गई। राज्य के वन मंत्री अर्जुन मोढवाडिया ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

वन मंत्री अर्जुन मोढवाडिया ने कहा कि गिर जंगल में किसी बड़े संक्रमण या महामारी जैसी स्थिति नहीं है। उन्होंने बताया कि बेबेसिया वायरस से केवल दो संदिग्ध मौतें जुड़ी हैं, जबकि बाकी तीन शेरों की मौत अन्य कारणों से हुई है। मोढवाडिया ने बताया कि बाबेसिया वायरस टिक यानी किलनी के जरिए फैलता है। इससे संक्रमित जानवरों में कमजोरी, खांसी और नाक से स्राव जैसी दिक्कतें हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि वन विभाग और पशु चिकित्सकों की टीमें वायरस के फैलाव को रोकने में जुटी हैं। संदिग्ध शेरों की पहचान की जा रही है, उनके सैंपल लिए जा रहे हैं और इलाज भी किया जा रहा है। इससे पहले 2018 में बेबेसिया वायरस से ही एक महीने के भीतर 11 शेरों की मौत हुई थी।

अलग-अलग रेंज में हुई शावकों की मौत :

प्रिंसिपल चीफ कंजर्वेटर ऑफ फॉरेस्ट्स (वाइल्डलाइफ) जयपाल सिंह ने कहा कि ये अलग-अलग घटनाएं हैं और इनमें कुछ भी असामान्य नहीं है। तीनों शावकों की मौत फॉरेस्ट के अलग-अलग रेंज में हुई है। इसलिए किसी महामारी जैसी स्थिति की बात नहीं है। लिलिया रेंज में 1, सावरकुंडला रेंज और सरसिया रेंज में 1 शावक की मौत हुई है। इनमें से जिन दो शावकों की मौत हुई, वे बहुत छोटे थे। वहीं, दो अन्य शेरों की मौत प्राकृतिक कारणों से हुई, जबकि एक शेर की जान आपसी संघर्ष में गई है। इनकी मौत का वायरस से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि आमतौर पर शावकों की जीवित रहने की दर आमतौर पर 50 प्रतिशत ही होती है। लेकिन गिर फॉरेस्ट में लगातार निगरानी, ट्रैकर्स और बेहतर पशु चिकित्सा सुविधाओं की वजह से शेरों की मृत्यु दर काफी कम है।

बेबेसिया वायरस क्या है

बेबेसिया एक बहुत ही गंभीर और जानलेवा बीमारी है, जो मनुष्यों के साथ-साथ जानवरों और वन्यजीवों में भी पाई जाती है। यह बेबेसिया नामक परजीवी (प्रोटोजोआ) द्वारा फैलती है। मलेरिया की तरह, ये परजीवी शरीर में प्रवेश करते हैं और सीधे लाल रक्त कोशिकाओं (आरबीसी) पर हमला करके उन्हें नष्ट कर देते हैं। वहीं, शेरों में यह परजीवी रोग किलनी द्वारा फैलता है। वायरस शेरों की लाल रक्त कोशिकाओं को नष्ट कर देती है। इससे शरीर में गंभीर एनीमिया हो जाता है, जिससे उनकी मौत हो जाती है।

एपी में लू का प्रकोप जारी

अमरावती, 26 मई (एजेंसियां)। एपी और तेलंगाना में मौसम का मिजाज अलग-अलग है। कुछ जिलों में धूप खिली है तो वहीं कुछ जिलों में बारिश हो रही है। संभावना है कि अगले कुछ दिनों तक स्थिति ऐसी ही बनी रहेगी। लू का प्रकोप जारी है. ट्रफ (वायुमंडलीय गर्त) के प्रभाव के कारण तेलुगु राज्यों में बारिश हो रही है। एपी की बात करें तो कडप्पा, चित्तूर, अन्नमय्या, नंद्याल, अनंतपुर, श्री सत्य साई और कुरनूल जिलों में मौसम विभाग ने बताया है कि मार्कापुर और पालनाडु जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश होगी।

यह स्पष्ट है कि शाम तक धूप काफी तेज रहेगी, जिसके बाद बारिश होगी। लेकिन बेमौसम बारिश के कारण किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। सूरज के प्रचंड रूप को देखते हुए, लोग सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे के बीच घरों से बाहर निकलने से बच रहे हैं। मौसम विभाग ने चेतावनी जारी की है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि जब तक बहुत जरूरी न हो, घरों से बाहर न निकलना ही बेहतर है। दूसरी ओर, बारिश के दौरान बिजली के खंभों और होर्डिंग्स से खतरा होने की भी आशंका जताई गई है। इस समय एपी के कई जिलों में गर्मी की तीव्रता काफी अधिक है। हाल ही में, कई इलाकों में रिकॉर्ड तोड़ तापमान दर्ज किया गया है। लोग धूप और गर्मी से बेहाल हो रहे हैं। मौसम विभाग ने मौजूदा मौसम की स्थिति के संबंध में एक महत्वपूर्ण घोषणा की है। विभाग ने बताया है कि तेलंगाना में मानसून देर से पहुंचेगा; 5 जून के बाद राज्य में मानसून के दस्तक देने की संभावना है। 'ला नीना' प्रभाव के कारण उत्तरी भारत में हवाओं की गति धीमी हो गई है, और इस बार मौसमी परिस्थितियों के चलते मानसून के आगमन में देरी होने की बात कही गई है। लेकिन अब हवाओं की गति धीमी पड़ गई है। इसके चलते इस बार तेलंगाना में बारिश का मौसम (मानसून) देर से शुरू होगा। ऐसा प्रतीत होता है कि 5 से 10 जून के बीच मानसून की बारिश शुरू हो जाएगी। राज्य में भारी बारिश होने की संभावना है।

इसके बाद गर्मी का असर कम हो जाएगा। मौसम विभाग का कहना है कि राज्य में आने वाले बारिश के दिनों में लू और गरज-चमक के साथ होने वाली बारिश की तीव्रता बढ़ सकती है। इसे देखते हुए 'रेड अलर्ट' जारी किया गया है। इस संबंध में, चार जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है। जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु, भद्राद्री कोठागुडेम और खम्मम जिलों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है। तापमान दर्ज किया गया और रेड अलर्ट जारी किया गया। बुधवार और गुरुवार को भी कई ज़िलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया।

पवन कल्याण ने गोदावरी नदी के पानी में प्रदूषण पर ध्यान केंद्रित किया

राजमुंदरी, 26 मई (एजेंसियां)। पूर्वी गोदावरी के राजमुंदरी जिले का उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण का दौरा दूसरे दिन भी जारी रहा। सुबह राजमुंदरी ग्रामीण मंडल में, उन्होंने शहर और गांवों में आंध्र पेपर मिल से निकले कचरे और जमा पानी के तालाबों का जायजा लिया।

उपमुख्यमंत्री ने नाव से यात्रा करते हुए, आंध्र पेपर मिल से बहकर आने वाले उस दूषित पानी की जांच की जो सीधे गोदावरी नदी में जाकर मिलता है।

उन्होंने प्रदूषण के कारण स्थानीय लोगों और मछुआरों को होने वाली समस्याओं की समीक्षा की। नाव में यात्रा के दौरान, उपमुख्यमंत्री ने स्थानीय मछुआरों से बातचीत की और उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली। गोदावरी नदी के पानी में प्रदूषण की रोकथाम पर विशेष ध्यान देते हुए, पवन कल्याण ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई करने का सुझाव दिया।

इस बार महानडू को गिनीज़ बुक में पहला स्थान मिला पल्ला श्रीनिवास राव

अमरावती, 26 मई (एजेंसियां)। महानडू पार्टी द्वारा आयोजित महानडू कार्यक्रम को इस बार गिनीज़ बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में जगह मिली है। आंध्र प्रदेश टीडीपी अध्यक्ष पल्ला श्रीनिवास राव ने इस पर खुशी ज़ाहिर की। राज्य भर के 1875 क्लस्टरों में पार्टी के केंद्रीय कार्यालय से महानडू का सीधा जुड़ाव (लिंकेज) स्थापित किया गया था। बताया जा रहा है कि यह प्रक्रिया सफलतापूर्वक संपन्न हुई। आज (सोमवार) उन्होंने मंगलगिरी स्थित टीडीपी कार्यालय में महानडू स्थल का दौरा किया। इस अवसर पर, पल्ला श्रीनिवास राव ने कहा कि अब तक, 1851 क्लस्टरों की तकनीकी मैपिंग और कनेक्टिविटी का काम पूरा हो चुका है। शेष 24 क्लस्टरों में नेट कवरेज की कमी के कारण, उन सभी को ज़ोनल केंद्रों पर लाया गया। उन्होंने विस्तार से बताया कि महानडू में किस प्रकार भागीदारी सुनिश्चित की गई। पल्ला श्रीनिवास राव ने बताया कि सभी 20 प्रस्तावों पर चर्चा का कार्य दो दिनों में पूरा किया जा रहा है।

मंत्री समिति ने आबकारी सुधारों, शराब की कीमतों और हवाई अड्डे पर आउटलेट के प्रस्तावों की समीक्षा की

अमरावती, 26 मई (एजेंसियां)। आबकारी नीतियों पर एक उच्च-स्तरीय मंत्री-उपसमिति की बैठक हाइब्रिड मोड में आयोजित की गई। इस बैठक का उद्देश्य राज्य के निषेध और आबकारी विभाग से संबंधित प्रमुख सुधारों, राजस्व बढ़ाने के उपायों और दीर्घकालिक नीतिगत निर्णयों पर विचार-विमर्श करना था। आबकारी और खान मंत्री कोल्लू रविंद्र, एमएसएमई मंत्री कोंडापल्ली श्रीनिवास, प्रधान सचिव मुकेश कुमार मीणा, आयुक्त चमकूरी श्रीधर और प्रवर्तन निदेशक राहुलदेव शर्मा ने व्यक्तिगत रूप से इस बैठक में भाग लिया। स्वास्थ्य मंत्री सत्य कुमार यादव और ऊर्जा मंत्री गोट्टिपाटी रवि कुमार ने वर्चुअल माध्यम से इसमें हिस्सा लिया।

उपसमिति ने हवाई अड्डे पर शराब के आउटलेट, शराब की खुदरा बिक्री में डिजिटल भुगतान के बुनियादी ढांचे, अधिकतम खुदरा कीमतों की डायनामिक प्रिंटिंग, और उच्च-शुद्धता वाले अल्कोहल तथा प्रयोगशाला-ग्रेड स्पिरिट के निर्माण के लिए एक अलग लाइसेंसिंग ढांचे से संबंधित प्रस्तावों की समीक्षा की।

वाईसीपी नेताओं के साथ जगन की बैठक आज से शुरू

कडप्पा, 26 मई (एजेंसियां)। वाईएसआर. कांग्रेस पार्टी एक बार फिर जनता के बीच जाने की तैयारी कर रही है। पिछले चुनावों में मिली हार से सबक लेते हुए, पार्टी को ज़मीनी स्तर पर मज़बूत बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इसी उद्देश्य के साथ, वाईएस जगन मोहन रेड्डी बुधवार को पार्टी के प्रमुख नेताओं के साथ एक बड़े पैमाने पर बैठक आयोजित करेंगे। इस बैठक में पार्टी के क्षेत्रीय समन्वयकों, ज़िला अध्यक्षों, सांसदों, विधायकों, और साथ ही एमएमसी, संसद व विधानसभा क्षेत्र समन्वयकों को आमंत्रित किया गया है।

पार्टी की भविष्य की गतिविधियों को तय करने के लिहाज़ से यह बैठक अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। इस बैठक में चर्चा का मुख्य विषय पार्टी समितियों की संरचना होगी।

जब पार्टी सत्ता में नहीं होती, तो ज़मीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं का मनोबल गिरने से रोकने के लिए, जगन गाँव से लेकर राज्य स्तर तक नई समितियों का गठन करेंगे। ऐसी उम्मीद है। पुराने और नए नेताओं के बीच बेहतर तालमेल बिठाने के इच्छुक जगन, पार्टी के सक्रिय युवाओं को बड़ी ज़िम्मेदारियाँ सौंपने की योजना बना रहे हैं।

बैठक में सोशल मीडिया विभाग को मज़बूत बनाने पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा, जिसे पार्टी की रीढ़ माना जाता है। आगामी स्थानीय निकाय चुनावों के संबंध में, जगन इस बैठक में एक स्पष्ट निर्णय लेने वाले हैं। अतीत के अनुभवों को एक तरफ रखते हुए, नेताओं को हर परिस्थिति में पूरी ताक़त से संघर्ष करने का आह्वान किया जा सकता है।

गठबंधन सरकार के प्रति जनता के विरोध को देखते हुए, वाईसीपी को उम्मीद है कि वह स्थानीय निकायों में बहुमत हासिल करके अपनी स्थिति फिर से मज़बूत कर लेगी। जगन 'हार अस्थायी है.

संघर्ष स्थायी है' के नारे के साथ नेताओं में जोश भरने का प्रयास करेंगे। गठबंधन सरकार द्वारा लागू की गई नीतियों, रोकी गई कल्याणकारी योजनाओं और ज़रूरी चीज़ों की बढ़ती कीमतों जैसे मुद्दों पर जगन अपनी आवाज़ उठाएँगे।

लोगों तक कैसे पहुँचा जाए। विशेषकर 'सुपर सिक्स' वादों के क्रियान्वयन के मुद्दे पर? किन चिंताओं को उठाया जाना चाहिए? इस पर एक रूपरेखा (रोडमैप) तैयार की जाएगी। जगन का दृढ़ विश्वास है कि पार्टी केवल विधानसभा के अंदर और बाहर जन-मुद्दों पर संघर्ष करके ही विजयी हो सकती है। वर्तमान में, जब गठबंधन सरकार आक्रामक रुख अपनाए हुए है, तो कुछ वाईसीपी नेता पार्टी छोड़कर दूसरी पार्टियों में शामिल हो रहे हैं।

इस संबंध में चर्चाएँ और अटकलें ज़ोरों पर हैं। ऐसे समय में, सभी को एकजुट होकर यह संदेश फैलाना चाहिए कि पार्टी मज़बूत है। यही इस बैठक का मुख्य उद्देश्य है। जगन ने विशेष रूप से प्लानिंग कोऑर्डिनेटरों को यह ज़िम्मेदारी सौंपी है कि वे लोगों के बीच रहें। वे इस संबंध में निर्देश जारी करेंगे।

वे यह स्पष्ट करेंगे कि स्थानीय निकायों के चुनावों को 'सेमी-फ़ाइनल' के तौर पर देखा जाना चाहिए।

हाँ जगन, फिर से लड़ने के लिए तैयार हो जाओ

16 लोगों को माफ़ी माँगनी चाहिए: मंत्री लोकेश

अमरावती, 26 मई (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन पर सरकार द्वारा आयोजित डीएससी परीक्षा में अनियमितताओं का आरोप लगाया गया है। उन्होंने इसे 'मेगा डीएससी ' कहने के बजाय 'धोखा डीएससी' (डागा डीएससी) कहकर सवाल उठाया। उन्होंने सरकार द्वारा जारी अधिसूचना को रद्द करने और एक नई डीएससी परीक्षा आयोजित करने के वादे के साथ झूठा प्रचार फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने यह सवाल भी उठाया कि शिक्षा विभाग से संबंधित एक आउटसोर्स कर्मचारी को पहली रैंक कैसे मिल गई।

उन्होंने आरोप लगाया कि टॉपर के विवरण हटा दिए गए थे. मेरिट सूची छिपा दी गई थी; उन्होंने पूछा, आपने डेटाबेस क्यों हटाया? एपी सरकार से कई सवाल पूछे गए। मंत्री नारा लोकेश ने वाईएस जगन के ट्वीट का जवाब दिया। मैं वाईएस जगन के दर्द और गुस्से को समझ नहीं पा रहा हूँ.. उनके शासन के पिछले 8 वर्षों में केवल एक शिक्षक पद भरा गया था। उन्होंने कुछ नहीं किया। वास्तव में, पिछली सरकार के कार्यकाल के दौरान 'जॉब कैलेंडर' लागू नहीं किया गया था।

हमारी सरकार ने अभी-अभी 16 हज़ार शिक्षक पद भरे हैं. हमने 10 हज़ार पदों वाला जॉब कैलेंडर जारी किया है। उन्होंने याद दिलाया कि हम जल्द ही एक और डीएससी परीक्षा भी आयोजित करेंगे। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, एक बड़ी लड़ाई के लिए तैयार हो जाओ। उन्होंने जगन को चोर बताते हुए कहा कि परीक्षा के पेपर चुराना एक बड़ा अपराध है। उन्होंने ऐसी कड़ी टिप्पणियाँ कीं।

उन्होंने कहा कि सबसे पारदर्शी तरीके से आयोजित 'मेगा डीएससी ' में, 16 हज़ार लोगों को नौकरी मिलने के बावजूद उनकी आलोचना और अपमान किया जा रहा है। उन्होंने मांग की कि मेगा डीएससी में चयनित शिक्षकों को दूसरों के लगाए गए कलंक को ढोने के बाद माफ़ी मिलनी चाहिए।

'मुझे विजय से जलन होती है'

पवन कल्याण ने तमिलनाडु में टीवीके की जीत पर दिया बयान

अमरावती, 26 मई (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के डिप्टी सीएम पवन कल्याण ने विजय को लेकर एक बड़ा बयान दे दिया। पवन कल्याण ने कहा कि उन्हें सीएम विजय को देखकर जलन होती है। पवन कल्याण ने कहा कि उन्हें इतनी जल्दी सफलता मिल गई, जबकि मैं तो 15 साल तक सड़क पर घूमता रहा। दरअसल पवन कल्याण एक सार्वजनिक कार्यक्रम में मौजूद थे। इस दौरान उन्होंने अपने 15 साल की राजनीतिक यात्रा का जिक्र करते हुए मजाकिया लहजे में कहा, 'मैं आजकल तमिलनाडु की राजनीति को देखता हूं। उन्होंने यह सब कितनी बेफिक्री से किया है। मुझे जलन हुई।

उन्होंने कटआउट और होलोग्राम का इस्तेमाल करके खुशी-खुशी जीत हासिल कर ली।' पवन कल्याण ने आगे कहा, 'मैं तो पंद्रह साल से सड़कों पर ही घूम रहा हूं। एक राजनीतिक पार्टी चलाना मतलब लाखों लोगों को एक साथ लाना होता है। हम तो अपने ही परिवार के सदस्यों को एक बात पर राजी नहीं कर पाते।' दरअसल विजय और पवन कल्याण दोनों ही अभिनय की दुनिया से राजनीति में आए थे। विजय ने 2024 में अपनी पार्टी टीवीके बनाई थी और 2026 में ही उन्होंने 108 सीटें जीत कर डीएमके और अन्नाद्रमुक के दशकों पुराना दबदबे को खत्म कर दिया।

वहीं पवन कल्याण ने 2014 में अपनी जनसेना पार्टी की स्थापना की थी। लेकिन 2019 में आंध्र प्रदेश में जब उनकी पार्टी ने चुनाव लड़ा, तो सिर्फ एक सीट पर जीत मिली। पवन कल्याण खुद दोनों सीटों से चुनाव हार गए। हालांकि उन्होंने बाद में अपने संगठन को और मजबूत किया और भाजपा व तेलुगु देशम पार्टी के साथ गठबंधन कर 2024 के चुनाव में सभी 21 सीटों पर जीत हासिल की। इस चुनाव में पवन कल्याण ने पिठापुरम सीट से 70 हजार से ज्यादा वोट से जीत दर्ज की थी।

एपी सरकार इबोला वायरस के फैलने को लेकर अलर्ट

अमरावती, 26 मई (एजेंसियां)। अफ्रीकी महाद्वीप में इबोला वायरस के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। यह बड़े पैमाने पर फैल रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किए जाने के बाद आंध्र प्रदेश सरकार गंभीर हो गई है और अलर्ट जारी कर दिया है। राज्य में इबोला वायरस के प्रवेश को रोकने के लिए एहतियाती कदम उठाए गए हैं।

इसी के तहत, केंद्रीय नागरिक उड्डयन विभाग द्वारा जारी आदेशों के अनुसार, गन्नवरम अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर इबोला वायरस की स्क्रीनिंग के लिए एक विशेष केंद्र स्थापित किया गया है। गन्नवरम हवाई अड्डे पर विदेश से आने वाले यात्रियों की चिकित्सा जांच के लिए की गई व्यवस्थाओं के बारे में हवाई अड्डा अधिकारियों ने जानकारी दी। मंगलवार सुबह सिंगापुर से गन्नवरम पहुंचे यात्रियों की स्वास्थ्य कर्मचारियों द्वारा स्क्रीनिंग और जांच की गई। यदि किसी यात्री में वायरस के लक्षण दिखाई देते हैं, तो उसे तुरंत क्वारंटाइन में भेजकर उपचार किया जाएगा। चिकित्सा कर्मचारियों ने इस संबंध में स्पष्टीकरण दिया। इबोला सबसे खतरनाक और जानलेवा वायरल संक्रमण है।

डब्ल्यूएचओ ने चेतावनी दी है कि इसका मनुष्यों के साथ-साथ जानवरों पर भी गंभीर प्रभाव पड़ता है। आमतौर पर, यह वायरस संक्रमित व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में रक्त, लार, पसीना या शरीर के अन्य तरल पदार्थों के माध्यम से फैलता है। यह तेजी से दूसरों में फैल जाता है। यह संक्रमण संक्रमित जानवरों (मुख्य रूप से जंगली जानवरों) का मांस खाने से भी फैल सकता है।

इबोला वायरस के शरीर में प्रवेश करने के 2 से 21 दिनों के भीतर इसके लक्षण दिखाई देने लगते हैं। अफ्रीका (मुख्य रूप से डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो डीआरसी, और युगांडा) में इबोला का प्रकोप फिर से बढ़ गया है। मामलों में तेजी से वृद्धि को देखते हुए, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने गहरी चिंता व्यक्त की है। डब्ल्यूएचओ प्रमुख टेड्रोस घेब्रेयसस ने हाल ही में आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में दुनिया भर के देशों को संबोधित किया। उन्होंने सभी को अलर्ट किया और महत्वपूर्ण चेतावनी जारी कीं।

वैश्विक स्वास्थ्य आपातकालः अफ्रीका में इबोला के प्रकोप की गंभीरता को देखते हुए इसे एक अंतर्राष्ट्रीय आपातकाल घोषित कर दिया गया है। वर्तमान में फैल रहे इबोला के स्ट्रेन (प्रकार) की पहचान 'बुंडिबुग्यो' स्ट्रेन के रूप में की गई है। हालांकि इसके लिए वैक्सीन उपलब्ध है, लेकिन कोई सटीक इलाज मौजूद नहीं है; इसलिए इसे अत्यंत खतरनाक माना जा रहा है। इस संबंध में चेतावनी जारी की गई है।

महेश्वर रेड्डी मामले में अहम मोड़ टोपूदुरथी राजारेड्डी गिरफ्तार

अनंतपुरम, 26 मई (एजेंसियां)। राप्ताडु के पूर्व विधायक टोपूदुरथी प्रकाश रेड्डी के बेटे टोपूदुरथी राजारेड्डी को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। यह सर्वविदित है कि पिछले साल महेश्वर रेड्डी की मृत्यु संदिग्ध परिस्थितियों में हुई थी। हालाँकि, उनके परिवार के सदस्यों को संदेह है कि महेश्वर रेड्डी की हत्या उनके टोपूदुरथी भाइयों ने की थी।

उन्होंने यह संदेह व्यक्त किया। इसी पृष्ठभूमि में, महेश्वर रेड्डी के पिता मल्लारेड्डी ने एसपी जगदीश से टोपूदुरथी राजारेड्डी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। मल्लारेड्डी ने शिकायत में उल्लेख किया, पिछले साल अनंतपुर ग्रामीण मंडल के तातिचेर्ला में थी राजारेड्डी और टोपूदुरथी चंदू ने मेरे बेटे महेश्वर रेड्डी की हत्या कर दी और उसके शव को रेलवे ट्रैक पर फेंक दिया। महेश्वर रेड्डी के पिता मल्लारेड्डी ने शिकायत की कि पुलिस ने इस मामले पर ध्यान नहीं दिया, जिसके बाद उन्होंने एसपी जगदीश से संपर्क किया। मल्लारेड्डी ने सवाल उठाया कि वर्षों से सबूत उपलब्ध होने के बावजूद पुलिस ने कोई कार्रवाई क्यों नहीं की। इसके परिणामस्वरूप, अनंतपुर ग्रामीण पुलिस ने टोपूदुरथी भाइयों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया। महेश्वर रेड्डी के मामले में, टोपूदुरथी गांव के निवासी होने के नाते टोपूदुरथी भाइयों को आरोपी बनाया गया है।

टीडीपी अध्यक्ष का पल्ला भवन गिराने वाले तीन अधिकारियों से राहत

अमरावती, 26 मई (एजेंसियां)। एपी टीडीपी अध्यक्ष पल्ला श्रीनिवास राव के कमर्शियल कॉम्प्लेक्स की इमारत को गिराने के मामले में निलंबित किए गए तीन अधिकारियों को राहत मिली है। पिछली वाईएसआरसीपी सरकार के कार्यकाल में इस इमारत को गिराने की घटना के दौरान तीन नगर नियोजन अधिकारी शामिल थे। राज्य पुलिस और शहरी विकास विभाग ने इन अधिकारियों का निलंबन रद्द कर दिया है। अधिकारियों ने उच्च न्यायालय के आदेशों का पालन करते हुए निलंबन रद्द करने का यह निर्णय लिया। इन तीनों अधिकारियों को वरिष्ठ पदों पर वापस ड्यूटी पर बुलाया जाएगा।

25 अप्रैल 2021 को, गाजुवाका के कुल्चिवेशेरु इलाके में स्थित पल्ला श्रीनिवास राव के कमर्शियल कॉम्प्लेक्स की इमारत को गिरा दिया गया था। सरकार ने इस बात पर नाराजगी जताई थी कि नियमों के विरुद्ध जाकर इस इमारत को गिराया जा रहा है। विशाखा नगर निगम (ज़ोन 6) के नगर नियोजन अधिकारियों को बिना कोई नोटिस जारी किए ही बर्खास्त कर दिया गया था। इस पर खेद व्यक्त किया गया। 'कुटमी' (गठबंधन) सरकार के सत्ता में आने के बाद, पल्ला श्रीनिवास विशाखापट्टनम गए।

सीएम नायडू ने युवाओं से कहा: नया सोचें और उद्यमी बनें

अमरावती, 26 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने कहा है कि एमएसएमई सेक्टर देश की आर्थिक तरक्की में अहम भूमिका निभाता है, और युवाओं को उद्यमी बनने के लिए एक नई सोच अपनानी चाहिए। राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई 'एक परिवार एक उद्यमी' की सोच के तहत, उन्होंने एक करोड़ (10 मिलियन) उद्यमियों को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखा है। मुख्यमंत्री ने विजयवाड़ा में डॉ. बी.आर. अंबेडकर कलावेदिका का उद्घाटन किया और 38 एमएसएमई पार्कों की नींव वर्चुअली रखी। कलावेदिका में 'एक परिवार।

एक उद्यमी एमएसएमई ग्रोथ समिट 2026' को संबोधित करते हुए, नायडू ने ज़ोर देकर कहा कि उनकी सरकार ने महिलाओं और युवाओं के सशक्तिकरण को सबसे ज़्यादा प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि एमएसएमई सेक्टर युवाओं के नए विचारों और सपनों को साकार करने का रास्ता दिखाता है। इसी मकसद को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार ने अब तक एमएसएमई को प्रोत्साहन के तौर पर 558 करोड़ जारी किए हैं, और एपी क्लस्टर डेवलपमेंट प्रोग्राम को 200 करोड़ के बजट के साथ शुरू किया जाने वाला है। उन्होंने बताया कि सिर्फ़ एमएसएमई सेक्टर में ही एक छोटे से विचार को बड़े पैमाने के उद्योग में बदलने की क्षमता है, और यह कृषि के बाद देश में रोज़गार पैदा करने वाला दूसरा सबसे बड़ा सेक्टर है।

इसलिए, सरकार ने एमएसएमई के लिए संसाधनों तक पहुँच को आसान बनाया है और विकास की गति तेज़ करने के लिए एमएसएमई और निजी औद्योगिक पार्कों के लिए खास नीतियां बनाई हैं। उन्होंने आगे कहा कि राज्य सरकार निजी औद्योगिक पार्कों को भी प्रोत्साहन देगी, और श्री सिटी को औद्योगिक विकास का एक सफल उदाहरण बताया। महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की बात करते हुए, नायडू ने बताया कि महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों के पास अभी 28,000 करोड़ का फंड है; उन्होंने यह भी घोषणा की कि इस साल डीडब्ल्यूसीआरए समूहों से जुड़ी 500,000 महिलाओं को उद्यमी बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि रतन टाटा इनोवेशन हब के ज़रिए स्टार्टअप्स को बढ़ावा दिया जाएगा, और आंध्र प्रदेश से 100 'यूनिकॉर्न' (एक अरब डॉलर से ज़्यादा कीमत वाली कंपनियाँ) तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है। नायडू ने इस बात पर ज़ोर दिया कि भविष्य 'ज्ञान अर्थव्यवस्था' का है और उन्होंने युवाओं और उद्योगों, दोनों से उभरते हुए मौकों को अपनाने की अपील की। उन्होंने सरकार के नारे, गाँव से वैश्विक बाज़ार तक को दोहराया और एक चक्रीय अर्थव्यवस्था की वकालत की एक ऐसी अर्थव्यवस्था जिसमें एक उद्योग का कचरा दूसरे उद्योग के लिए कच्चा माल बन जाता है जिससे राज्य के भीतर एक मज़बूत एमएसएमई इकोसिस्टम को बढ़ावा देने में मदद मिलती है।

उन्होंने बताया कि आंध्र प्रदेश ने अपनी क्रेडिट गारंटी योजना के तहत एक विशेष कार्य योजना शुरू की है, जिसका उद्देश्य 5,000 करोड़ तक के ऋण उपलब्ध कराना और संकटग्रस्त एमएसएमई को पुनर्जीवित करने के लिए ठोस प्रयास करना है। मुख्यमंत्री ने महत्वाकांक्षी उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के लिए एक विशेष कार्यक्रम की घोषणा की, जिसके तहत 1 करोड़ तक के ऋण वितरित किए जाएँगे। नायडू ने कहा कि एमएसएमई को अंतरिक्ष, रक्षा और एयरोस्पेस जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए। पिछले 23 महीनों में, आंध्र प्रदेश ने कुल 23 लाख करोड़ का निवेश आकर्षित किया है।

आंध्र की गृह मंत्री अनिता ने ग्रेहाउंड्स की माओवाद-विरोधी तैयारियों की समीक्षा की

विशाखापत्तनम, 26 मई (एजेंसियां)। गृह मंत्री वंगलपुडी अनिता ने विशिष्ट ग्रेहाउंड्स बल का दौरा किया और उसकी ऑपरेशनल तैयारियों तथा वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) के खिलाफ चल रहे ऑपरेशनों की समीक्षा की। यह दौरा केंद्रीय गृह मंत्री द्वारा हाल ही में एलडब्ल्यूई से प्रभावित सभी राज्यों के साथ बुलाई गई बैठक की पृष्ठभूमि में हुआ है, जिसका उद्देश्य माओवादी गतिविधियों के खिलाफ राष्ट्रीय रणनीति और समन्वित प्रयासों की समीक्षा करना था।

समीक्षा के दौरान, अनिता ने कहा कि सुरक्षा बलों को मौजूदा शांति काल के दौरान भी हाई अलर्ट पर रहना चाहिए और अधिकतम ऑपरेशनल सतर्कता बनाए रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि माओवादी समूह आंध्र प्रदेश में अचानक हमले करने के लिए जाने जाते हैं, और इस बात पर ज़ोर दिया कि किसी भी स्तर पर कोई ढिलाई नहीं बरती जानी चाहिए। मंत्री ने ग्रेहाउंड्स बल द्वारा बनाए गए प्रशिक्षण के मानकों, ऑपरेशनल तत्परता, अनुशासन और पेशेवरता की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह संगठन कमांडो के लिए अपनी ऑपरेशनल क्षमताओं और प्रशिक्षण बुनियादी ढांचे को लगातार उन्नत कर रहा है।

उन्होंने ग्रेहाउंड्स प्रशिक्षण केंद्र में नए विकसित बुनियादी ढांचे की समीक्षा की, जिसमें इनडोर और आउटडोर शक्ति और कंडीशनिंग सुविधाएं, एक सिंथेटिक एथलेटिक सहनशक्ति ट्रैक, फायरिंग रेंज, जल निगरानी और युद्ध प्रशिक्षण सुविधाएं, तथा कमांडो की युद्धक क्षमता और सहनशक्ति को बेहतर बनाने के उद्देश्य से अन्य ऑपरेशनल प्रशिक्षण बुनियादी ढांचे शामिल हैं। अनिता ने ग्रेहाउंड्स बल के अधिकारियों और कमांडो के साथ बातचीत की और वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ लड़ाई में कठिन ऑपरेशनल परिस्थितियों में उनकी सेवा की सराहना की। दौरे के दौरान, उन्होंने हाल ही में आयोजित 'ऑल इंडिया कमांडो प्रतियोगिता' के विजेताओं से मुलाकात की और उनके प्रदर्शन तथा पेशेवरता के लिए उन्हें सम्मानित किया।

उठावना

श्री गौरी शंकर गुप्ता

(सुपुत्र : स्व. डॉ. एफ. हनुमानदासजी)
15/8/1959 - 25/05/2026

ईश्वर पुण्य आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें।"
भावपूर्ण श्रद्धांजलि। ॐ शांति।

उठावना बुधवार, दिनांक 27 मई 2026 को
दोपहर 12 से 01 बजे तक
ताज कृष्णा बंजारा हिल्स पर होगा
(महिलाओं एवं पुरुषों के लिए)

- शोकाकुल -
सरिता गुप्ता (धर्मपत्नी)
कोमल अग्रवाल, मेघा सारड़ा (पुत्रियाँ)
अमित अग्रवाल, अमित सारड़ा (दामाद)
ओमप्रकाश गुप्ता, आनन्द गोयल, राधेश्याम गुप्ता, गोपाल गुप्ता (भाई)
वंश गुप्ता (पौत्र), आर्यवर्धन सारड़ा, सुहानी, समायरा, आनंदिता (दोयता, दोयतियाँ)

बैठक, रविवार, 31 मई 2026 को अपराह्न 03 से 05 बजे तक निवास स्थान (आराध्यम) पर रखी गई है।

कल्लुमल फकीरचन्द हनुमानदास गौरीशंकर गुप्ता

'आराध्यम' 8-2-283/B/5, रोड नं. 3, बंजारा हिल्स, पुलिस स्टेशन के समीप, हैदराबाद - 500 034

जी एस ग्रुप

एक्सप्रेस-वे पर एसी बस पलटी, दरोगा समेत 7 की मौत

खिड़कियों से गिरे लोग, 25 घायल, एक का पैर कटकर अलग, 36 लोग सवार थे

उन्नाव, 26 मई (एजेंसियां)। उन्नाव में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर डबल डेकर एसी बस मंगलवार सुबह करीब 5 बजे अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में दरोगा-कैदी समेत 7 यात्रियों की मौत हो गई। 3 पुलिसकर्मी समेत 25 लोग घायल हैं। दिल्ली से बिहार जा रही बस में 36 यात्री सवार थे।

पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि ड्राइवर को झपकी आने से हादसा हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बस तेज रफ्तार में थी। अचानक ड्राइवर ने बस से नियंत्रण खो दिया। बस डिवाइडर से टकराकर किनारे लगी रेलिंग पर लटक गई। इससे कई यात्री बस की खिड़कियों से एक्सप्रेस-वे के नीचे गिर गए। एक का पैर कटकर अलग हो गया।

हादसा औरास थाना क्षेत्र में एक्सप्रेस-वे के माइलस्टोन 262 के पास हुआ। मृतकों में बिहार के सीवान पुलिस लाइन में तैनात दरोगा रामचंद्र राम (59) और गुरुग्राम निवासी कैदी छत्तरपाल

सिंह तोमर (59) भी शामिल हैं। जानकारी के अनुसार, सीवान पुलिस की टीम 24 मई को कैदी को गुरुग्राम कोर्ट में पेशी के लिए लेकर गई थी।

हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई। एक्सप्रेस-वे के बगल में ढलान वाली जगह पर घायल तड़पते रहे। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। राहत-बचाव कार्य शुरू कराया। 6-7 एंबुलेंस की मदद से 32 घायलों को पास के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। फर्श पर खून ही खून फैल गया। घायल दर्द से कराहते रहे।

सीएचसी में डॉक्टरों ने 6 यात्रियों को मृत घोषित कर दिया। बाकी को प्राथमिक इलाज के बाद लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। जहां इलाज के दौरान एक और घायल ने दम तोड़ दिया। पुलिस के मुताबिक, बस में अधिकतर यात्री बस्ती, सिद्धार्थनगर और गोरखपुर के रहने वाले थे। सीएम योगी ने हादसे का संज्ञान लिया है। घायलों के जल्द ठीक होने की कामना की है।

हादसे के बाद एक्सप्रेसवे पर करीब आधे घंटे तक यातायात प्रभावित रहा। लंबा जाम लग गया। मृतकों में दरोगा-कैदी के अलावा सुरेश कुमार जायसवाल निवासी मुंडेरा बाजार (गोरखपुर), विदेशी गुप्ता निवासी मदपुर (गोरखपुर), विजय कुमार निवासी फारेसन गोविंदपुर (बस्ती) शामिल हैं। 2 की पहचान अब भी बाकी है।

घायल यात्री बृजेश कुमार ने बताया कि वह हरियाणा के बल्लभगढ़ के रहने वाले हैं। रात के वक्त बस में सो रहे थे। अचानक तेज झटका लगा। धमाके जैसी आवाज हुई। इससे पहले कुछ समझ पाते सामने अंधेरा छा गया। होश आने पर खुद को सीएचसी में भर्ती पाया।

यूपी में आंधी-तूफान से 6 की मौत

बांदा का पारा लगातार 8वें दिन 47C पार मानसून केरलम से 35किमी दूर अटका

नई दिल्ली/लखनऊ, 26 मई (एजेंसियां)। देश के उत्तर-पश्चिम में पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर में दिल्ली-हिमाचल, यूपी, दक्षिण-पश्चिम में ओडिशा और तेलंगाना भीषण गर्मी से जूझ रहे हैं। पश्चिम में गुजरात, महाराष्ट्र और सेंट्रल इंडिया में मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र के एमपी से लगा हिस्सा और छत्तीसगढ़ में गर्मी का सबसे खतरनाक दौर चल रहा है।

भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक सोमवार को यूपी के बांदा और विदर्भ का ब्रह्मपुरी में सबसे ज्यादा गर्म रहे। यहां लगातार 8वें दिन 47°C से ज्यादा तापमान दर्ज किया गया। छतरपुर का खजुराहो 47.2°C के साथ तीसरे नंबर पर और नौगांव 46.8°C के साथ चौथा सबसे गर्म शहर रहा।

यूपी के गोंडा, लखीमपुर, बस्ती, शाहजहांपुर और सीतापुर में गर्मी के बीच सोमवार रात आंधी-तूफान चला। इससे जुड़े हादसों में बच्चे समेत 6 की मौत हो गई है।

एसएससी कॉन्स्टेबल परीक्षा के दौरान अभ्यर्थियों का हंगामा

जमकर की तोड़फोड़, पेपर हुआ रद्द

प्रयागराज, 26 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में मंगलवार को परीक्षार्थियों का एक बार फिर से हंगामा देखने को मिला। यहां कर्मचारी चयन आयोग की कांस्टेबल जीडी परीक्षा में परीक्षा केंद्र पर क्षमता से ज्यादा अभ्यर्थियों को बुला लिया गया। इससे नाराज अभ्यर्थियों ने परीक्षा केंद्रों पर जमकर हंगामा किया। सड़क पर चक्काजाम कर दिया जिससे पूरे इलाके में अफरातफरी का माहौल बन गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह हालात पर काबू पाया। दूसरी ओर, प्रयागराज समेत पांच जिलों में दूसरी और तीसरी पाली की परीक्षा रद्द कर दी गई है। इसके पीछे तकनीकी कारण बताया गया है।

प्रयागराज में बड़ी संख्या में अभ्यर्थी एसएससी कॉन्स्टेबल परीक्षा देने के लिए अंदावा स्थित आई टेक जोन सेंटर पहुंचे थे। यह केंद्र सीता सिंह महिला महाविद्यालय परिसर में बनाया

गया था। परीक्षा देने पहुंचे अभ्यर्थियों का आरोप था कि केंद्र पर उनके लिए बैठने की व्यवस्था नहीं थी और न ही पर्याप्त कंप्यूटर सिस्टम थे।

भीषण गर्मी में जब परीक्षार्थियों को बैठने की जगह नहीं मिली तो उनका पारा चढ़ गया। देखते ही देखते पूरा माहौल तनावपूर्ण हो गया।

नाराज परीक्षार्थियों ने परीक्षा केंद्र में रखे कंप्यूटर, लैपटॉप, कुर्सियां और मेज तोड़ना शुरू कर दिया। हंगामा इतना ज्यादा हो गया कि लोगों ने एसी, कूलर, सीसीटीवी कैमरे तक क्षतिग्रस्त हो गए। परीक्षा केंद्रों में कुछ देर के लिए अफरातफरी का माहौल बन गया। एक घंटे तक जाम रहा जीटी रोड छात्रों का कहना था कि प्रशासन की लापरवाही की वजह से ना केवल उनकी परीक्षा रद्द हुई बल्कि दूरदराज से आए लोगों को भीषण गर्मी में परेशान होना पड़ा।

छात्रों ने जीटी रोड पर चक्काजाम कर दिया जिससे काफी देर तक आवागमन रुका रहा। करीब एक घंटे तक हंगामा चलता रहा। मौके पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह अभ्यर्थियों पर काबू पाया।

सैलरी लेते हो फिर इक्विपमेंट पर धूल क्यों?

मुजफ्फरपुर में अधिकारियों पर भड़की मंत्री श्रेयसी, ताला खुलवाने के लिए 10 मिनट धूप में खड़ी रही

मुजफ्फरपुर, 26 मई (एजेंसियां)। बिहार सरकार की खेल और उद्योग मंत्री श्रेयसी सिंह मंगलवार को बेला औद्योगिक क्षेत्र और इंडोर स्टेडियर देखने पहुंची। इंडोर स्टेडियम के निरीक्षण के दौरान इक्विपमेंट पर धूल जमी देखकर भड़क गईं। अधिकारियों और कर्मचारियों पर नाराजगी जाहिर करते हुए पूछा- "तुम्हें सैलरी मिलती है, फिर इस पर धूल क्यों जमा है?"

खेल भवन में डीएसओ समेत कई अधिकारियों और खिलाड़ियों ने उनका स्वागत किया। इसके बाद मंत्री ने जिम कॉम्प्लेक्स का निरीक्षण किया। इसी दौरान ट्रेडमिल पर धूल जमी देख नाराज हो गईं। इससे पहले श्रेयसी सिंह बेला औद्योगिक क्षेत्र स्थित एक फैक्ट्री का निरीक्षण करने पहुंचीं। वहां औद्योगिक गतिविधियों और व्यवस्थाओं का जायजा लेने के बाद सिकंदरपुर स्थित खेल भवन पहुंची थीं।

निरीक्षण के दौरान मंत्री ने कर्मचारियों से पूछा- जब नियमित रूप से आपको वेतन मिल रहा है तो जिम और उपकरणों की सफाई और रखरखाव ठीक तरीके से क्यों नहीं हो रहा है? उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि खिलाड़ियों के उपयोग में आने वाली सुविधाओं को बेहतर स्थिति में रखा जाए। खिलाड़ियों को अच्छी सुविधाएं देना सरकार की प्राथमिकता है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

इंडिर स्टेडियम देखने के बाद श्रेयसी सिंह सिकंदरपुर स्थित नेहरू स्टेडियम पहुंचीं, जहां उन्होंने क्रिकेट ग्राउंड का निरीक्षण किया। स्थानीय लोगों और खिलाड़ियों ने कई कमियों से उन्हें अवगत कराया।

इसी दौरान उनकी नजर नव-निर्मित स्विमिंग पूल भवन पर पड़ी, जिसका दरवाजा बंद था। मंत्री ने भवन का ताला खोलने को कहा। इस दौरान वो 10 मिनट तक चिलचिलाती धूप में खड़ी रही, लेकिन चाबी नहीं मिला। इसके बाद मंत्री बिना निरीक्षण किए वहां से लौट गईं।

मां गंगा को 5100 साड़ियों से बनी चुनरी चढ़ाई

वाराणसी, प्रयागराज, 26 मई (एजेंसियां)। यूपी में आज यानी मंगलवार को गंगा दशहरा है। वाराणसी, प्रयागराज, अयोध्या समेत प्रदेश में कई शहरों में घाटों पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी है। काशी के असी घाट पर मां गंगा को 12 राज्यों से आई 5100 साड़ियों (25,500 फीट) की चुनरी चढ़ाई गई। 501 लीटर दूध से गंगा का अभिषेक किया गया। प्रयागराज में संगम पर हजारों श्रद्धालुओं ने स्नान के बाद सूर्य को अर्घ दिया। अयोध्या के सरयू घाट पर भी श्रद्धालु दान-पुण्य कर रहे हैं। श्रद्धालु भजन-कीर्तन करते हुए घाटों पर पहुंच रहे हैं। काशी में सुबह 12 बजे तक 1.50 लाख श्रद्धालु गंगा में डुबकी लगा चुके हैं। प्रयागराज में 6 लाख लोग संगम में स्नान कर चुके हैं।

कैंची धाम जा रहे 4 दोस्तों की मौत

100 की स्पीड में हाईवे पर ट्रेलर में घुसी इनोवा, 3 की हालत गंभीर

बाराबंकी, 26 मई (एजेंसियां)। बाराबंकी में 100 की स्पीड में इनोवा कार चलते ट्रेलर में पीछे से घुस गई। हादसे में सरकारी डॉक्टर समेत चार दोस्तों की मौत हो गई, जबकि तीन की हालत गंभीर है। इनोवा सवार कैंची धाम दर्शन के लिए जा रहे थे। हादसा मंगलवार तड़के करीब 3 बजे हैदरगढ़ इलाके में लखनऊ-सुल्तानपुर हाईवे पर भिखरा गांव के पास हुआ।

पुलिस की शुरुआती जांच में पता चला है कि इनोवा चालक को झपकी आने से हादसा हुआ। पुलिस और स्थानीय लोगों ने घायलों को कार से निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने चार लोगों को मृत घोषित कर दिया।

मृतकों की पहचान चंदौली के राहुल कुमार (36), गाजीपुर के राहुल सिंह (35), बलिया के सत्यम सिंह (38) और सुल्तानपुर के सूरज मिश्रा (31) के रूप में हुई है। सभी लोग सत्यम के घर वाराणसी में इकट्ठा हुए थे। दर्शन के लिए कैंची धाम जा रहे थे। मिर्जापुर के पंकज (34), चंदन (35) और बलिया

निवासी प्रशांत घायल हैं। तीनों को लखनऊ के केजीएमयू रेफर किया गया है।

हादसा लखनऊ-सुल्तानपुर हाईवे पर हैदरगढ़ क्षेत्र में भिखरा गांव के पास हुआ। घटना के बाद आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। चीख-पुकार के बीच पुलिस को सूचना दी गई। लोगों ने कार में फंसे युवकों को बाहर निकालना शुरू किया। एम्बुलेंस की मदद से सभी को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया।

डॉक्टर्स ने 4 को मृत घोषित कर दिया। बाकियों को लखनऊ रेफर कर दिया। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंचाया। घायलों की मदद से मृतकों के परिजनों को सूचना दी। पोस्टमॉर्टम हाउसे पहुंचे परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। परिजन जमीन बैठकर बिलखते नजर आए।

वाराणसी में हॉस्टल चलाते थे सत्यम, एक हफ्ते पहले ही बलिया आए थे

सत्यम सिंह: पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंचे प्रिंस ने बताया- मृतक सत्यम मूल रूप से बलिया के रहने वाले थे। वाराणसी के पांडेयपुर में अन्नपूर्णा हॉस्टल चलाते थे। उसी बिल्डिंग में ग्राउंड फ्लोर पर परिवार के साथ रहते थे। पत्नी अलंकृता और दो बच्चे हैं। तीन भाइयों में सबसे बड़े थे। पिता तेजप्रताप सिंह की काफी पहले मौत हो चुकी है।

परिवार के मुख्य कमाने वाले थे। वह एक सप्ताह पहले ही बलिया आए थे।

राहुल कुमार: मृतक राहुल के परिजन पवन कुमार ने बताया कि राहुल चंदौली जिले के इर्स्टन बाजार के रहने वाले थे। पिता संजय कुमार की मौत हो चुकी है। पिछले 10 साल से जिला अस्पताल के एसएमसी वार्ड में स्वास्थ्यकर्मी के रूप में तैनात थे। घर में पत्नी पूजा (28), चार साल की बेटी और दो साल का बेटा है।

राहुल सिंह: गाजीपुर के सैदपुर थाना क्षेत्र के गैबीपुर गांव निवासी राहुल उर्फ टिल्लू दो भाइयों में छोटे थे। पिता अजय सिंह की मौत हो चुकी है। घर पर खेती-किसानी का काम करते थे। औड़िहार बाजार में स्टेशन के सामने स्थित परिवार के कटरे की देखरेख भी करते थे।

खगड़िया-कटिहार में बारिश, 26 जिलों में अलर्ट

भागलपुर में आंधी से हॉस्पिटल के दरवाजे-खिड़कियां टूटीं, सीजन में पहली बार पारा 46 पहुंचा

पटना, 26 मई (एजेंसियां)। बिहार में दो तरह का मौसम है। दक्षिण बिहार के कई इलाके में गर्मी का सिलसिला जारी है। राज्य में इस सीजन पहली बार अधिकतम तापमान 46 डिग्री रिकॉर्ड किया गया है।

वहीं दूसरी ओर उत्तर और पूर्वी बिहार में तेज हवा और बारिश की संभावना है। खगड़िया में सुबह से तेज बारिश हो रही है। जबकि बेगूसराय में काले बादल हैं, तेज हवा चल रही। इधर, भागलपुर में सोमवार देर शाम आई आंधी से मायागंज हॉस्पिटल को नुकसान हुआ है। सर्जरी वार्ड में खिड़कियां-दरवाजे टूट गए, तेज आंधी में कई सामान गिर गए। बेड भी इधर-उधर हो गए।

नौतपा में लू से बचेंः शरीर को रखें कूल

क्रॉनिक डिजीज है तो नौतपा में सावधानः हीट स्ट्रोक का रिस्क ज्यादा, ये 11 संकेत इग्नोर न करें, तुरंत डॉक्टर से मिलें

नौतपा में गर्मी चरम पर होती है। हाई टेम्परेचर में शरीर का नेचुरल कूलिंग सिस्टम कमजोर पड़ने

लगता है। जिन लोगों को पहले से कोई बीमारी है, उनके लिए यह समय और भी चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

मौसम विभाग ने आज यानी मंगलवार को 26 जिलों में आंधी और तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है। इसमें 15 जिलों सीतामढ़ी, शिवहर, मुजफ्फरपुर, वैशाली, समस्तीपुर, दरभंगा, मधुबनी, सुपौल, अररिया, किशनगंज, पूर्णिया, कटिहार, सहरसा, मधेपुरा और खगड़िया के लिए ऑरेंज अलर्ट है।

जबकि 11 जिलों पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सीवान, सारण, बेगूसराय, मुंगेर, भागलपुर, बांका, जमुई और पटना के लिए यलो अलर्ट जारी किया गया है।

इन जिलों में 60kmph की रफ्तार से हवा चल सकती है। साथ ही तूफान-आंधी के साथ बिजली गिरने की भी संभावना है। वहीं सोमवार को मोतिहारी, शिवहर, सुपौल, मधेपुरा और किशनगंज में तेज हवा और आंधी के साथ बारिश हुई। शिवहर में बारिश के दौरान ओले भी गिरे। बीते 24 घंटे में रोहतास का तापमान 46 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। इस बार मौसम में बदलाव की सबसे बड़ी वजह "हीट लो प्रेशर बेल्ट" और बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी वाली हवाओं का टकराव माना जा रहा है। बिहार की जमीन लगातार कई दिनों से तेज धूप के कारण अत्यधिक गर्म हो चुकी है।

इससे वातावरण में नीचे की हवा तेजी से ऊपर उठ रही है और कम दबाव का क्षेत्र बन रहा है। दूसरी तरफ बंगाल की खाड़ी से नमी से भरी हवाएं बिहार की ओर बढ़ रही हैं।

जब गर्म और ठंडी नमी वाली हवाएं आपस में टकराती हैं, तब अचानक बादल बनते हैं और तेज आंधी, बारिश व वज्रपात जैसी स्थिति पैदा होती है। मौसम वैज्ञानिक इसे "प्री-मानसून एक्टिविटी" का असर बता रहे हैं।

नाबालिग ने थाने में खुद को लगाई आग

बोली- पापा-भाई मारना चाहते हैं, उन्होंने ही डीजल डाला, प्रेमी, उसके दोस्तों पर गैंगरेप का केस करवाया

मधेपुरा, 26 मई (एजेंसियां)। मधेपुरा में एक नाबालिग ने थाने में खुद को आग लगाकर सुसाइड करने की कोशिश की। घटना सोमवार की शाम की है, पुलिस लड़की को पूछताछ के लिए लेकर आई थी। इसी दौरान उसने पुलिस से कहा, मुझे वॉशरूम जाना है। वहां जाकर उसने खुद को आग लगा ली। हालांकि, पुलिस ने आग तुरंत बुझाते हुए नाबालिग को बचा लिया है। 40% जलने की वजह से उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। नाबालिग ने पुलिस को दिए बयान में अपने-पिता और भाई पर गंभीर आरोप लगाए हैं। लड़की का कहना है, मेरे पिता और भाई ने मेरे प्रेमी को फंसाने के लिए मुझपर दबाव बनाया। उनलोगों ने मेरे साथ मारपीट की।

शादी के अगले दिन ही गहने समेटकर भागी 'लुटेरी दुल्हन'

मोटी रकम लेकर जोड़ा था रिश्ता

मुजफ्फरनगर, 26 मई (एजेंसियां)। यूपी के मुजफ्फरनगर में एक ऐसा मामला सामने आया है जिसने फिल्म 'डॉली की डोली' की कहानी को हकीकत में बदल दिया। यहां एक लुटेरी दुल्हन ने शादी के अगले ही दिन ससुराल से लाखों के जेवर समेटे और फरार हो गई।

पुलिस ने सतर्कता दिखाते हुए दुल्हन, उसकी मां और रिश्ते की बिचौलिया महिला को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही चोरी की गई ज्वेलरी भी बरामद कर ली गई है। छपार थाना क्षेत्र के रामपुर गांव निवासी मांगेराम ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी मुलाकात घुमावटी गांव निवासी रविंद्र से हुई थी। रविंद्र ने उसके बेटे के लिए सोनाक्षी नाम की युवती का रिश्ता बताया। परिवार को युवती पसंद आई और शादी तय हो गई। आरोप है कि रिश्ता तय कराने के नाम पर मोटी रकम

भी ली गई थी। 10 मई को हरिद्वार के एक मैरिज होम में दोनों की शादी हिंदू रीति-रिवाज से संपन्न हुई। शादी में दुल्हन को सोने-चांदी के जेवर भी दिए गए। लेकिन शादी के अगले ही दिन नई नवेली दुल्हन अचानक घर से गायब हो गई।

जब परिवार ने तलाश शुरू की तो पता चला कि घर में रखी ज्वेलरी भी साथ ले गई है। इसके बाद पीड़ित परिवार ने पुलिस से शिकायत की। छपार पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए बीएनएस की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया और जांच शुरू कर दी।

पुलिस ने कुछ ही घंटों में कथित लुटेरी दुल्हन सोनाक्षी, उसकी मां कामिनी और बिचौलिया महिला आशा को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के बाद पुलिस ने चोरी की गई ज्वेलरी भी बरामद कर ली। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह गिरोह ऐसे परिवारों को निशाना बनाता था जिनके बेटों की शादी उम्र अधिक होने या अन्य कारणों से नहीं हो पा रही थी।

बॉयफ्रेंड-गर्लफ्रेंड का प्राइवेट वीडियो बनाकर ब्लैकमेलिंग

मोतिहारी, 26 मई (एजेंसियां)। मोतिहारी में 18 साल की लड़की के साथ गैंगरेप हुआ है। लड़की ने बताया कि वो अपने बॉयफ्रेंड से मिलने गई थी। यहां 4 लड़कों ने दोनों का संबंध बनाते वीडियो बना लिया। वीडियो बनाने के बाद लड़के संबंध बनाने का दबाव बनाने लगे। लड़की के बॉयफ्रेंड ने भी उसे कहा कि उनकी बात मान लो।

पुलिस ने इस मामले में बॉयफ्रेंड समेत 5 लोगों को गिरफ्तार किया है। सभी की उम्र 18 से 25 साल के बीच है। लड़की का मेडिकल कराया जा रहा है। पुलिस कोर्ट में बयान दर्ज कर आगे की कार्रवाई में जुटी है। घटना सुगौली थाना क्षेत्र की है। लड़की ने बताया, मेरा पश्चिम चंपारण के मझौलिया थाना क्षेत्र के एक युवक से अफेयर चल रहा था। 24 मई की रात उसने मुझे मिलने के लिए बुलाया था।

कच्छा-बनियान गैंग का बदायूं पुलिस ने किया हाफ एनकाउंटर

तीन बदमाशों के पैरों में लगी गोलियां

बदायूं, 26 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बदायूं के इस्लामनगर क्षेत्र में दहशत का पर्याय बने कच्छा-बनियान गैंग पर आखिरकार पुलिस का शिकंजा कस गया। सिठौली और इस्लामनगर में हुई डकैती और लूट की सनसनीखेज वारदातों का खुलासा करते हुए पुलिस ने सोमवार देर-रात जंगल में मुठभेड़ के बाद गैंग के पांच बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया।

जवाबी फायरिंग में तीन बदमाश गोली लगने से घायल हो गए, जबकि एक सिपाही भी जख्मी हुआ है। पुलिस ने लूटा गया माल, नकदी और अवैध हथियार बरामद किए हैं। पुलिस को मुखबिर के जरिए सूचना मिली थी कि डकैती की वारदातों में शामिल बदमाश इस्लामनगर-चंदौसी मार्ग पर बरई पुल के पास जंगल में छिपे हैं और किसी नई वारदात की तैयारी कर रहे हैं। सूचना के बाद पुलिस

एक्शन में आई और थाना इस्लामनगर पुलिस, एसओजी और सर्विलांस टीम ने जंगल की घेराबंदी कर दी। खुद को घिरता देख बदमाशों ने पुलिस टीम पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। मुठभेड़ में कॉन्स्टेबल अनुज कुमार घायल हो गए।

पुलिस की जवाबी कार्रवाई में बदमाश मनोज के दोनों पैरों में गोली लगी, जबकि किशनपाल और भूरे के दाहिने पैर में गोली लगी। तीनों को घायल अवस्था में गिरफ्तार कर जिला अस्पताल भेजा गया। वहीं, कांबिंग के दौरान गैंग के दो अन्य सदस्य दीपक गोस्वामी उर्फ पंडित और ओमवीर को भी दबोच लिया गया। पुलिस पूछताछ में खुलासा हुआ कि गैंग पहले गांवों में मांगने-खाने के बहाने घूमकर घरों की रेकी करता था। इसके बाद रात में कच्छा-बनियान पहनकर घरों में घुसता और हथियारों के बल पर डकैती व लूट

मलिहाबाद के कसमंडी कला में सुंदरकांड पाठ करने पहुंचे हिंदू संगठन

तनाव के बीच बकरीद की नमाज पर रोक

लखनऊ, 26 मई (एजेंसियां)। यूपी की राजधानी लखनऊ के मलिहाबाद स्थित कसमंडी कला इलाके में पुराने किले को लेकर शुरू हुआ विवाद बढ़ गया है। मंगलवार को इस विवादित स्थल पर हिंदू संगठन के लोगों ने सुंदरकांड का पाठ करने का ऐलान किया। बढ़ते तनाव को देखते हुए जिला प्रशासन ने एहतियात के तौर पर बकरीद की नमाज पर पाबंदी लगा दी है। तनावपूर्ण माहौल को देखते हुए पुलिस ने सुंदरकांड पाठ को अनुमति नहीं दी है।

पासी समुदाय ने मंगलवार को फिर विवादित ढांचे पर आकर हनुमान चालीसा पढ़ने का ऐलान किया था। कुछ लोग सुंदरकांड

का पाठ करने पहुंच भी गए पर पुलिस ने उनको रोक लिया। इसके बाद बकरीद नमाज सहित अन्य धार्मिक गतिविधियों पर पूरी तरह रोक लगा दी गई।

गौरतलब है कि बीती 21 मई को पासी समुदाय ने कहा था कि कसमंडी कला में बना मकबरा और मस्जिद सन 980 से 1031 के दौरान राजपासी राजा कंस शिव मंदिर और किला था, जिसमें आज भी हिंदू समुदाय की कई परपंरागत आकृतियां दीवारों पर बनी हैं। पासी समुदाय का दावा है कि यह इमारत महाराजा कंस पासी के प्राचीन किले का हिस्सा है। इमारत की आकृतियों में बने फन उनके नागवंश परंपरा के प्रतीक हैं। इस मामले में पुलिस ने लाखन आर्मी के 15 सदस्यों पर मुकदमा दर्ज किया था जिससे उनका विरोध भड़क गया। लाखन आर्मी के प्रमुख सूरज पासी ने इसको लेकर पूरे यूपी में आंदोलन छेड़ने का ऐलान किया है। सूरज पासी ने यह भी चेतावनी दी है कि अगर लाखन आर्मी के ऊपर से मुकदमे वापस नहीं लिए गए तो आंदोलन किया जाएगा। पासी समाज का दावा है कि यह असल में 11वीं सदी के नागवंशी शासक राजा कंस पासी का किला है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

बुधवार, 27 मई, 2026 5

सुविचार: आलसी व्यक्ति को आसान-से-आसान काम भी कठिन लगता है, आलस्य ही मानव जीवन की प्रगति में बाधक है

माओवादी नेता ने पत्नी समेत किया आत्मसमर्पण

> तेलंगाना सरकार की पुनर्वास नीति से मुख्यधारा में लौटने का फैसला

हैदराबाद, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के डीजीपी सीवी आनंद ने मंगलवार को वरिष्ठ माओवादी नेता पसुनूरी नरहरी उर्फ संतोष और उनकी पत्नी मेडारा दनम्मा उर्फ लता के तेलंगाना पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण करने की घोषणा की। उन्होंने इसे कमजोर पड़ चुके माओवादी आंदोलन के लिए एक बड़ा झटका बताया। हनमकोंडा जिले के निवासी नरहरी वर्ष 1982 में माओवादी आंदोलन में शामिल हुए थे और वर्ष 2017 में केंद्रीय समिति के सदस्य बने। वे हथियार निर्माण में विशेषज्ञ माने जाते थे तथा बंदूक, मोर्टार, रॉकेट और ग्रेनेड जैसे हथियार बनाने और उनकी देखरेख का प्रशिक्षण माओवादी कैडरों को देते थे। मीडिया से बातचीत में नरहरी ने कहा कि तेलंगाना और झारखंड सहित कई राज्यों में सशस्त्र आंदोलन को गंभीर झटके लगे हैं। उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे पुनर्वास अवसरों के कारण उन्होंने और उनकी पत्नी ने मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया। उन्होंने पूर्व माओवादी प्रमुख मुप्पल्ला लक्ष्मण राव उर्फ गणपति तथा अन्य भूमिगत माओवादियों से भी आत्मसमर्पण कर संवैधानिक तरीके से सार्वजनिक जीवन में शामिल होने की अपील की।

इस अवसर पर पसुनूरी नरहरी ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और डीजीपी सीवी आनंद के प्रति आभार व्यक्त किया। डीजीपी आनंद ने बताया कि वर्ष 2024 से अब तक 822 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है, जिनमें 334 ने हथियारों सहित तेलंगाना पुलिस के समक्ष समर्पण किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान में देशभर में केवल 47 माओवादी भूमिगत हैं, जिनमें तेलंगाना के तीन, आंध्र प्रदेश का एक, छत्तीसगढ़ के 15, झारखंड के 13 और ओडिशा के 15 सदस्य शामिल हैं। डीजीपी ने आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति के तहत नरहरी को 25 लाख रुपये तथा दनम्मा को 20 लाख रुपये के पुरस्कार चेक प्रदान किए।

उन्होंने कहा कि वह जल्द ही तेलंगाना से जुड़े माओवादियों के मूल क्षेत्रों का दौरा करेंगे और उनसे मुलाकात करेंगे। इस दौरान डीजीपी आनंद ने केंद्रीय समिति सदस्य और तेलंगाना निवासी मुप्पल्ला लक्ष्मण राव उर्फ गणपति से आत्मसमर्पण करने की अपील की। उन्होंने आश्वासन दिया कि यदि गणपति आत्मसमर्पण करते हैं तो उन्हें राज्य सरकार की ओर से सभी पुनर्वास सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। डीजीपी ने अन्य भूमिगत माओवादी नेताओं जाड़े रत्नाबाई उर्फ सुजाता और वार्ता शेखर उर्फ मंगू से भी आत्मसमर्पण करने का आह्वान किया।

अकादमी ने समारोह को दिया समर्थन

हैदराबाद, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एनआरआई ग्लोबल कोऑर्डिनेटर महेश बिगला ने मंगलवार को मलेशिया तेलुगु अकादमी का दौरा किया। इस दौरान अकादमी नेतृत्व ने मलेशिया में आयोजित होने वाले भव्य तेलंगाना स्थापना दिवस समारोह के सफल आयोजन के लिए पूर्ण समर्थन व्यक्त किया। यह समारोह बीआरएस यूएसए और मलेशिया तेलंगाना एसोसिएशन (एमवाईटीए) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव (केटीआर) 6 जून को मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। अकादमी नेतृत्व ने औपचारिक रूप से केटीआर को भी मलेशिया दौरे के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया है। महेश बिगला के साथ बीआरएस यूएसए और एमवाईटीए टीम के सदस्य मारुति कुर्मा, संदीप गौड़ तथा अन्य समुदाय के नेता भी मौजूद रहे।

हैदराबाद की पेयजल आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त

हैदराबाद, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने कुक्टपल्ली में पार्टी की 'रैतू गोसा-भाजपा भरोसा' यात्रा के दौरान सत्तारूढ़ कांग्रेस, भारत राष्ट्र समिति और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन पर 'राजनीतिक लाभ के लिए हैदराबाद के नागरिकों को धोखा देने' का आरोप लगाया। पत्रकारों से बात करते हुए राव ने आरोप लगाया कि ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम को कई निगमों में विभाजित करने का प्रस्तावित कदम केवल एमआईएम को राजनीतिक रूप से मजबूत करने के लिए उठाया जा रहा है।

तेलंगाना सरकार को निशाना बनाते हुए भाजपा नेता ने हैदराबाद की पेयजल आपूर्ति व्यवस्था के पूरी तरह से ध्वस्त होने का आरोप लगाया और दावा किया कि निवासियों को तीन से चार दिनों में केवल एक बार पानी मिल रहा है और वे निजी टैंकरों पर निर्भर रहने को मजबूर हैं। भाजपा के मुख्य प्रवक्ता ने एचआईएलटी नीति के तहत 'रियल एस्टेट घोटाले' का आरोप लगाते हुए तेलंगाना सरकार पर एचआईएलटी नीति के तहत औद्योगिक क्षेत्रों को आवासीय क्षेत्रों में परिवर्तित करने का आरोप लगाया, ताकि रियल एस्टेट हितों को लाभ पहुंचाया जा सके, और नौकरियों और आजीविका पर प्रभाव आकलन की कमी का आरोप लगाया। हैदराबाद के विकास के लिए भाजपा को एक विकल्प के रूप में प्रस्तुत करते हुए, रामचंदर राव ने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई स्मार्ट सिटी और अमृत जैसी योजनाएं हैदराबाद को जीएचएमसी चुनावों से पहले एक वैश्विक शहर में बदल सकती हैं।

तेलंगाना सरकार दमनकारी प्रशासन : कविता

हैदराबाद, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना रक्षा सेना (टीआरएस) की संस्थापक कल्वकुंतला कविता ने मंगलवार को मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य की कांग्रेस सरकार दमनकारी प्रशासन की तरह कार्य कर रही है।

कविता ने यह टिप्पणी तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल से लोक भवन में मुलाकात के बाद की। इस दौरान उनके साथ तेलंगाना रक्षा सेना, धर्म समाज पार्टी के नेता तथा वेलुगुमटला, रीजनल रिंग रोड (आरआरआर) परियोजना और परगी मंडल के प्रस्तावित कडलापुर औद्योगिक पार्क से प्रभावित लोग भी मौजूद थे। बाद में मीडिया से बातचीत करते हुए कविता ने कहा कि प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को वेलुगुमटला में मकानों के ध्वस्तीकरण, आरआरआर परियोजना के मार्ग में बदलाव, रायगिरि में भूमि अधिग्रहण तथा कडलापुर औद्योगिक पार्क के लिए भूमि अधिग्रहण के प्रयासों से जुड़ी समस्याओं से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना रक्षा सेना और धर्म समाज पार्टी के लगातार आंदोलनों के कारण राज्य सरकार को परगी औद्योगिक पार्क और आरआरआर परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण रोकना पड़ा। साथ ही वेलुगुमटला में विस्थापित परिवारों को उसी क्षेत्र में भूमि आवंटित करने पर भी सरकार सहमत हुई है। कविता ने इन घटनाओं को आंशिक जीत बताते हुए कहा कि प्रभावित परिवारों को पूर्ण न्याय दिलाने के लिए केंद्र सरकार के हस्तक्षेप की आवश्यकता अभी भी बनी हुई है। उन्होंने कहा कि राज्यपाल ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया है कि वह राज्य सरकार से रिपोर्ट तलब करेंगे और विस्थापितों को न्याय दिलाने का प्रयास करेंगे। कविता ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने उचित समय सीमा के भीतर समस्याओं का समाधान नहीं किया तो संबंधित संगठन लोकतांत्रिक तरीके से अपने आंदोलन को और तेज करेंगे।

रिश्वत मामले में तहसीलदार एसीबी के जाल में, सर्वेयर भी गिरफ्तार

> तेलंगाना में दो अलग-अलग भ्रष्टाचार मामलों का खुलासा

हैदराबाद, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने मंगलवार को दो अलग-अलग रिश्वत मामलों में एक तहसीलदार और एक मंडल सर्वेयर को ट्रैप कर गिरफ्तार किया। एसीबी के अनुसार, मेडचल-मलकाजगिरी जिले के शमीरपेट मंडल की तहसीलदार टी. सुचरिता, जो कार्यकारी मजिस्ट्रेट एवं संयुक्त उप-पंजीयक भी हैं, को 30 एकड़ कृषि भूमि से संबंधित एनएएलए (एनएएलए) रूपांतरण आवेदन को मंजूरी देने के लिए 30 लाख रुपये की रिश्वत मांगने के आरोप में रंगे हाथों पकड़ा गया। आरोप है कि अधिकारी ने अपने निजी ड्राइवर वी. नागेश के माध्यम से 2 लाख रुपये अग्रिम रूप में स्वीकार किए। यह राशि ड्राइवर के पास से बरामद की गई। दोनों-तहसीलदार और ड्राइवर-को गिरफ्तार कर नांपल्ली स्थित विशेष न्यायालय (एसपीई और एसीबी मामलों) में पेश किया जा रहा है। मामले की जांच जारी है।

एक अन्य मामले में एसीबी महबूबनगर रेंज ने जोगुलाम्बा गडवाल जिले के वडदेपल्ली मंडल के मंडल सर्वेयर कम्मारी ब्रह्मैया को 15,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया। एसीबी के अनुसार, सर्वेयर ने शिकायतकर्ता के माता-पिता की भूमि से संबंधित सर्वे करने के लिए पहले 5,000 रुपये अग्रिम लिए थे और बाद में शेष 10,000 रुपये लेते हुए पकड़ा गया। रिश्वत की राशि उसके पास से बरामद की गई। दोनों मामलों में शिकायतकर्ताओं की पहचान सुरक्षा कारणों से गोपनीय रखी गई है। एसीबी ने नागरिकों से अपील की है कि वे भ्रष्टाचार की सूचना टोल-फ्री नंबर 1064 पर दें।

टी-वर्क्स तेलंगाना के युवाओं की तकनीकी शक्ति का प्रतीक : केटीआर

बीआरएस शासन में नवाचार को मिला विश्वस्तरीय मंच

हैदराबाद, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री और बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने कहा है कि टी-वर्क्स केवल एक इमारत नहीं, बल्कि तेलंगाना के युवाओं के लिए तकनीकी शक्ति और नवाचार का सशक्त मंच है। उन्होंने कहा कि टी-वर्क्स भारत की सबसे बड़ी प्रोटोटाइपिंग सुविधा है, जिसकी परिकल्पना बीआरएस अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने की थी। सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी अपने संदेश में केटी रामाराव ने कहा कि टी-वर्क्स ने तेलंगाना के भविष्य को वैश्विक स्तर पर प्रस्तुत किया है और यह युवाओं के सपनों को नई दिशा देने वाला तकनीकी केंद्र बन चुका है।

उन्होंने कहा कि बीआरएस सरकार ने स्टार्टअप्स को केवल प्रोत्साहन ही नहीं दिया, बल्कि उन्हें विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचा, अत्याधुनिक तकनीक और नवाचार के लिए पूर्ण स्वतंत्रता भी उपलब्ध कराई।

रामाराव ने कहा कि आज देश में ड्रोन, रक्षा प्रौद्योगिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्रों पर व्यापक चर्चा हो रही है, लेकिन तेलंगाना में इन क्षेत्रों की मजबूत नींव कई वर्ष पहले ही के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में रख दी गई थी। उन्होंने कहा कि टी-वर्क्स केवल भवन नहीं, बल्कि एक ऐसी प्रयोगशाला है जो मेक इन तेलंगाना की भावना को साकार करते हुए युवाओं के सपनों को पंख देती है। बीआरएस नेता ने कहा कि केसीआर की दूरदर्शिता के कारण ही देश का सबसे बड़ा प्रोटोटाइपिंग केंद्र स्थापित हुआ और हैदराबाद नवाचार के वैश्विक केंद्र के रूप में उभर सका। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर टी-वर्क्स को मिल रही सराहना तेलंगाना के विकास मॉडल और दूरदर्शी नेतृत्व का प्रमाण है।

एकजुट संघर्ष के लिए होना चाहिए तैयार : ईटेला राजेंदर

हैदराबाद, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा सांसद ईटेला राजेंदर ने मंगलवार को कहा कि मुदिराज समुदाय को अपने लंबे समय से लंबित मांगों को हासिल करने के लिए एकजुट संघर्ष के लिए तैयार रहना चाहिए। जालविहार में आयोजित मुदिराज सिंहावलोकन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि समुदाय कई वर्षों से अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहा है, लेकिन अपेक्षित प्रगति नहीं हो सकी है।

यह कार्यक्रम मुदिराज इंटेलेक्चुअल्स फोरम द्वारा आयोजित किया गया था, जिसमें विधान परिषद के उपसभापति बंडा प्रकाश, सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी चिरंजीवुलु, प्रोफेसर कांचा इलैया, प्रोफेसर दिनेश, डॉ. शिवकेशव, उप्पारी नारायण, जगन मुदिराज तथा मुदिराज स्टूडेंट्स फोरम के संयोजक जुलु नागेश्वर मुदिराज सहित विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि और बुद्धिजीवी शामिल हुए। आयोजकों ने बताया कि एक सरकारी सर्वेक्षण में यह सामने आया है कि मुदिराज समुदाय कई क्षेत्रों में अब भी पिछड़ा हुआ है। ईटेला राजेंदर ने कहा कि बंडा प्रकाश ने पहले भी समुदाय के अधिकारों के लिए सक्रिय भूमिका निभाई थी और उन्होंने विधानसभा में मुदिराज समुदाय को बीसी-डी से बीसी-ए श्रेणी में पुनर्वर्गीकृत करने की मांग सबसे पहले उठाई थी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2008 में तत्कालीन मुख्यमंत्री वाई. एस. राजशेखर रेड्डी ने इस संबंध में आदेश भी जारी किए थे, लेकिन यह प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकी। उन्होंने कहा कि मुदिराज समुदाय मेहनतकश वर्ग है, जो मौसमी फल और सब्जियों की बिक्री से अपनी आजीविका चलाता है।

उन्होंने कहा कि समुदाय केवल अपने अधिकार चाहता है और सरकार को इस लंबित पुनर्वर्गीकरण प्रक्रिया को फिर से आगे बढ़ाना चाहिए। भाजपा सांसद ने आरोप लगाया कि सार्वजनिक जीवन में केवल आर्थिक रूप से मजबूत लोग ही विधायक और सांसद बन पा रहे हैं, जबकि आम नागरिकों को समान अवसर नहीं मिल रहे हैं।

एनीमिया उपचार में आयुर्वेदिक औषधियों को मिली नई मान्यता

आईसीएमआर अध्ययन में पारंपरिक उपचार को बताया प्रभावी

हैदराबाद, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आधुनिक चिकित्सा के वैज्ञानिक मानकों के अनुरूप पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों की प्रभावशीलता को लेकर एक महत्वपूर्ण अध्ययन सामने आया है।

हैदराबाद के संस्थानों सहित विभिन्न शोध संस्थानों के वैज्ञानिकों ने एनीमिया के उपचार में आयुर्वेदिक औषधियों को पारंपरिक आयरन-फोलिक एसिड सप्लीमेंट्स के चिकित्सीय रूप से समकक्ष पाया है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) की वार्षिक नैदानिक परीक्षण बैठक में प्रस्तुत अध्ययन के निष्कर्षों के अनुसार, आयुर्वेदिक उपचार पद्धति एनीमिया से पीड़ित रोगियों के लिए सुरक्षित और प्रभावी विकल्प साबित हो सकती है।

इस बहुकेंद्रीय अध्ययन में हैदराबाद स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन मेडिकल हेरिटेज (एनआईआईएमएच) तथा अखिल भारतीय आयुर्वेद विज्ञान संस्थान (एम्स), बिबीनगर के शोधकर्ताओं ने प्रमुख भूमिका निभाई। तीसरे चरण के इस यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण में देशभर की 18 से 49 वर्ष आयु वर्ग की लगभग चार हजार गैर-गर्भवती महिलाओं को शामिल किया गया। 90 दिनों तक चले इस अध्ययन में आयुर्वेदिक औषधि पुनर्नवादि मंडूरा की प्रभावशीलता की तुलना आयरन-फोलिक एसिड उपचार से की गई। इसमें द्राक्षावलेहा के संयोजन का भी परीक्षण किया गया। आईसीएमआर के अनुसार परीक्षण के परिणाम बेहद सकारात्मक रहे और आयुर्वेदिक उपचार ने पारंपरिक एलोपैथिक उपचार के समान चिकित्सीय प्रभाव प्रदर्शित किया। इससे भविष्य में एनीमिया उपचार के लिए आयुर्वेदिक पद्धतियों को व्यापक स्तर पर अपनाने का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। शोधकर्ताओं ने बताया कि पुनर्नवादि मंडूरा प्राकृतिक आयरन से भरपूर जड़ी-बूटी और खनिजों का मिश्रण है, जो हीमोग्लोबिन बढ़ाने के साथ शरीर की शक्ति और चयापचय को भी बेहतर बनाने में सहायक माना जाता है। इसका मुख्य घटक बोअरहाविया डिफ्यूसा नामक औषधीय पौधा है, जो सूजनरोधी और मूत्रवर्धक गुणों के लिए प्रसिद्ध है। वहीं द्राक्षावलेहा, अंगूर आधारित आयुर्वेदिक औषधि है, जो पाचन क्रिया को बेहतर बनाकर शरीर में लौह तत्व के अवशोषण को बढ़ाने में मदद करती है। शोधकर्ताओं का मानना है कि इससे आयरन सप्लीमेंट्स से होने वाली मतली, पेट में जलन और कब्ज जैसी समस्याओं में भी कमी आ सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह अध्ययन एनीमिया के उपचार में पारंपरिक भारतीय चिकित्सा पद्धति की वैज्ञानिक स्वीकार्यता को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। एनआईआईएमएच और एम्स, बिबीनगर अब व्यापक जनउपयोग के लिए एकीकृत उपचार प्रोटोकॉल को मानकीकृत करने की दिशा में कार्य करेंगे।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, KANWAL RAM Father of VIJAY KUMAR, Residing at Vill-Raka, Po -Murmodha, Teh- Dongargarh, Dist-Rajnandgaon, C.G, PIN-491445. I have to change my Name from KANWAL RAM to KANVAL RAM. For all purpose vide affidavit.

I, Marapakula Sirisha, W/o, No. 14679584H, NK, Appa Rao M, R/o, Dist: Medchal-Malkajgiri, Telangana, changed my name from Marapakula Sirisha to Sirisha Marapakula vide Affidavit No. BU 316017 dt. 24.05.2026, before Spl Judicial Magistrate at L B Nagar.

I, Rubeena Bano, W/o, No. 14642501P, Hav, Sharif Ali, R/o, Dist: Sikar, Rajasthan, changed my name from Rubeena Bano to Rubina vide Affidavit No. 466851 dt. 22.05.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

एनआरआई बीसी सेल ने शिक्षा और रोजगार के दृष्टिकोण के साथ शुरुआत की

हैदराबाद, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। एनआरआई बीसी सेल यूके के मार्गदर्शन में लंदन, यूके में आयोजित पहला कार्यक्रम बेहद भव्यता और उल्लेखनीय सफलता के साथ संपन्न हुआ। ब्रिटिश कोलंबिया एसोसिएशनों के कई प्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, निर्वाचित अधिकारियों और ब्रिटेन के विभिन्न क्षेत्रों से भारतीय प्रवासी समुदाय के सदस्यों ने एक साथ आकर इस कार्यक्रम की महान उपलब्धि में योगदान दिया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में, ब्रिटिश ब्रिटिश आंदोलन के दौरान प्राणों की आहुति देने वाले साईं ईश्वरचारी और समाज में महत्वपूर्ण योगदान देने वाली अन्य प्रमुख हस्तियों को पुष्पांजलि अर्पित की गई। इसके बाद, उनके सम्मान में एक मिनट का मौन रखा गया। इस कार्यक्रम के दौरान, एनआरआई बीसी सेल के अध्यक्ष दुदिगामा किरण कुमार ने पिछड़े वर्गों (बीसी) की सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक प्रगति को बढ़ावा देने में अनिवासी भारतीयों द्वारा अपनी जिम्मेदारियों को गंभीरता से लेने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि एनआरआई बीसी सेल का उद्देश्य ब्रिटेन में बीसी समुदाय को और मजबूत करना, युवाओं को प्रेरित करना और शिक्षा, रोजगार और व्यवसाय में अधिक अवसर पैदा करना है। किरण कुमार ने यह भी कहा कि उद्घाटन समारोह में भारी संख्या में लोगों की उपस्थिति बीसी समुदाय की एकता को दर्शाती है। मुख्य अतिथि के रूप में, संसद सदस्य और नेशनल बीसी वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष आर. कृष्णैया ने दुनिया भर के बीसी निवासियों के लिए अपने समुदाय की सामाजिक, राजनीतिक और शैक्षिक उन्नति के लाभ के लिए सहयोग करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने विदेशों में रहने वाले ब्रिटिश मूल निवासियों से समाज के उत्थान के लिए अपनी विशेषज्ञता, ज्ञान और संसाधनों का उपयोग करने का आग्रह किया।

एसआईआर को पारदर्शी तरीके से संचालित करने के निर्देश

> मतदाता सूची में पात्र मतदाताओं को शामिल करने पर जोर

हैदराबाद, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) सी. सुधर्शन रेड्डी ने मंगलवार को हैदराबाद में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम की समीक्षा बैठक आयोजित की।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. वसम वेंकटेश्वर रेड्डी तथा उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी (एफएसी) जी.एस.चारी भी उपस्थित रहे। बीआरकेआर भवन में आयोजित इस बैठक में जीएचएमसी आयुक्त एवं हैदराबाद जिला निर्वाचन अधिकारी आर.वी. कर्णन, मेडचल-मलकाजगिरि जिला कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी एम. मनु चौधरी तथा संबंधित निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) शामिल हुए। बैठक के दौरान मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची में शामिल किया जाए तथा अपात्र मतदाताओं के नाम हटाए जाएं। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम पूरी पारदर्शिता और त्रुटिरहित तरीके से संचालित होना चाहिए। सीईओ ने निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों को बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) को पर्याप्त प्रशिक्षण देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया में बीएलओ की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। साथ ही ईआरओ को बीएलओ द्वारा किए जा रहे कार्यों की लगातार समीक्षा करने तथा आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त सहयोग उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए, ताकि मैपिंग प्रक्रिया में तेजी लाई जा सके। अधिकारियों को ऊंची इमारतों और गेटेड कम्युनिटी क्षेत्रों में विशेष ध्यान देने तथा एसआईआर प्रक्रिया के महत्व के प्रति जागरूकता फैलाने को कहा गया।

शहरी क्षेत्रों, विशेषकर झुग्गी बस्तियों में व्यापक जागरूकता अभियान चलाने के भी निर्देश दिए गए। प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए गणना प्रपत्र अंग्रेजी और तेलुगु दोनों भाषाओं में उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके अलावा अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए कि वीआईपी और वीवीआईपी मतदाताओं की मैपिंग भी सही तरीके से हो। मैदानी स्तर पर कार्यरत कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बेस्ट बीएलओ अवार्ड देने की घोषणा भी की।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 27 मई - 2026

पेट्रोल-डीजल से झुलसती अर्थव्यवस्था

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष ने पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को अस्थिर कर दिया है और इसका सबसे बड़ा असर ऊर्जा क्षेत्र पर दिखाई दे रहा है। भारत जैसे देश, जो अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा आयातित कच्चे तेल से पूरा करते हैं, इस संकट की सीधी मार झेल रहे हैं। यही कारण है कि पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगातार वृद्धि हो रही है। सोमवार को पेट्रोल के दाम में 2.61 रुपये और डीजल में 2.71 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी से ही आम जनता हांफने लगी है। केवल दो सप्ताह के भीतर यह चौथी बार कीमतों में इजाफा है, जो स्थिति की गंभीरता को दर्शाता है। असल समस्या केवल तेल के दाम बढ़ने की नहीं है, बल्कि उससे पैदा होने वाले व्यापक आर्थिक प्रभावों की है। पेट्रोल और डीजल महंगे होने का सीधा असर परिवहन लागत पर पड़ेगा। जब माल ढुलाई महंगी होती है, तो खाद्यान्न, सब्जियां, दवाइयां और रोजमर्रा की वस्तुओं के दाम भी बढ़ जाते हैं। यानी ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी महंगाई को और तेज कर देती है। पहले से आर्थिक दबाव झेल रहे मध्यम और गरीब वर्ग के लिए यह स्थिति बेहद कठिन होती जा रही है। फरवरी के अंत से अब तक वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में पचास प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हो चुकी है। इसके पीछे मुख्य कारण पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव और होर्मुज जलमार्ग पर मंडराता खतरा है। यह समुद्री मार्ग दुनिया में तेल आपूर्ति का एक बड़ा केंद्र माना जाता है। यदि वहां बाधा आती है, तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की आपूर्ति प्रभावित होना स्वाभाविक है। भारत जैसे आयात-निर्भर देशों के लिए यह संकट कितना गंभीर हो जाता है, इसे समझना कठिन नहीं होना चाहिए। सरकार ने शुरुआती दौर में तेल कंपनियों पर दबाव डालकर कीमतों को नियंत्रित रखने की कोशिश की थी, लेकिन लंबे समय तक ऐसा संभव नहीं हो पाया। तेल विपणन कंपनियों पर आर्थिक बोझ बढ़ने लगा तो अंततः कीमतों में वृद्धि की गई। हालांकि सरकार लगातार यह दावा कर रही है कि वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों और आपूर्ति व्यवस्थाओं पर काम किया जा रहा है, लेकिन जमीन पर उसका असर अभी दिखाई नहीं दे रहा। लगातार बढ़ती कीमतें यह संकेत दे रही हैं कि ऊर्जा सुरक्षा को लेकर हमारी तैयारियां अभी पर्याप्त नहीं हैं। इस संकट ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या भारत ने ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों को पर्याप्त महत्व दिया है। सौर ऊर्जा, जैव ईंधन, इलेक्ट्रिक वाहन और हरित ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में तेजी से निवेश की जरूरत है। यदि देश आयातित तेल पर निर्भरता कम नहीं करेगा, तो हर वैश्विक संकट में जनता को इसी तरह महंगाई की मार झेलनी पड़ेगी। सरकार को केवल तात्कालिक राहत तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि दीर्घकालिक नीति तैयार करनी होगी। जरूरत पड़ने पर टैक्स में अस्थायी कटौती, सार्वजनिक परिवहन को सस्ता बनाने और आवश्यक वस्तुओं की कीमतों पर नियंत्रण जैसे कदम उठाने होंगे। साथ ही ऊर्जा के घरेलू स्रोतों को मजबूत करने की दिशा में तेज गति से काम करना होगा। स्पष्ट है कि तेल संकट अब केवल ऊर्जा का मुद्दा नहीं रह गया है, बल्कि यह आम आदमी की जिंदगी, देश की अर्थव्यवस्था और सामाजिक स्थिरता से जुड़ा बड़ा प्रश्न बन चुका है। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले दिनों में महंगाई का यह दबाव और अधिक गंभीर रूप ले सकता है।

बच्चों के भविष्य की कीमत पर बिक रहा है माँ-बाप का वर्तमान

कृति जैन

टूटी नींदों और अधूरी मुस्कानों के बीच पलता सच आज अभिभावकों की कठोर हकीकत बन चुका है। जब समाज अभिभावकों की भूमिका को नए नजरिए से देखेगा, तब 1 जून 2026 को संयुक्त राष्ट्र द्वारा मनाए जा रहे अंतर्राष्ट्रीय अभिभावक दिवस की थीम 'अभिभावकों के लिए एकजुट' कोई साधारण थीम नहीं, बल्कि समाज की नींव को हिला देने वाली सच्चाई बनेगा। आज माता-पिता अकेलेपन, डिजिटल दबाव और बढ़ती अपेक्षाओं के बीच संतुलन साध रहे हैं। परिवार ढांचे कमजोर हो रहे हैं और बचपन स्क्रीन में खोता जा रहा है। ऐसे में अभिभावक केवल देखभालकर्ता नहीं, भविष्य के निर्माता हैं। यह दिन स्पष्ट करता है कि बच्चों की नींव शिक्षा नहीं, बल्कि साझा सहयोग और सामूहिक जिम्मेदारी पर टिकी है।

अभिभावकत्व आज एक ऐसे दौर में प्रवेश कर चुका है जहाँ दबाव और जिम्मेदारियाँ पहले से कहीं अधिक तीव्र हैं। बच्चे अब घर और स्कूल तक सीमित नहीं, बल्कि पूरी तरह डिजिटल दुनिया के हिस्सेदार बन गए हैं। सोशल मीडिया, गेमिंग और ऑनलाइन ट्रेंड्स उनके सोच और व्यवहार को गहराई से बदल रहे हैं। ऐसे समय में माता-पिता केवल अनुशासनकर्ता नहीं, बल्कि मार्गदर्शक, तकनीकी साथी और भावनात्मक सहारा बन गए हैं। इस दोहरी भूमिका में वे अक्सर मानसिक थकान और अपराधबोध महसूस करते हैं। समाज की "आदर्श माता-पिता" की अपेक्षा उनका आत्मविश्वास कमजोर करती है। इसलिए आज सबसे अधिक जरूरत सामूहिक समर्थन की है।

इतिहास साक्षी है कि हर सभ्यता की नींव मजबूत अभिभावकत्व पर टिकी रही है। जब परिवार जुड़े हुए थे, तब समाज भी अधिक स्थिर और संवेदनशील था। दादा-दादी की कहानियाँ, माता-पिता का अनुशासन और सामुदायिक जीवन बच्चों को नैतिक मूल्यों से जोड़ते थे। संयुक्त परिवार की व्यवस्था बच्चों को नैतिक मूल्यों, भावनात्मक सुरक्षा और सांस्कृतिक निरंतरता प्रदान करती थी। आज यह ढांचा तेजी से टूट रहा है और पीढ़ियों के बीच दूरी बढ़ती जा रही है। बच्चे भौतिक रूप से समृद्ध हैं, पर भीतर से असंतुलित हो रहे हैं। अभिभावक अकेले इस खालीपन को भरने की कोशिश कर रहे हैं, जो अब लगभग असंभव चुनौती बनता जा रहा है। इसलिए सामूहिक जिम्मेदारी और सामाजिक भागीदारी को फिर से मजबूत करना जरूरी है, ताकि बच्चों का संतुलित विकास संभव हो सके।

आज की बदलती अर्थव्यवस्था और तेज़ रफ्तार कार्यसंस्कृति ने अभिभावकों पर जिम्मेदारियों का बोझ कई गुना बढ़ा दिया है। माता और पिता दोनों ही रोजगार की अनिश्चितता और लंबे कार्यघंटों के बीच संतुलन साधने को संघर्षरत हैं। ऐसे में बच्चों के साथ समय बिताना लगातार कठिन होता जा रहा है। तकनीक ने भले ही काम को सरल बनाया हो, लेकिन उसने व्यक्तिगत संबंधों में दूरी भी बढ़ाई है। अब माता-पिता केवल आर्थिक सुरक्षा देने वाले नहीं, बल्कि भावनात्मक स्थिरता का आधार भी बन गए हैं। यह दोहरी भूमिका उन्हें निरंतर दबाव में रखती है। परिणामस्वरूप परिवारों में संवाद घट रहा है और भावनात्मक दूरी बढ़ती जा रही है। ऐसे समय में सामुदायिक सहयोग और लचीली कार्यनीतियाँ बेहद जरूरी हो गई हैं।

आज की बदलती दुनिया में यह स्पष्ट हो चुका है कि 'अभिभावकों के लिए एकजुट' अब केवल नारा नहीं, बल्कि अनिवार्य आवश्यकता है। जब अभिभावक अकेले संघर्ष करते हैं, तो उसका असर सीधे बच्चों के भविष्य पर पड़ता है। बढ़ता तनाव, मानसिक स्वास्थ्य की समस्याएँ और डिजिटल निर्भरता ने इस स्थिति को और गंभीर बना दिया है। इस थीम का उद्देश्य केवल जागरूकता नहीं, बल्कि एक ऐसा सहयोग तंत्र बनाना है जहाँ हर व्यक्ति अभिभावकों के साथ खड़ा हो। शिक्षक, पड़ोसी, नीति-निर्माता और कार्यस्थल मिलकर परिवारों को मजबूती दें।

ईंधन की आग में झुलसता बाजार, जेब पर बढ़ता संकट

सुरेश गांधी

फिरहाल, महंगाई के मौजूदा संकट में एक बड़ा पहलू यह है कि इसका असर केवल ईंधन और खाद्य वस्तुओं तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि रोजगार और छोटे कारोबार पर भी गहरा प्रभाव डाल सकता है। देश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग पहले से ही नकदी संकट से जूझ रहे हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी स्वीकार किया है कि करीब 8.1 लाख करोड़ रुपये का भुगतान विभिन्न संस्थानों और सार्वजनिक उपक्रमों के स्तर पर अटका हुआ है। इससे छोटे उद्योगों के पास कार्यशील पूंजी (वर्किंग कैपिटल) की कमी बढ़ रही है। ईंधन की कीमतें बढ़ने से उत्पादन लागत भी बढ़ेगी। छोटे उद्योगों को कच्चा माल लाने और तैयार माल भेजने में अधिक खर्च उठाना पड़ेगा। इसका सीधा असर उत्पादन पर पड़ सकता है। मतलब साफ है यदि महंगाई और ईंधन मूल्य वृद्धि का दबाव लंबे समय तक बना रहा, तो कई छोटे कारोबारियों को उत्पादन कम करना पड़ सकता है। इसके अलावा बढ़ती महंगाई उपभोक्ता की क्रय शक्ति भी कमजोर करती है। जब लोगों की आय का बड़ा हिस्सा ईंधन और जरूरी वस्तुओं पर खर्च होने लगे, तब बाजार में मांग घटने लगती है। अर्थव्यवस्था के लिए यह दोहरी चुनौती है - एक ओर लागत बढ़ना और दूसरी ओर मांग का कमजोर होना। यही वह स्थिति होती है जिसे अर्थशास्त्र में अक्सर धीमी आर्थिक गति का शुरुआती संकेत माना जाता है।

संकट की जड़ : होर्मुज का तनाव और भारत की निर्भरता

भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल आयातक देश है। देश अपनी जरूरत का लगभग 85 प्रतिशत कच्चा तेल विदेशों से खरीदता है। ऐसे में पश्चिम एशिया में किसी भी प्रकार का तनाव भारत पर सीधा असर डालता है। अमेरिका-ईरान तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य में पैदा हुई अनिश्चितता ने वैश्विक तेल बाजार को हिलाकर रख दिया है। दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत तेल और गैस की आपूर्ति इसी समुद्री मार्ग से होती है। युद्ध और भू-राजनीतिक अस्थिरता ने कच्चे तेल को 70 डॉलर प्रति बैरल से बढ़ाकर 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंचा दिया है। भारत जैसे आयात आधारित देश के लिए यह स्थिति केवल ईंधन संकट नहीं, बल्कि व्यापक आर्थिक दबाव है।

पेट्रोल नहीं, पूरी अर्थव्यवस्था महंगी होगी

महंगाई का सबसे बड़ा असर उस समय सामने आता है जब ट्रांसपोर्टेशन महंगा होने लगता है। ऑल इंडिया ट्रांसपोर्टर्स वेलफेयर एसोसिएशन ने फ्यूल एडजस्टमेंट फैक्टर लागू करने का निर्णय लिया है। संगठन के मुताबिक ट्रकों की परिचालन लागत का 65 प्रतिशत हिस्सा डीजल पर निर्भर है। डीजल में प्रति एक रुपये वृद्धि पर माल ढुलाई लागत 0.65 प्रतिशत बढ़ेगी। यदि डीजल 10 रुपये महंगा होता है तो परिवहन लागत लगभग 6.5 प्रतिशत तक बढ़ सकती है। यह आंकड़ा छोटा दिख सकता है, लेकिन इसका प्रभाव बहुत बड़ा होगा। इसके सीधे असर वाले क्षेत्र दूध और डेयरी उत्पाद. फल और सब्जियां. दवाइयां. किराना सामान. एफएमसीजी उत्पाद. ई-कॉमर्स डिलीवरी. निर्माण सामग्री. यात्रा और टैक्सी सेवाएं. दरअसल बाजार तक पहुंचने वाली लगभग हर वस्तु ट्रकों के जरिए ही आती है। इसलिए डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी अंततः उपभोक्ता की जेब तक पहुंचती है।

संकेत मिलने लगे हैं

महंगाई का असर अब दिखाई भी देने लगा है। 15 मई को पेट्रोल-डीजल और सीएनजी की कीमतों में वृद्धि के बाद पैकेज्ड दूध कंपनियों ने कीमतें बढ़ाईं। कुछ शहरों में ब्रेड महंगी हुई। टैक्सी संगठनों ने किराया बढ़ाने की मांग शुरू कर दी। यह सिर्फ शुरुआत हो सकती है।

रुपया, सोना और महंगाई का त्रिकोण

पहले भारतीय रुपया डॉलर के मुकाबले दबाव में आया। कमजोर रुपया आयात महंगा करता है। उसके बाद ईंधन महंगा हुआ। अब इसका असर सोना-चांदी जैसे सुरक्षित निवेश विकल्पों में भी दिखाई देने लगा है। एमसीएक्स में चांदी एक दिन में 5,399 रुपये प्रति किलोग्राम उछल गई, जबकि सोने में भी 821 रुपये प्रति दस ग्राम की बढ़ोतरी दर्ज हुई। जब वैश्विक संकट बढ़ता है, निवेशक सुरक्षित परिसंपत्तियों की ओर भागते हैं। इसका परिणाम यह होता है कि आम उपभोक्ता पर दोहरी मार पड़ती है-एक तरफ खर्च बढ़ता है और दूसरी तरफ बचत के साधन भी महंगे हो जाते हैं।

सरकार का '3एफ' फॉर्मूला कितना कारगर?

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मौजूदा संकट के बीच तीन महत्वपूर्ण क्षेत्रों - फ्यूल, फर्टीलाइजर व फॉरेक्स पर विशेष ध्यान देने की बात कही है। सरकार ने ईंधन पर उत्पाद शुल्क कम कर कुछ राहत देने की कोशिश की है, लेकिन अनुमान है कि इससे वित्तीय वर्ष 2026-27 में लगभग एक लाख करोड़ रुपये के राजस्व का नुकसान हो सकता है। साथ ही एमएसएमइ क्षेत्र में लगभग 8.1 लाख करोड़ रुपये का भुगतान अटका हुआ है, जिससे छोटे उद्योगों की कार्यशील पूंजी पर गंभीर असर पड़ रहा है। ऐसे समय में महंगाई छोटे उद्योगों के लिए दोहरी चुनौती बन सकती है।

राजनीति बनाम अर्थशास्त्र

महंगाई का मुद्दा हमेशा राजनीतिक बहस का केंद्र बनता है। विपक्ष सरकार पर हमलावर है और सरकार वैश्विक परिस्थितियों का हवाला दे रही है। लेकिन सच्चाई यह है कि आम आदमी के लिए महंगाई न राजनीतिक होती है और न आर्थिक सिद्धांत; वह सीधे रसोई, जेब और जीवन स्तर से जुड़ी होती है।

मार्क कार्नी की भारत यात्रा के बाद से ही भारत-कनाडा संबंध सुधरने लगे हैं

अशोक भाटिया

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की 27 फरवरी से 2 मार्च 2026 तक की भारत यात्रा ने दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण संबंधों को पूरी तरह से नया मोड़ दे दिया था । यह आठ वर्षों में किसी कनाडाई प्रधानमंत्री की पहली द्विपक्षीय यात्रा थी, जिसका मुख्य उद्देश्य व्यापार, निवेश, ऊर्जा और शिक्षा के क्षेत्र में कड़वाहट को भुलाकर रणनीतिक साझेदारी को फिर से मजबूत करना था । भारत में निवेश बढ़ाने के लिए कार्नी मुंबई में बड़े उद्योगपतियों और निवेशकों से भी मिले । इंफ्रास्ट्रक्चर, क्लीन एनर्जी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग जैसे क्षेत्रों में संभावनाओं पर चर्चा हुई । दरअसल कनाडा पहले से भारत में निवेश कर रहा है और अब इस हिस्सेदारी को और बढ़ाना चाहता है।

कार्नी की यात्रा से पहले कनाडा के कुछ अधिकारियों के बयान चर्चा में रहे थे । पहले कनाडा ने आरोप लगाया था कि भारत उसकी जमीन पर हस्तक्षेप कर रहा है और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में दखल दे रहा है। लेकिन बाद में एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अगर ऐसा गंभीर खतरा होता, तो प्रधानमंत्री भारत की यात्रा नहीं करते। इससे संकेत मिलता है कि ओटावा अब रिश्तों को सामान्य करने की दिशा में कदम बढ़ा रहे है। कनाडा के सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, दोनों देशों के बीच सालाना व्यापार 21 अरब डॉलर से ज्यादा है। भारतीय आंकड़ों के अनुसार कुल द्विपक्षीय व्यापार करीब 1.2 लाख करोड़ रुपये के आसपास है।भारत से कनाडा को मुख्य रूप से दवाइयां, टेलीफोन उपकरण, ऑटो पार्ट्स, ज्वेलरी, कपड़े, इलेक्ट्रिकल कंपोनेंट्स और समुद्री उत्पाद निर्यात होते हैं। वहीं कनाडा से भारत को कोयला, वुड पल्प, आयरन, दालें, लकड़ी, कागज और खनन से जुड़े उत्पाद मिलते हैं। भारत में 600 से अधिक कनाडाई कंपनियां काम कर रही हैं। कनाडा के बड़े पेंशन फंड रियल एस्टेट और लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों में लगभग 100 बिलियन डॉलर से ज्यादा का निवेश कर चुके हैं। अब दोनों देश इस निवेश को और बढ़ाने पर जोर देते रहे थे । इस दौरे का सबसे अहम मुद्दा ऊर्जा माना जा रहा था । दोनों देशों के बीच यूरेनियम सप्लाई समझौते पर बातचीत हुई । लगभग 10 साल के लिए 2.8 अरब कनाडाई डॉलर का यूरेनियम सौदा होने की संभावना जताई गई , जिससे भारत के परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम को ईंधन मिल सके।इसके अलावा भारी कच्चे तेल, तरलीकृत प्राकृतिक गैस और अन्य ऊर्जा उत्पादों में सहयोग बढ़ाने की योजना है। कनाडा प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध है, जबकि भारत को अपनी तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के लिए भरोसेमंद और स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों की जरूरत है। 2024 में कनाडा के कुल ऊर्जा निर्यात में भारत की हिस्सेदारी केवल 761.5 मिलियन डॉलर थी, जबकि भारत से आयात 206 मिलियन डॉलर रहा। अब इस हिस्सेदारी को बढ़ाने का लक्ष्य है। दोनों देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार पहले ही उच्च स्तरीय बातचीत कर चुके थे । कूटनीतिक और कानून-प्रवर्तन संपर्क अधिकारियों की नियुक्ति पर सहमति बनी है, ताकि सुरक्षा सहयोग मजबूत हो सके। एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग, शोध और शिक्षा के क्षेत्र में भी साझेदारी बढ़ाने की योजना है। इससे केवल व्यापार ही नहीं, बल्कि सामाजिक और वैज्ञानिक सहयोग भी बढ़ने की आशा व्यक्त की गई थी ।

सीईपीए(व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता) यानी वस्त्र, सेवाएं, निवेश, कृषि और डिजिटल व्यापार जैसे क्षेत्रों को कवर करेगा। पिछले साल जी-7 शिखर सम्मेलन में कार्नी और मोदी के बीच मुलाकात में इसे फिर से शुरू करने पर सहमति बनी थी। लक्ष्य है कि अगले लगभग 12 महीनों में इस समझौते को अंतिम रूप दिया जाए और 2030 तक व्यापार को 50-70 अरब डॉलर तक पहुंचाया जाए। गौरतलब है कि 2023 में खालिस्तानी नेता हरदीप सिंह निज्जर की कनाडा में हत्या के बाद दोनों देशों के रिश्ते काफी खराब हो गए थे। तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने भारतीय एजेंटों पर आरोप लगाए, जिसे भारत ने पूरी तरह खारिज कर दिया।2024 में कनाडा ने छह भारतीय अधिकारियों को निष्कासित किया। भारत ने भी जवाबी कदम उठाए और वीजा सेवाएं अस्थायी रूप से रोक दीं। व्यापार मिशन रद्द हुए और सीईपीए वार्ता ठप पड़ गई।मार्च 2025 में मार्क कार्नी के प्रधानमंत्री बनने के बाद रिश्तों को सुधारने की कोशिश शुरू हुई। भारत के कनाडा में उच्चायुक्त दिनेश पटनायक ने कहा है कि यह दौरा संबंधों को रीसेट करने का मौका है। 2021 की जनगणना के अनुसार, कनाडा में 83.6 लाख लोग विदेश में जन्मे हैं, जो कुल आबादी का करीब 23% है। भारतीय विदेश मंत्रालय के मुताबिक, कनाडा में लगभग 16 लाख भारतीय मूल के लोग रहते हैं। पाकिस्तानी मूल के करीब 3 लाख लोग भी वहां बसे हैं। 2025 के पहले दस महीनों में कनाडा ने 2,831 भारतीय नागरिकों को देश से बाहर निकाला। पिछले साल कुल 18,785 लोगों को निकाला गया, जिनमें भारतीय दूसरे नंबर पर थे। अभी 29,542 लोगों पर कार्रवाई की प्रक्रिया चल रही है, जिनमें 6,515 भारतीय शामिल हैं। सरकार के अनुसार, कई मामलों में आपराधिक गतिविधियां या शरण नियमों का उल्लंघन कारण रहे।

1947 में भारत की आजादी के बाद दोनों देशों के औपचारिक संबंध शुरू हुए। 1974 के परमाणु परीक्षण के बाद तनाव बढ़ा और परमाणु सहयोग रुका। 1985 में एअर इंडिया फ्लाइट 182 विस्फोट से भी रिश्तों पर असर पड़ा। 2010 में मनमोहन सिंह के दौरे के दौरान परमाणु सहयोग समझौता हुआ। 2015 में प्रधानमंत्री मोदी के कनाडा दौरे में कई समझौते हुए। 2023 के बाद फिर तनाव आया, जिसे अब कम करने की कोशिश हो रही है।

मार्क कार्नी का यह दौरा सिर्फ औपचारिक यात्रा नहीं थी , बल्कि दोनों देशों के लिए एक नया मौका रहा । व्यापार, ऊर्जा और तकनीक में सहयोग बढ़ाने की संभावना बनी । साथ ही पुराने मतभेदों को पीछे छोड़कर भरोसा बहाल करने की भी जरूरत बनी । अब बात को आगे बढ़ाने के लिए हाल ही में केन्द्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कनाडा के पीएम मार्क कार्नी से मुलाकात की।

दोनों के बीच व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते को लेकर बातचीत हुई। गोयल 25 से 27 मई तक कनाडा दौरे पर है । उनके साथ एक बड़ा बिजनेस डेलीगेशन भी कनाडा पहुंचा है। इस यात्रा का मकसद भारत और कनाडा के बीच आर्थिक और व्यापारिक संबंधों को मजबूत करना है।

भ्रष्टाचार अमर रहे

इष्ट देव सांकृत्यायन

ये क्या बात हुई कि पुलिस महकमे में भ्रष्टाचार की पोल खोलने वाले को सिर्फ सस्पेंड कर के छोड़ दिया गया। ऐसा कोई भी आदमी या औरत या किसी तीसरे, चौथे, पाँचवें लिंग वाला कोई मनुष्य या अन्य प्राणी, जो किसी सरकारी महकमे में भ्रष्टाचार की पोल खोलने की बात सोचे भी, उसके लिए तो टर्मिनेशन भी बहुत छोटी बात है। इतनी छोटी कि छोटी से भी छोटी। गौर करने लायक ही नहीं मानी जानी चाहिए। भ्रष्टाचार की पोल खोलने की सज़ा तो कायदे से ये होनी चाहिए कि उस शख्स को देखते ही गोली मार दी जाए। या, किसी चौराहे पर फाँसी की सजा दी जाए। जैसे कि चीन में भ्रष्टाचार करने वालों के साथ किया जाता है। या फिर, एक तरीका यह भी हो सकता है कि उसे चौराहे पर जिंदा जला दिया जाए। जैसा कि मध्यकाल के दौरान यूरोप में ईसाइयत के उभार के दौर में पतियों के चर्च में मजबूरन ईसाइयत स्वीकार लेने के बावजूद अपने अपने घरों में चुपचाप प्रकृति पूजा करने वाली पैगन स्त्रियों को डायन बताकर उनके साथ किया जाता रहा है। दूर न जाना चाहें तो यहीं अपने गोवा से सबक ले सकते हैं। जैसा कि महान और दयानिधान संत जेवियर जी कर रहे थे। जबरिया ईसाइयत स्वीकार करवाए जाने के बावजूद घरों में चुपचाप अपने देवताओं को पूजने वाले हिंदुओं के साथ। मने कि एक हाथ कटारो खंब बनाकर उसके हाथ-पैर काटे जा सकते हैं। या फिर वह भी किया जा सकता है जो भेरी भेरी काइंड मर्सिफुल औरंगजेब सर ने गुरु गोबिंद सिंह जी के शहजादों के साथ किया था। मने कि उसे दीवार में जिंदा चिनवाया जा सकता है ।अच्छा आप खुद सोच के देखिए। ऐसा कौन है जो नहीं जानता कि किसी आईएएस को किसी नए जिले का डीएम किस आधार पर बनाया जाता है? किसको नहीं मालूम है कि किसी डीएम को बॉर्डर इलाके वाला कोई जिला किसलिए दिया जाता है? थानेदार किसी को किस शर्त पर बनाया जाता है और 'अच्छे थाने' में पोस्टिंग पाने के लिए क्या-क्या करना पड़ता है? जब सबको सब पता ही है तो वह कौन सी चीज है जिसकी आप पोल खोलना चाहते हैं। और जो चीज ऑलरेडी खुली ही हुई है, भारत-बांग्लादेश के तीन तरफ के बॉर्डर की तरह, उसे और खोलकर आप क्या कर लेंगे? अच्छा आप पुलिस में भर्ती क्या सोचकर हुए थे? आपके माँ-बाप, भाई-बहन, पत्नी और साले-साली या सास-ससुर को आपसे क्या-क्या उम्मीदें रही होंगी? क्या वो सब शिष्टाचार से पूरी होने वाली थीं। अरे भाई, सरकारी महकमा, जो बना ही है भ्रष्टाचार के लिए, वहाँ आप शिष्टाचार लेकर गए क्यों? भारत के हर सरकारी महकमे के बारे में हर आदमी जानता है कि और कुछ यहाँ रहे या न रहे, भ्रष्टाचार तो यहाँ रहेगा। एक भ्रष्टाचार ही है जो यहाँ रहने लायक है। हमारे यहाँ, भ्रष्टाचार तो छोड़िए, अपराध तक का बुरा नहीं माना जाता बल्कि पुरस्कृत किया जाता है। यही हमारे महान लोकतंत्र की उदात्त परंपरा है। भ्रष्टाचार और अपराध के खुलासे को तो हमारा कानून ही बहुत खराब बात मानता है और हमारे देश की लोकतांत्रिक परम्पराएँ भी उसी का अनुसरण करती हैं। आप देख लीजिए, आखिर हमीं तो भेजते हैं संसद में चुनकर लोगों को। और हम किन महापुरुषों को चुनकर संसद में भेजते हैं, यह आपसे बेहतर कौन जानता है! एक ऐसी संसद जहाँ हर दूसरे सदस्य पर आपराधिक मामला दर्ज हो, हर चौथे शख्स पर गंभीर या जघन्य अपराध का मामला दर्ज हो और जहाँ हर छठे शख्स पर कोर्ट में अपराध साबित हो चुका हो, वहाँ से आप किस प्रकार का कानून बनकर निकलने की उम्मीद करते हैं! इतनी महान और उदात्त परंपरा के बावजूद इस बात का क्या तुक है कि कोई भ्रष्टाचार की पोल खोलने निकले! एक ऐसे समय में जबकि दरोगा 50 रुपये जेब के हवाले करते हुए दाहिनी तरफ से चलते हुए रेडलाइट टॉप जाने वाले ट्रक का चालान छोड़ने में अति व्यस्त हो, तब एक मामूली सिपाही भ्रष्टाचार की पोल खोले, नालायकी और नामुरादी का इससे बड़ा उदाहरण कुछ हो सकता है क्या?

दहेज का दानव हर साल 7000 बेटियों को निगल रहा है

स्नेहा सिंह

भारत में दहेज प्रथा के खिलाफ कड़े कानून बनाए गए हैं और उनका कथित रूप से अमल होता है, ऐसे दावे और शोर हम वर्षों से सुनते आए हैं। विवाह प्रथा में दहेज देना, मांगना या लेना-सब कुछ अपराध माना जाता है। फिर भी हाल ही में नोएडा में दहेज की समस्या के चलते दो महिलाओं की जान जाने की घटना सामने आई है। उन्हें दहेज के लिए परेशान किए जाने के आरोप लगाए गए हैं। पंगु कानून अपनी तरह से जांच करते हैं और वर्षों बाद शायद न्याय मिलेगा, लेकिन परिवारों ने अपनी बेटियां खो दी हैं। तविशा शर्मा नाम की 33 वर्षीय युवती अपने ससुराल भोपाल में मृत अवस्था में पाई गई थी। उसके कुछ दिनों बाद ग्रेटर नोएडा के इकोटेक-3 क्षेत्र में दीपिका नागर नाम की 20 वर्षीया युवती ने अपने मकान की छत से कूदकर आत्महत्या कर ली थी। इन दोनों युवतियों के माता-पिता द्वारा दहेज के लिए प्रताड़ित किए जाने के आरोप लगाए गए हैं। ये दोनों मामले एक बार फिर भारत के कानून की खामियों और समाज के दंभ पर प्रकाश डालते हैं, जहां कथित अत्याधुनिक समय और डिजिटल युग में भी दहेज का दूषण समाप्त नहीं हुआ है।

तविशा शर्मा की बात करें तो 12 मई को भोपाल के कटारा हिल्स क्षेत्र में उसके पति समर्थ सिंह के घर पर उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। वे 2024 में डेटिंग ऐप के जरिए एक-दूसरे से मिले थे और दिसंबर में ही उनका विवाह हुआ था। तविशा के भाई मेजर हर्षित शर्मा ने बताया कि काफी समय से उसके ससुराल वाले दहेज के लिए उसे परेशान कर रहे थे। उनका आरोप है कि बारबार तविशा के ससुराल वाले और पति द्वारा दहेज की मांग की जाती थी और उसे प्रताड़ित किया जाता था। उसकी मृत्यु के बाद तविशा और उसकी मां की निजी व्हाट्सऐप चैट सामने आई थी। उसमें उसने लिखा था कि, "मम्मी, इस घर में मुझे बहुत घुटन होती है।" तविशा के पति और उसकी मां के खिलाफ फिलहाल दहेज मृत्यु की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

दूसरे मामले की बात करें तो दीपिका नागर मात्र 20 वर्ष की युवती थी। उसने 17 मई को अपने घर की छत से कूदकर आत्महत्या कर ली थी। दीपिका के परिवारजनों ने भी आरोप लगाया था कि पति और ससुराल वालों द्वारा दीपिका को लगातार प्रताड़ित किया जाता था। आत्महत्या से पहले उसने अपने माता-पिता को फोन करके बताया था कि उसके ससुराल वाले उसके साथ मारपीट करते हैं। दीपिका के पिता का आरोप है कि उनकी बेटी ने आत्महत्या नहीं की, बल्कि उसकी हत्या कर दी गई है। उनके अनुसार दीपिका के शरीर पर चोट के निशान भी थे। ऐसा ही एक मामला जनवरी में सामने आया था। उसमें दिल्ली पुलिस की स्वाट टीम की महिला कमांडो की उसके पति द्वारा भयावह हत्या कर दी गई थी। उसके पीछे भी कारण दहेज ही था। अंकुर द्वारा अपनी चार महीने की गर्भवती पत्नी की जघन्य हत्या की गई थी। उसने उसके सिर पर डंबल मारा था, जिसके कारण उसकी मृत्यु हो गई थी। अंकुर ने तो काजल की हत्या के दौरान उसके भाई को फोन करके बताया था कि वह काजल की हत्या कर रहा है। ऐसे जघन्य मामले भारत में हो रहे हैं, फिर भी हम सभ्य समाज और मजबूत कानून की खोखली बातें करते रहते हैं।

भारत में हर वर्ष दहेज के अनेक मामले सामने आते रहते हैं। बेंगलुरु में 2024 में दहेज के सबसे अधिक मामले दर्ज किए गए थे। वह देश के मेट्रो शहरों में सबसे अधिक थे। एनसीआरबी के डेटा के अनुसार, 2024 की रिपोर्टों में देश के मेट्रो शहरों में दहेज के 1008 मामले दर्ज किए गए थे। उनमें से कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में 878 मामले दर्ज किए गए थे। यहां दहेज के मामले दर्ज होने की दर 87 प्रतिशत थी। उसके बाद लखनऊ में दहेज के 48 मामले दर्ज किए गए थे। एनसीआरबी का ही 2024 का डेटा बताता है कि देश में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में पति या ससुराल वालों द्वारा दी गई प्रताड़ना या शारीरिक हिंसा सबसे अधिक है। देश में 2024 में ऐसे कुल 1.2 लाख मामले दर्ज किए गए थे। ऐसे मामलों में 21,266 मामलों के साथ उत्तर प्रदेश पूरे देश में सबसे आगे था। यहां पति और ससुराल वालों द्वारा महिलाओं को प्रताड़ित किया जाना सामान्य घटना बन गई है। दूसरी ओर राजस्थान इस मामले में दूसरे स्थान पर आता है। वहां 10,578 मामले दर्ज किए गए थे। महाराष्ट्र में भी 10,538 मामले दर्ज किए गए थे। इसके कारण वह तीसरे स्थान पर आया था। कर्नाटक में भी 2947 मामले दर्ज किए गए थे।

चिंताजनक बात यह है कि 2017 से 2022 तक लगातार देश में हर वर्ष 7,000 से अधिक महिलाओं की मृत्यु दहेज प्रथा के कारण हुई है। दहेज के कारण मृत्यु के मामलों में 19 मेट्रो शहरों में दिल्ली में सबसे अधिक मामले दर्ज किए गए थे, जो मेट्रो शहरों में सबसे अधिक हैं। आश्चर्य की बात यह है कि पिछले पांच वर्षों से दहेज के कारण होने वाली मृत्यु के मामलों में दिल्ली शीर्ष स्थान पर ही बनी हुई है। दिल्ली में 111 पारिवारिक आरोपियों के खिलाफ मामलों के साथ कुल 109 दहेज मृत्यु के मामले दर्ज किए गए थे। इसके अलावा कानपुर ऐसे मामलों में दूसरे स्थान पर आता है। यहां 2024 में दहेज के कारण होने वाले अपराध और मृत्यु के कुल 54 मामले दर्ज किए गए थे।

29 मई को मंगल भरणी नक्षत्र में करेगा गोचर, मेष, वृषभ और धनु राशि वालों के लिए आएगी शुभ घड़ी

29 मई 2026 से मंगल भरणी नक्षत्र में प्रवेश करने जा रहे हैं. ज्योतिष शास्त्र में मंगल को साहस, ऊर्जा, भूमि, करियर, आत्मविश्वास और पराक्रम का कारक माना जाता है. वहीं भरणी नक्षत्र शुक्र ग्रह के अधीन आता है, जो सुख-सुविधा, धन, आकर्षण और भौतिक खुशियों का प्रतीक है. ऐसे में मंगल और शुक्र के प्रभाव का यह मेल कई राशियों के जीवन में बड़े बदलाव ला सकता है. ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, मंगल का यह नक्षत्र परिवर्तन कुछ लोगों के लिए नई उपलब्धियों के द्वार खोल सकता है. खासकर मेष, वृषभ और धनु राशि के जातकों को इस दौरान करियर, आर्थिक स्थिति और निजी जीवन में सकारात्मक परिणाम देखने को मिल सकते हैं.

मेष राशि वालों के लिए बढ़ेगा आत्मविश्वास

मेष राशि के स्वामी स्वयं मंगल ग्रह हैं, इसलिए यह गोचर इस राशि के जातकों पर सबसे ज्यादा प्रभाव डाल सकता है. इस दौरान आपके भीतर नई ऊर्जा और उत्साह देखने को मिलेगा. नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं, जो आगे चलकर प्रमोशन का रास्ता खोल सकती हैं. व्यापार से जुड़े लोगों को नए संपर्कों का लाभ मिलेगा. निवेश से जुड़े मामलों में भी सकारात्मक संकेत मिल सकते हैं।

वृषभ राशि वालों को हो सकता है धनलाभ

भरणी नक्षत्र शुक्र ग्रह से प्रभावित होता है और शुक्र वृषभ राशि के स्वामी माने जाते हैं. ऐसे में मंगल का यह गोचर वृषभ राशि वालों के लिए शुभ अवसर लेकर आ सकता है. इस दौरान अचानक धन लाभ के योग बन सकते हैं. नौकरी में सैलरी बढ़ने या नई नौकरी मिलने के संकेत मिल रहे हैं. बिजनेस में रुकी हुई डील पूरी हो सकती है, जिससे अच्छा मुनाफा मिलने की संभावना है।

धनु राशि वालों के लिए खुल सकते हैं सफलता के नए रास्ते

धनु राशि के जातकों के लिए मंगल का भरणी नक्षत्र में प्रवेश करियर और आर्थिक मामलों में अच्छे परिणाम दे सकता है. इस दौरान किस्मत का साथ मिलने से कई अटके हुए काम पूरे हो सकते हैं. नौकरी में नई जिम्मेदारी मिलने की संभावना है. जो लोग प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, उन्हें सकारात्मक खबर मिल सकती है.।

कोई गुरु न मिले तो हनुमान जी को अपना गुरु बनाइए

दुनियादारी के प्रति भ्रम हो तो उसका निपटारा हो भी जाता है, लेकिन जब भ्रम ईश्वर के प्रति होता है तो पूरा जीवन गड़बड़ा सकता है। काकभुशुंडिजी ने एक पंक्ति बोली- निर्गुन रूप सुलभ अति सगुन जान नहिं कोई, सुगम अगम नाना चरित सुनि मुनि मन भ्रम होई। निर्गुण रूप अत्यंत सुलभ, सहज ही समझ में आ जाने वाला है, लेकिन गुणातीत दिव्य सगुण रूप को कोई नहीं जानता। इसलिए उन सगुण भगवान के अनेक प्रकार के सुगम और अगम चरित्रों को सुनकर मुनियों के मन में भी भ्रम हो जाता है। ईश्वर का चरित्र दो प्रकार का है- एक सुगम है, एक अगम है। सुगम यानी सरल, सुविधाजनक और अगम का अर्थ होता है पहुंच से बाहर, समझ से परे, असीम। जब कभी जीवन में ईश्वर के प्रति ऐसी स्थिति हो तो सबसे सरल उपाय है किसी गुरु की शरण में चले जाना। और कोई गुरु न मिले तो हनुमान जी को गुरु बनाइए और हनुमान जी से जुड़कर इस प्रकार के भ्रम से अपने आप को दूर कर लीजिए।

संत की राजा को सीख: किसी काम को मजबूरी या बोझ समझेंगे तो तनाव बढ़ने लगेगा

एक लोक कथा के मुताबिक, पुराने समय में एक बड़े राज्य का राजा अपने कामकाज से बहुत परेशान रहने लगा था। उसके पास धन-दौलत, सेना, महल और हर सुख-सुविधा थी, लेकिन फिर भी उसके चेहरे पर हमेशा चिंता दिखाई देती थी। उसे हर समय डर लगा रहता कि कहीं पड़ोसी राजा हमला न कर दें। कुछ समय पहले उसने अपने ही मंत्रियों को उसके खिलाफ षड्यंत्र करते पकड़ लिया था। इसके बाद उसकी चिंता और बढ़ गई।

राजा को रात में नींद नहीं आती थी। भूख भी धीरे-धीरे खत्म होती जा रही थी। शाही रसोई में रोज सैकड़ों स्वादिष्ट पकवान बनते थे, लेकिन राजा मुश्किल से थोड़ा सा ही खा पाता था। वह हर समय चिंताओं में डूबा रहता।

एक दिन राजा अपने महल के बगीचे में घूम रहा था। वहां उसने माली को देखा। माली बहुत साधारण जीवन जीता था। सुबह से शाम तक मेहनत करता और फिर बड़े स्वाद से प्याज, चटनी और मोटी रोटियां खाकर खुश रहता। उसके चेहरे पर संतोष और शांति थी। राजा यह देखकर हैरान था कि साधारण भोजन खाने वाला माली उससे ज्यादा सुखी कैसे है।

राजा ने अपने गुरु को ये बातें बताईं। उसके गुरु ने राजा की परेशानी समझ ली। गुरु ने राजा से कहा, "यदि आपको नौकरी ही करनी है तो मेरे यहां नौकरी कर लो। मैं एक साधु हूं और आश्रम में रहता हूं। मुझे राज्य चलाने के लिए एक सेवक चाहिए। आप पहले की तरह महल में रहो, गद्दी पर बैठो और शासन चलाओ, लेकिन इसे अपनी जागीर नहीं, नौकरी समझो।"राजा ने गुरु की बात मान ली। अब वह पहले की तरह ही सारे काम करता था, लेकिन उसके मन का बोझ कम हो गया। वह जिम्मेदारियों को सिर पर ढोने के बजाय अपने कर्तव्य की तरह निभाने लगा। कुछ महीनों बाद गुरु फिर महल आए। उन्होंने पूछा, "अब तुम्हारी नींद और भूख कैसी है?"

राजा मुस्कुराकर बोला, "गुरुदेव, अब मुझे खूब भूख लगती है और चैन की नींद आती है।"

गुरु ने कहा, "पहले आप काम को बोझ समझते थे, इसलिए दुखी थे। अब आप उसे केवल अपना कर्तव्य मानकर कर रहे हैं, इसलिए मन शांत है। ध्यान रखें जीवन हमें कर्तव्य निभाने के लिए मिला है, बोझ उठाने के लिए नहीं।"

कथा की सीख

काम को बोझ नहीं, कर्तव्य समझें

जब हम किसी काम को मजबूरी या बोझ समझते हैं, तब तनाव बढ़ने लगता है, लेकिन यदि उसी काम को जिम्मेदारी और कर्तव्य मानकर करें, तो मन हल्का रहता है। काम वही रहता है, सिर्फ सोच बदल जाती है।

चिंता समस्या को और बड़ा बना देती है

चिंता करने से समस्या हल नहीं होती। उल्टा मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य खराब होने लगता है। ज्यादा तनाव से नींद कम होती है, भूख खत्म हो जाती है और मन अशांत रहता है। इसलिए चिंता करने के बजाय समाधान पर ध्यान देना चाहिए।

साधारण जीवन में भी खुशी मिल सकती है

माली के पास धन नहीं था, लेकिन संतोष था। आज लोग बड़ी चीजों में खुशी खोजते हैं, जबकि असली सुख मन की शांति में छिपा होता है। जो व्यक्ति संतोष के साथ रहना सीख जाता है, वही सच्चा सुखी इंसान बनता है।

हर चीज हमारे नियंत्रण में नहीं है

जीवन में सब कुछ हमारे अनुसार नहीं चलता। भविष्य की हर बात को नियंत्रित करना संभव नहीं है। इसलिए हर समय डर और चिंता में जीने के बजाय वर्तमान पर ध्यान देना चाहिए।

आराम और मानसिक शांति जरूरी है

काम कितना भी बड़ा क्यों न हो, शरीर और मन को आराम देना बहुत जरूरी है। अच्छी नींद, सही भोजन और शांत मन इंसान को मजबूत बनाते हैं।

जीवन अस्थायी है

हम खाली हाथ आए हैं और खाली हाथ ही जाएंगे। इसलिए जरूरत से ज्यादा मोह और तनाव लेकर जीने का कोई फायदा नहीं है। हमें अपना कर्तव्य ईमानदारी से निभाना चाहिए और बाकी चीजों को समय पर छोड़ देना चाहिए। इस कहानी की सबसे बड़ी सीख यही है कि जीवन में काम से ज्यादा जरूरी है हमारा नजरिया। यदि सोच सही हो, तो कठिन जिम्मेदारियां भी आसान लगने लगती हैं।

पितृदोष से परेशान हैं तो फल्गु नदी के तट पर स्थित इस मंदिर में करें तर्पण

भगवान विष्णु को प्रिय पुरुषोत्तम मास (अधिक मास) चल रहा है। इस महीने में दान-पुण्य के साथ ही नारायण के दर्शन-पूजन का भी विशेष विधान है। दुनियाभर में भगवान विष्णु को समर्पित कई देवालय हैं, जो अध्यात्म के साथ ही चमत्कारी कथा के साथ भी जुड़े हुए हैं।

ऐसा ही एक दिव्य मंदिर बिहार के गया जिले में स्थित है, जो नारायण के पदचिन्हों पर बना है और मंदिर का संबंध पितरों से भी है। पितरों की शांति और मोक्ष की कामना लेकर श्रद्धालु विशेष रूप से पवित्र स्थलों की यात्रा करते हैं। ऐसे में बिहार के गया शहर में स्थित विष्णुपद मंदिर भक्तों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण तीर्थ स्थल है। यह मंदिर भगवान विष्णु के पावन पदचिन्हों पर बना है और यहां पिंडदान करने से पूर्वजों की आत्मा को शांति मिलती है। विष्णुपद मंदिर फल्गु नदी के किनारे स्थित है।

मंदिर की वास्तुकला बेहद आकर्षक

मान्यता है कि भगवान विष्णु ने यहां गयासुर नामक राक्षस को मोक्ष प्रदान किया था। उसी स्थान पर उनके चरणों के निशान आज भी शिला पर अंकित हैं। मंदिर का वर्तमान भव्य स्वरूप 18वीं शताब्दी में मराठा महारानी अहिल्याबाई होल्कर द्वारा बनवाया गया था। मंदिर की वास्तुकला बेहद आकर्षक है। लाल पत्थरों से निर्मित इस मंदिर का शिखर, नक्काशीदार स्तंभ और भगवान विष्णु की चरण पादुका दर्शनार्थियों को शांति प्रदान करती है।

पितरों की मुक्ति से भी जुड़ा है मंदिर का संबंध

मंदिर के गर्भगृह में रखी शिला पर भगवान विष्णु के दोनों चरण स्पष्ट दिखाई देते हैं। भक्त यहां फूल, चंदन और दूध समेत अन्य पूजन सामग्री चढ़ाकर पूजा करते हैं। भगवान नारायण के इस मंदिर का संबंध पितरों की मुक्ति से भी जुड़ा हुआ है। सनातन धर्म में पिंडदान की परंपरा विशेष महत्व रखती है। श्रद्धालु मानते हैं कि यहां दिए गए पिंड से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। श्राद्ध पक्ष में बड़ी संख्या में श्रद्धालु फल्गु नदी के तट पर स्नान कर पिंडदान करते हैं। इस स्थान को पितरों की आत्मा को शांति पहुंचाने वाला माना जाता है।

ऐसे पहुंचें विष्णुपद मंदिर

विष्णुपद मंदिर गया जंक्शन रेलवे स्टेशन से मात्र 4-5 किलोमीटर की दूरी पर है। यहां से ऑटो, ई-रिक्शा या टैक्सी आसानी से उपलब्ध हैं। पटना एयरपोर्ट से गया की दूरी लगभग 100 किलोमीटर है। सड़क मार्ग से भी गया पहुंचना सुविधाजनक है। मंदिर सुबह 5 बजे से रात 9 बजे तक खुला रहता है।

विष्णुपद मंदिर के आसपास कई पवित्र स्थल

विष्णुपद मंदिर के आसपास कई अन्य पवित्र स्थल हैं, जो यात्रियों को आध्यात्मिक और पर्यटन दोनों अनुभव देते हैं। यहां पास में ही देवी गौरी को समर्पित मंगला गौरी मंदिर, है, जहां शक्ति पूजा की जाती है। पास में ही ब्रह्मयोनि पर्वत भी है। गया के पास स्थित यह पर्वत आध्यात्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। वहीं, महाबोधि मंदिर (बोधगया) लगभग 12 किलोमीटर दूर स्थित है, जो बौद्ध तीर्थ स्थल है और यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल में शामिल है, यहीं महात्मा बुद्ध को ज्ञान प्राप्त हुआ था। अक्षय वट भी गया में ही है, जो पितरों के लिए विशेष पूजा का स्थान है।

घूमने के लिए यह समय बेस्ट

सितंबर से अप्रैल तक का समय विष्णुपद मंदिर घूमने के लिए सबसे अच्छा माना जाता है। गर्मियों में तपन ज्यादा होती है, इसलिए इस मौसम से बचना बेहतर है। वहीं, मंदिर जानें की योजना बना रहे हैं तो कुछ महत्वपूर्ण नियमों को ध्यान देना भी जरूरी है। मंदिर में मोबाइल फोन, कैमरा समेत अन्य इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स ले जाना प्रतिबंधित है। श्रद्धालुओं को शांतिपूर्ण और सात्विक वातावरण के साथ प्रवेश की अनुमति मिलती है।

बड़ी संख्या में पहुंचते हैं भक्त

विष्णुपद मंदिर ना सिर्फ धार्मिक महत्व रखता है, बल्कि पर्यटन की दृष्टि से भी बेहद आकर्षक है। यहां आने वाले श्रद्धालु आध्यात्मिक शांति के साथ-साथ प्राचीन वास्तुकला और फल्गु नदी के सुंदर नजारे का भी आनंद लेते हैं। आम दिनों व पुरुषोत्तम मास के साथ ही पूर्णिमा, अनंत चतुर्दशी, श्री कृष्ण जन्माष्टमी समेत अन्य विशेष तिथियों पर भी भक्त बड़ी संख्या में नारायण के दर्शन को मंदिर आते हैं।

महाभारत: कर्ण के सपने में हमेशा आती थी कौन सी रहस्यमय औरत, गिराती थी आंसू

महाभारत के शूरवीर और महादानी कर्ण ताजिंदगी एक सपने से परेशान रहे। उनके सपने में एक औरत लगातार आती थी। जिसका चेहरा वो लाख चाहने के बाद भी कभी नहीं देख पाए। वो उनके पास आकर रोने लगती थी। ऐसा लगता था कि मानो उसके आंसू कर्ण के गालों पर गिर रहे हों। वह इस सपने से घबराकर जग जाते थे और पसीना पसीना हो जाते थे। इस सपने का मतलब उन्हें बहुत बाद में समझ में आया। जब हकीकत में वो औरत उनसे मिलने आई। इसके बाद तो उनकी दुनिया ही बदल गई।

बहुत बाद में जाकर उनको पता लगा कि इस सपने का मतलब क्या है और कौन सी वो महिला थी, जो उनको सपनों में उदास और दुखी होकर आती थी। उस महिला का उनसे क्या रिश्ता था।

कर्ण की जिंदगी भी दुखों से भरी कही जा सकती है। उनकी मां ने बचपन में ही उन्हें यतीम करके नदी में बहा दिया। उनका पालन पोषण जिस शख्स ने किया, वो सामाजिक स्तर पर नीचे था, लिहाजा कर्ण को हमेशा एक अलग निगाह से देखा और व्यवहार किया गया। ऐसे में उनको एक ऐसा साथी मिला जिसने उन्हें सम्मान, राजपाट और रूतबा दिया।

महाभारत के पराक्रमी योद्धा कर्ण को अक्सर एक सपना आता था कि एक राजसी महिला घूंघट में उनके पास आती है। उसकी आंखों से आंसू निकलते हैं... और ये सपना उन्हें बेचैन कर देता था। महाभारत और अन्य ग्रंथों के अनुसार केवल कर्ण ही नहीं बल्कि कुंती को एक सपना आता था, जो उन्हें बेचैन करता था। ये सपना आखिर दोनों को क्यों आता था। इसका मतलब क्या था। जब पहली बार कुंती सूर्य की आराधना करते हुए कर्ण से मिलीं तब पता चला कि ये सपना क्यों आता है।

महाभारत में जितने कैरेक्टर हैं, उतनी ही उनकी कहानियां। कर्ण पांडवों की मां कुंती के ही बेटे थे। कुंती ने कुंवारे रहते हुए सूर्य की मदद से कर्ण को जन्म दिया था लिहाजा लोकलाज के डर से जन्म देने के बाद नवजात कर्ण को एक टोकरी में रखकर नदी में बहा दिया।

कर्ण को सूत अधिरथ और उसकी पत्नी ने पाला-पोसा। ये बात कर्ण को अक्सर विचलित करती थी कि आखिर वो किसके बेटे हैं। हालांकि वह पराक्रमी थे। हालात ने उन्हें दुर्योधन का मित्र बना दिया।

तब सपने वाली महिला सामने आ गई

कर्ण जीवनभर अपने असली मां-बाप की तलाश में लगे रहे। जब एक दिन इसका पता लगा तो वह स्तब्ध रह गए। तब फिर हैरान रह गए जब एक दिन उनकी असल मां कुंती अचानक सामने आकर खड़ी हो गईं। वह उन्हें पहचानते नहीं थे लेकिन वह उस सपने में आने वाली महिला जैसी थीं, जो उनके सपने में आया करती थीं। इसी मिलन में कर्ण ने पहली बार अपना दिल खोला।

दरअसल जब पांडवों का वनवास खत्म हुआ तो कृष्ण हस्तिनापुर महाराजा धृतराष्ट्र से मिलने गए। कोशिश की गई कि पांडवों को उनका हक दिलाया जाए। ऐसा नहीं हुआ। राजसभा में दुर्योधन के अडियलपन के बाद तय हो गया कि युद्ध तो अब होकर रह रहेगा।

तब कृष्ण ने बताया एक राज

इसके बाद कृष्ण दो लोगों से मिले। एक कुंती थीं और दूसरे कर्ण। जब वह कर्ण से मिले तो पहली बार इस राज से पर्दा उठाया कि वह असल में कौन हैं और उनकी मां कौन हैं। तब उन्हें पता लगा कि असल में वह पांडवों के भाई हैं।

कर्ण रोने लगे

कर्ण की सांसें मानो अटक गईं। उनकी आंखें आंसुओं से भर गईं। चेहरे का रंग उड़ गया। रुंधे हुए गले से उन्होंने कृष्ण से कहा, 'तो क्या आप कह रहे हैं कि पांडव मेरे भाई हैं और कुंती मेरी मां। कृष्ण ने हां में सिर हिलाया। कर्ण की रुलाई फूट पड़ी। हालांकि ये जानने के बाद भी उन्होंने कहा, मैं दुर्योधन के साथ ही लड़ूंगा, भले बर्बाद हो जाएं।'

फिर कुंती मिलने आई

जब महाभारत का युद्ध होना तय हो गया। तब चिंतित कुंती एक दिन कर्ण से मिलने गईं। जब वह गईं तो कर्ण दोपहर के समय गंगा किनारे उस समय सूर्य की आराधना कर रहे थे।

इतने बरसों में वह हस्तिनापुर में कभी कुंती से नहीं मिले थे। तो कैसे पहचान पाते। हां, कुंती को देखकर उसे ये तो लगा कि ये महिला निश्चित तौर पर राजवंश की हैं। लेकिन कुंती को देखकर उन्हें ये भी लग रहा था कि शायद वह उनसे मिल चुके हैं।

नौतपा में इन पेड़-पौधों का लगाना माना जाता है बेहद शुभ

नौतपा 25 जून से शुरू होकर 2 जून तक चलने वाला है। जब सूर्यदेव रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करते हैं। इस साल 25 मई को सुबह 3:27 बजे सूर्यदेव रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश कर चुके हैं और वह इस नक्षत्र में 8 जून तक रहेंगे। इसके बाद वह मृगशिरा नक्षत्र में प्रवेश कर जाएंगे। सूर्यदेव रोहिणी नक्षत्र में लगभग 15 दिन तक रहेंगे लेकिन शुरुआती नौ दिन सूर्य देव की तपिश पृथ्वी पर अधिक पड़ती है, जिससे मौसम में गर्मी बढ़ जाती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि नौतपा में कुछ खास पौधे लगाने से घर में सुख-समृद्धि आती है और जीवन की कई समस्याएं दूर हो सकती हैं? आइए जानते हैं इन शुभ पौधों के बारे में।

पीपल का पेड़: ज्योतिष शास्त्र में पीपल को बेहद पवित्र माना जाता है। मान्यता है कि इसमें भगवान विष्णु, ब्रह्मा और शिव का वास होता है। नौतपा में पीपल का पेड़ लगाने से पितरों का आशीर्वाद मिलता है और घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है।

शमी का पौधा: शमी को शनिदेव का प्रतीक माना जाता है और नौतपा में लगाने की सलाह दी जाती है। शमी का पौधा लगाने से कुंडली में शनि की स्थिति मजबूत होती है और जीवन की परेशानियां कम होती हैं।

तुलसी का पौधा: सनातन धर्म में तुलसी को मां लक्ष्मी का रूप माना जाता है। वास्तु विशेषज्ञों के मुताबिक तुलसी का पौधा नौतपा में लगाना अत्यंत शुभ माना जाता है। घर में तुलसी लगाने से आर्थिक स्थिति मजबूत होती है और परिवार में सुख-शांति बनी रहती है।

आंवला का पेड़: आंवला में भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी का वास माना जाता है। इसे लगाने से अश्वमेध यज्ञ के समान पुण्य मिलता है और घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

केले का पेड़: ज्योतिषाचार्यों के अनुसार केले का पौधा लगाने से भगवान विष्णु और गुरु ग्रह की कृपा प्राप्त होती है। इससे घर में समृद्धि और वैवाहिक सुख बढ़ता है। वहीं चमेली और मोगरा जैसे सुगंधित पौधे वातावरण को शुद्ध करने के साथ मानसिक शांति भी प्रदान करते हैं।

इन पेड़ को भी लगाएं

इसके अलावा, नौतपा में नीम, बिल्वपत्र, बरगद, अशोक, इमली और आम के पेड़ लगाने से भी पापों से मुक्ति मिलती है, जिससे जीवन की समस्याएं कम होती हैं। ये पौधे ना केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं, बल्कि पर्यावरण को भी शुद्ध रखते हैं।

उग्र रूप में होते हैं सूर्यदेव

बता दें कि नौतपा के दौरान सूर्यदेव अपने उग्र रूप में होते हैं, जिससे धरती पर गर्मी बढ़ जाती है, लेकिन यह समय आध्यात्मिक और पर्यावरणीय दृष्टि से भी खास है। इन पौधों को लगाकर आप ना केवल अपने घर को हरा-भरा बना सकते हैं, बल्कि सुख, समृद्धि और सकारात्मकता भी ला सकते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि नौतपा के दौरान पौधों की नियमित देखभाल और जल अर्पित करने से शुभ फल और अधिक बढ़ जाते हैं। धार्मिक दृष्टि से यह समय प्रकृति से जुड़ने और हरियाली बढ़ाने के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण माना गया है।

दिशा पाटनी ने 11 साल लम्बे करियर में 12 फिल्में की एक्शन फिल्मों में काम करना पसंद

मुझे हमेशा से एक्शन फिल्मों में काम करना पसंद रहा है। बॉलीवुड में मैंने जो अनुभव हासिल किया, अब उसे दुनिया भर में दिखाने का मौका मिला है। यह मेरे करियर का बेहद खास पल है। प्रियंका चोपड़ा, दीपिका पादुकोण और आलिया भट्ट के बाद अब दिशा पाटनी भी हॉलीवुड के माध्यम से दुनिया भर में अपनी पहचान बनाने के लिए तैयार है । उसकी पहली इंटरनैशनल फिल्म 'द पोर्टल ऑफ फोर्स' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है।

ट्रेलर में वह एक्शन करती नजर आ रही है फिल्म एक काल्पनिक और रहस्यमयी दुनिया में ले जाती है। यह 'स्टेटिगार्ड्स वर्सेज होलीगार्ड्स' नाम की नई फिल्म सीरीज की पहली फिल्म है। इस कहानी को लाडो ओखोटनिकोव ने तैयार किया है ।

एक और खास बात फिल्म की स्टार कास्ट है । दिशा के साथ फिल्म में हॉलीवुड के कई बड़े कलाकार नजर आएंगे। इनमें केविन स्पेसी, डॉल्फ लुंडग्रेन और टायरेस गिब्सन जैसे नाम शामिल हैं।

दिशा ने इस फिल्म को लेकर खुशी जाहिर करते हुए कहा, "मैं लंबे समय से इस ट्रेलर के रिलीज होने का इंतजार कर रही थी। पहली इंटरनैशनल फिल्म में काम करना मेरे लिए एक साथ रोमांचक और डराने वाला अनुभव रहा। अलग-अलग देशों के कलाकारों के साथ काम करते हुए मुझे काफी कुछ सीखने को मिला। इन कलाकारों के साथ काम करना ही अपने आप में एक सीख थी

दिशा ने यह भी बताया कि भारतीय सिनेमा में मिले अनुभवों और सीखों को एक इंटरनैशनल प्लेटफॉर्म पर ले जाने पर उसे गर्व महसूस होता है । दिशा ने कहा, ₹मुझे हमेशा से एक्शन फिल्मों में काम करना पसंद रहा है। बॉलीवुड में मैंने जो अनुभव हासिल किया, अब उसे दुनिया भर में दिखाने का मौका मिला है ।

यह मेरे करियर का बेहद खास पल है।

उसका मानना है कि कहानी सुनाना एक 'यूनिवर्सल आर्ट' (वैश्विक कला) है जो लोगों को संस्कृतियों और सीमाओं के पार जोड़ती है ।

उसने कहा, "आपको एहसास होता है कि कहानी कहने का तरीका भाषा और भूगोल से परे है - स्क्रीन पर ईमानदारी 'यूनिवर्सल' है। मुझे हमेशा से एक्शन पसंद रहा है, और जो मैंने अपने देश में सीखा है उसे ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर लाना बहुत मजबूती देता है । ₹ फिल्म में दिशा का किरदार

फिल्म में दो प्राचीन शक्तियों के बीच संघर्ष दिखाया गया है। एक पक्ष दुनिया में नियम और संतुलन बनाए रखने की बात करता है, जबकि दूसरा पक्ष अलग सोच और अलग रास्ते पर चलता है।

इसी संघर्ष के बीच दिशा का किरदार जैसिका सामने आता है, जो पूरी कहानी का सबसे अहम हिस्सा है। फिल्म में जैसिका को एक ऐसी लड़की के रूप में दिखाया गया है, जिसका संबंध दोनों विरोधी पक्षों से है। वह दोनों गुटों के लीडर की बेटी है।

यही वजह है कि उसे दो अलग-अलग दुनियाओं के बीच एक पुल माना जा रहा है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि दुनिया का भविष्य उसी के फैसले पर निर्भर होता है।

ट्रेलर में कई ऐसे सीन्स हैं, जहां जैसिका अपनी शक्तियों को समझने और उन्हें कंट्रोल करने की कोशिश करती है। उसके सामने सिर्फ दुश्मनों से लड़ने की चुनौती नहीं होती, बल्कि खुद को पहचानने और सही रास्ता चुनने की भी बड़ी जिम्मेदारी होती है।

ट्रेलर में दिशा का एक्शन अवतार सबसे ज्यादा ध्यान खींचता है। वह कई खतरनाक लड़ाई वाले सीन्स में नजर आती है । कभी तलवारों के साथ, तो कभी रहस्यमयी शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए दिशा दिखाई देती है ।

दिशा पाटनी : 11 साल लम्बे करियर में 12 फिल्में

दिशा सोशल मीडिया पर अक्सर अपनी खूबसूरती की वजह से छाई रहती है। अपने फिल्मी करियर के दौरान उसने कुछ ही हिट फिल्में हैं। हालांकि, उसे ग्लैमरस अंदाज के लिए ज्यादा जाना जाता है।

लगभग 11 वर्षों के फिल्मी करियर में उसने 12 फिल्में ही की हैं। दिशा ने अपने सिनेमाई करियर की शुरुआत साल 2015 में तेलुगु फिल्म 'लोफर' से की थी ।

इस फिल्म का निर्देशन पुरी जगन्नाथ द्वारा किया गया था।

यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई जिससे शुरुआती दौर में ही उसे खराब दिनों का सामना करना पड़ा। साल 2016 में वह फिल्म 'एम एस धोनी : द अनटोल्ड स्टोरी' में नजर आई। यह उसकी दूसरी और बॉलीवुड इंडस्ट्री में पहली फिल्म थी। सुशांत सिंह राजपूत अभिनीत यह फिल्म भारतीय क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी के संघर्षों पर बनी थी।

इस फिल्म में दिशा द्वारा निभाई गई प्रियंका झा की भूमिका को दर्शकों ने खूब पसंद किया। फिल्म सुपरहिट रही और दिशा को कई अवॉर्ड्स से सम्मानित किया गया जिसमें उसे आईफा का बैस्ट फीमेल डेब्यू खिताब भी शामिल था।

इसके बाद वह जैकी चैन की चीनी फिल्म 'कुंग फू योगा' में नजर आई। फिर उसने 'बागी 2', 'भारत', 'मलंग', 'बागी 3', 'राधे','एक विलेन रिटर्न्स', 'योद्धा', 'कंगुवा' जैसी फिल्मों में काम किया। पिछली बार वह साल 2024 में फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' में दिखी थी। अगली फिल्में

दिशा की अगली फिल्मों की बात करें तो उसे 'द पोर्टल ऑफ फोर्स' के अलावा अक्षय कुमार के लीड रोल वाली मल्टीस्टाररर फिल्म 'वैलकम टू 'द जंगल' और 'आवारापन 2' में देखा जाएगा।

'आवारापन 2' में दिशा के साथ इमरान हाशमी है। विशेष फिल्म्स और नितिन कक्कर द्वारा निर्देशित यह बहुप्रतीक्षित फिल्म 14 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के वीकेंड पर सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

विवादों के बीच रिलीज हुआ 'है जवानी तो इश्क होना है' का 'चुनरी चुनरी' गाना यूजर्स को याद आए सलमान खान

वरुण धवन की आगामी फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' अपनी रिलीज से पहले ही चर्चाओं में बनी हुई है। फिल्म में गानों को लेकर एक विवाद भी चल रहा है। इसमें एक गाना सलमान खान की फिल्म 'बीवी नंबर 1' का 'चुनरी चुनरी' भी है। आज इस गाने का रीमेक वर्जन रिलीज किया गया है, जिसमें वरुण धवन के साथ मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े भी नजर आ रही हैं। इस गाने के रिलीज होने के बाद अब इस पर लोगों की प्रतिक्रियाएं भी सामने आ रही हैं।

हमारी भावनाओं से मत खेलो

90 के दशक का पॉपुलर गाना 'चुनरी चुनरी' का रीमेक वर्जन वरुण धवन की 'है जवानी तो इश्क होना है' से रिलीज हो गया है। हालांकि, इस गाने ने दर्शकों को निराश किया है। यही वजह है कि गाना सुनने के बाद कई यूजर्स ने सोशल मीडिया पर इसे लेकर निगेटिव रिएक्शन दिए हैं।

एक यूजर ने कमेंट में लिखा, 'इतने अच्छे गाने की ऐसी तैसी कर दी।' एक सोशल मीडिया यूजर ने लिखा, 'हमारी भावनाओं के साथ खिलवाड़ मत करो।' एक अन्य यूजर ने लिखा, 'सुष्मिता और सलमान की जोड़ी बेहद खूबसूरत थी, कोई उसकी बराबरी नहीं कर सकता।' एक अन्य ने लिखा, 'सलमान और सुष्मिता की केमिस्ट्री की बहुत याद आती है।'

डेविड धवन द्वारा निर्देशित 'है जवानी तो इश्क होना है' के इस गाने और टाइटल ट्रैक को लेकर पहले से ही विवाद जारी है। फिल्म निर्माता वाशु भगनानी ने इसको लेकर टिप्स और रमेश तौरानी पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

इन आरोपों के बीच मेकर्स ने अब आज ये गाना रिलीज कर दिया है। बात करें 'है जवानी तो इश्क होना है' की, तो ये फिल्म 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसमें वरुण धवन के साथ मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी।

अनन्या पांडे के बचाव में आई कोरियोग्राफर, भरतनाट्यम को लेकर सोशल मीडिया पर ट्रोल हुईं थीं अभिनेत्री

फिल्म 'चांद मेरा दिल' की लीड एक्ट्रेस अनन्या पांडे की फिल्म में भरतनाट्यम करने की कोशिश करने के लिए ट्रोल किया जा रहा है। इस मामले पर अनन्या पांडे और फिल्म के मेकर्स ने अभी तक कोई जवाब नहीं दिया है। मगर गाने की असिस्टेंट कोरियोग्राफर ने इस पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने एक्ट्रेस की कोशिशों और कुछ ही दिनों में भरतनाट्यम सीखने के उनके प्रयास का बचाव किया है।

असिस्टेंट कोरियोग्राफर ने किया बचाव

फिल्म की एक असिस्टेंट कोरियोग्राफर अनन्या कुरुप ने अनन्या पांडे के साथ सेट के पीछे की तस्वीरें और वीडियो शेयर किए। जब एक्ट्रेस को आलोचना का सामना करना पड़ा, तो कुरुप ने उस पोस्ट पर कमेंट किया। उन्होंने एक्ट्रेस का बचाव किया और कहा कि अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलकर किसी क्लासिकल आर्ट फॉर्म को आजमाने के लिए हिम्मत और लगन की जरूरत होती है। उन्होंने आगे लिखा 'भरतनाट्यम एक ऐसी चीज है जिसके लिए डांसर वर्षों तक ट्रेनिंग लेते हैं ताकि वे इसकी अदा, हाव-भाव और तकनीक में माहिर हो सकें। अनन्या ने बहुत कम समय में सच्ची मेहनत और कोशिश की है। इसकी तारीफ होनी चाहिए।' कुरुप ने अपने नोट के आखिर में लोगों से अपील की कि वे उन कलाकारों का हौसला बढ़ाएं जो खुद को चुनौती देकर अपना सबसे अच्छा देने की कोशिश करते हैं, न कि उन्हें नीचा दिखाएं।

क्या है डांस के पीछे की कहानी?

'चांद मेरा दिल' में, अनन्या के किरदार चांदनी को भरतनाट्यम फ्यूजन डांस के साथ पेश किया गया है। फिल्म में यह सीन इंजीनियरिंग कॉलेज के पहले दिन होता है।

लक्ष्य का किरदार आरव शुरू में इस बात से अनजान होता है कि आगे क्या होने वाला है। जब चांदनी अपना भरतनाट्यम शुरू करती है, तो आरव उसे जज करता है। लेकिन जैसे ही वह मॉडर्न बीट पर थिरकना शुरू करती है, आरव उससे प्रभावित हो जाता है। यहीं से उनकी प्रेम कहानी की शुरुआत होती है।

कब रिलीज हुई फिल्म?

विवेक सोनी के निर्देशन में बनी फिल्म 'चांद मेरा दिल' दो स्टूडेंट्स की कहानी है। यह फिल्म 22 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। 'चांद मेरा दिल' में परेश पाहुजा, मनीष चौधरी, इरावती हर्षे और चारू शंकर भी नजर आए हैं।

'जवान' के बाद अब सलमान की फिल्म में एक्शन का दम दिखाएंगी नयनतारा; विशेषज्ञों की निगरानी में करेंगी स्टंट

सलमान खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म को लेकर चर्चा में हैं, जिसका निर्देशन वामशी पेडिपल्ली कर रहे हैं। इस फिल्म में सलमान के अपोजिट साउथ की लेडी सुपरस्टार नयनतारा नजर आएंगी। शीर्षक फाइनल नहीं होने के चलते अस्थाई रूप से इस फिल्म को SVC59 कहा जा रहा है। फिल्म को लेकर कहा जा रहा है कि इसमें नयनतारा एक्शन पैक्ड अवतार में नजर आएंगी।

दमदार एक्शन से हैरान करेंगी नयनतारा?

इससे पहले नयनतारा को बॉलीवुड फिल्म 'जवान' में शाहरुख खान के साथ देखा गया था। 'जवान' में भी नयनतारा का एक्शन देखने को मिला। उन्होंने अपने स्टंट से दर्शकों को हैरान कर दिया था। अब चर्चा है कि सलमान खान की आगामी फिल्म में भी वे दमदार एक्शन करती दिखेंगी। इससे फिल्म के प्रति दर्शकों में उत्साह बढ़ गया है।

एक्सपर्ट्स की निगरानी में खुद करेंगी स्टंट

मेकर्स की तरफ से फिलहाल इस बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक नयनतारा इस फिल्म में एक मजबूत और दमदार किरदार निभाती हुई दिखेंगी। बॉलीवुड हंगामा के मुताबिक, नयनतारा एक्टर सलमान खान के साथ एक एक्शन से भरपूर रोल में नजर आएंगी। इसके अलावा, वे एक्सपर्ट्स की देखरेख में अपने स्टंट खुद ही करेंगी। ऐसा लगता है कि उनका किरदार काफी दमदार और अहम होने वाला है।

मनाली में चल रही शूटिंग

इस फिल्म की शूटिंग फिलहाल मनाली में चल रही है, जहां एक महत्वपूर्ण शेड्यूल पर काम हो रहा है। एक्शन सीन्स के साथ-साथ, लीड जोड़ी के बीच की केमिस्ट्री भी चर्चा का विषय बन रही है। ऐसा कहा जा रहा है कि सलमान और नयनतारा के बीच अच्छी बॉन्डिंग हो रही है। सलमान खान और नयनतारा के अलावा, रिपोर्ट्स के मुताबिक राजपाल यादव भी इस फिल्म में एक अहम भूमिका निभाएंगे।

'खुद को 'धुरंधर' समझने लगे..'; रणवीर से नाराज फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज अध्यक्ष बीएन तिवारी

फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज ने कल (25 मई) को रणवीर सिंह के खिलाफ नॉन-कॉपरेशन नोटिस जारी कर दिया। यह कार्रवाई फरहान अख्तर की शिकायत के बाद हुई। शिकायत में आरोप लगाया गया कि रणवीर ने शूटिंग शुरू होने से ठीक पहले फिल्म 'डॉन 3' से खुद को अलग कर लिया। इस वजह से मेकर्स को भारी नुकसान उठाना पड़ा। अब इस पूरे विवाद पर फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज अध्यक्ष बी.एन तिवारी से बातचीत में रणवीर सिंह पर खुलकर हमला बोला है।

'45 करोड़ लगवाकर अब बोल रहे फिल्म नहीं करनी'

बीएन तिवारी ने दावा किया कि फिल्म पर करोड़ों रुपये खर्च किए जा चुके हैं और लंबे समय से इसकी तैयारियां चल रही थीं। उन्होंने कहा, 'इशू इनका सिर्फ इतना नहीं है कि शूटिंग नहीं कर रहे हैं। मामला ये है कि पहले पूरा काम शुरू कराया गया, प्रोडक्शन आगे बढ़ाया गया और उसके बाद करोड़ों रुपये खर्च करवा दिए गए। करीब 45 करोड़ रुपये इस प्रोजेक्ट पर लग चुके हैं। अब अचानक बोलते हैं कि हमें फिल्म नहीं करनी है। अब उनको 'धुरंधर' जैसी फिल्म चाहिए। भाई, हर बार वैसी फिल्म कहां से आएगी? इतना बड़ा प्रोजेक्ट 2023 से चल रहा है। बीएन तिवारी का दावा है कि रणवीर के हिसाब से स्क्रिप्ट में बदलाव किए गए।

23-24 लोकेशन बुक की गईं, मेंबर्स के टिकट खरीदे गए।

प्रोजेक्ट की सारी तैयारियां पूरी की गईं।

इतने बड़े प्रोजेक्ट में 45 करोड़ कोई छोटा पैसा नहीं होता।

तीन साल का समय लग गया इस पूरी प्रक्रिया में।

'साइलेंट कैसे चलेगा भाई?'

तिवारी ने कहा कि प्रोडक्शन हाउस लगातार बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन रणवीर या उनकी टीम की तरफ से कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया नहीं मिल रही। अभिनेता की चुप्पी पर नाराजगी जाहिर करते हुए तिवारी ने कहा, 'अगर 45 करोड़ नहीं भी लगे होंगे तो 40 करोड़ तो जरूर लगे होंगे। उनका ऑडिट हुआ होगा, रिपोर्ट होगी और वो दिखाने के लिए भी तैयार हैं। वो बैठकर बात करने को तैयार हैं। हमारी सिर्फ इतनी मांग है कि रणवीर सामने बैठें और बात करके मामला खत्म करें। लेकिन उनका रवैया ऐसा है कि वो कुछ कहना ही नहीं चाहते। बात नहीं करना चाहते। लगातार अवॉइड कर रहे हैं। अब साइलेंट रहकर चीजें नहीं चलतीं। साइलेंट कैसे चलेगा भाई? इंडस्ट्री में हर किसी की जिम्मेदारी होती है। इतने बड़े प्रोजेक्ट में आप अचानक पीछे हट जाएंगे और कोई जवाब भी नहीं देंगे तो सवाल तो उठेंगे ही।'

'मुंह नहीं खोलोगे तो नाक दबाएंगे'

फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज अध्यक्ष ने बेहद सख्त लहजे में कहा कि इंडस्ट्री में जवाबदेही जरूरी है और चुप रहकर विवाद खत्म नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा, 'देखिए, मुंह नहीं खोलोगे तो नाक दबाएंगे, मुंह खुल जाएगा। हमने सीधे अप्रोच किया। प्रोड्यूसर बॉडी ने भी कॉन्टैक्ट किया। हमारे कहने पर रितेश सिधवानी और उनकी टीम ने तीन-तीन लेटर भेजे। बार-बार कहा गया कि बैठकर बात कर लीजिए, लेकिन सुनवाई नहीं हो रही। आखिर में बोलते हैं कि 'हां ठीक है, मीटिंग करेंगे', मगर मीटिंग में आते ही नहीं। इंडस्ट्री पूरी हमारे दायरे में आती है, फिर कैसे नहीं आ सकते? बातचीत से हर चीज का हल निकल सकता है।'

'धुरंधर चली तो खुद को धुरंधर समझने लगे'

तिवारी ने रणवीर सिंह के स्टारडम और बदले रवैये पर भी कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि जब रणवीर का करियर मुश्किल दौर से गुजर रहा था और उनकी फिल्में लगातार उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर रही थीं, तब फरहान ने उन पर भरोसा जताते हुए 2023 में फिल्म के लिए साइन किया था।

तिवारी ने कहा, 'रणवीर का ट्रैक रिकॉर्ड अच्छा रहा है, इसलिए इंडस्ट्री ने हमेशा सपोर्ट किया। मगर इस तरह काम करेगा तो नहीं चलेगा। आपकी फिल्म 'धुरंधर' चली है तो इसका मतलब ये नहीं कि आप खुद धुरंधर हो गए। इंडस्ट्री रिश्तों और भरोसे पर चलती है। अभी अगर आप बिना कुछ बताए विड्रॉ कर रहे हैं तो कैसे होगा? जब रणवीर की फिल्में नहीं चल रही थीं, उस वक्त इस आदमी ने आपको साइन किया। 2023 में आप पर भरोसा किया गया। अब आपका पार्ट वन, पार्ट टू हिट हो गया तो आपके पास कहानियां आना शुरू हो गईं। लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि पुराने कमिटमेंट भूल जाएं।'

'एक्सेल बहुत जेंटलमैन कंपनी है'

हालांकि, पूरे विवाद के बीच तिवारी ने एक्सेल एंटरटेनमेंट की तारीफ भी की। उन्होंने कहा, 'एक्सेल बहुत जेंटलमैन कंपनी है। बहुत रिस्पेक्टेड कंपनी है। आज तक उनके खिलाफ कोई बड़ा डिस्प्यूट हमारे पास नहीं आया। इसलिए जब उन्होंने शिकायत की तो हमें मामला गंभीरता से देखना पड़ा। हमारी तरफ से अभी किसी तरह की कोई डिमांड नहीं रखी गई है। हम सिर्फ चाहते हैं कि सामने बैठकर बात हो। अगर फिल्म नहीं करनी है तो साफ-साफ बता दें।'

रणवीर सिंह पर बैन लगा?

सोशल मीडिया पर चल रही 'बैन' की खबरों पर भी FWICE अध्यक्ष ने सफाई दी। उन्होंने कहा, 'हमने बैन नहीं किया है। नॉन-कोऑपरेशन दिया है। हमारे लोग उनके साथ काम नहीं करेंगे, मगर इसे बैन कहना गलत होगा।'

चार बच्चों के साथ कुएं में कूदा शख्स, 5 लोगों के शव बरामद

जलगांव, 26 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के जलगांव जिले से एक हैरान कर देने का मामला सामने आया है। यहां जामोद तहसील के राजुरा बांध इलाके में एक ही परिवार के पांच लोगों ने आत्महत्या कर ली। सभी लोगों ने खेत में बने एक कुएं में कूदकर जान दे दी। वहीं एक ही परिवार के पांच लोगों के शव मिलने से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार पारिवारिक विवाद के चलते एक शख्स ने अपने चार मासूम बच्चों को कुएं में धक्का दिया और फिर खुद भी आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही जलगांव जामोद पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची।

स्थानीय लोगों की मदद से कुएं से पांचों शव बाहर निकाले गए। फिलहाल पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए जलगांव जामोद ग्रामीण अस्पताल भेज दिया है। इस दर्दनाक घटना से भाले अंजन गांव समेत पूरे तहसील में शोक का माहौल है।

दिल्ली जिमखाना खाली कराने के आदेश पर एचसी ने केंद्र को भेजा नोटिस

सरकार बोली- क्लब को दूसरी जमीन देंगे

नई दिल्ली, 26 मई (एजेंसियां)। दिल्ली जिमखाना क्लब खाली कराने के सरकार के आदेश के खिलाफ दाखिल याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया है। हाईकोर्ट ने केंद्र को 8 हफ्ते में जवाब दाखिल करने का आदेश दिया है। लुटियंस दिल्ली के बीचोंबीच स्थित जिमखाना क्लब की याचिका पर मंगलवार को दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान केंद्र ने कहा कि इसके बदले में सरकार जमीन का दूसरा टुकड़ा भी दे सकती है। सरकार ने 22 मई को क्लब को नोटिस भेजा था कि उसे 5 जून तक उसको यह जमीन खाली करनी होगी, जिसके खिलाफ क्लब हाईकोर्ट पहुंचा है।

सुनवाई के दौरान सीनियर एडवोकेट अभिषेक मनु सिंघवी ने क्लब की ओर से दलील रखते हुए कहा इस मामले में 5-6 प्रमुख मुद्दे हैं। इस पर अदालत ने कहा पहले हम चुनौती दिए गए सरकारी आदेश को पढ़ लेते हैं।

केंद्र की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि अगर क्लब 5 तारीख को अपनी मर्जी से खाली नहीं भी करता है, तो भी कब्जा नहीं लिया जाएगा, जब तक कि बेदखली के लिए कानून के तहत प्रक्रिया का पालन नहीं किया जाता। कोर्ट ने याचिकाकर्ता के वकील से कहा कि जो क्लब मेंबर्स हैं अगर जमीन ले भी ली जाती है, तो भी आपकी मेंबरशिप बनी रहेगी। एसजी तुषार मेहता ने कोर्ट में कहा कि याचिकाकर्ता को दूसरी जमीन भी ऑफर की जाएगी। उन्होंने कहा कि क्लॉज 4 में एक सिस्टम दिया गया है जिसके तहत हम लीज तय कर सकते हैं। इसमें उठाए जाने वाले अलग-अलग कदमों के बारे में बताया गया है।

पंजाब निकाय चुनाव के बीच जीरकपुर में ईडी की बड़ी रेड

चंडीगढ़, 26 मई (एजेंसियां)। चंडीगढ़ के सेक्टर-20 स्थित रियल एस्टेट कारोबारी प्रवीण कंसल उर्फ रॉकी के आवास पर मंगलवार सुबह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी छापेमारी की। सुबह करीब सात बजे केंद्रीय सुरक्षा बलों के साथ पहुंची ईडी टीम ने घर के भीतर कई घंटों तक जांच की और जमीन सौदों, बैंक लेनदेन व कंपनियों से जुड़े दस्तावेजों की पड़ताल की। सूत्रों के अनुसार, कार्रवाई न्यू चंडीगढ़ में कथित जमीन घोटाले, फर्जी दस्तावेजों और संदिग्ध वित्तीय लेनदेन से जुड़े मामले में की जा रही है। प्रवीण कंसल लंबे समय से पंजाब और ट्राइसिटी के रियल एस्टेट कारोबार से जुड़े रहे हैं।

जीरकपुर में उनका "चंडीगढ़ रॉयल सिटी" नाम से प्रोजेक्ट भी चर्चा में रहा है। हालांकि पिछले कुछ वर्षों में न्यू चंडीगढ़ और आसपास के क्षेत्रों में जमीन खरीद-फरोख्त को लेकर उन पर कई सवाल उठते रहे हैं। पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने पिछले वर्ष प्रवीण कंसल के खिलाफ आईपीसी की धारा 420 और 120-बी के तहत मामला दर्ज किया था। यह केस उनके कारोबारी पार्टनर प्यारेलाल गर्ग की शिकायत पर दर्ज हुआ था। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि न्यू चंडीगढ़ की प्राइम जमीन का मालिकाना हक कथित तौर पर धोखाधड़ी से बदला गया और कारोबारी साझेदार को आर्थिक नुकसान पहुंचाया गया। विजिलेंस जांच में करोड़ों रुपये के लेनदेन और कई अन्य लोगों की भूमिका भी सामने आने की बात कही गई थी। सूत्रों के मुताबिक, ईडी अब इसी एफआईआर के आधार पर मनी लॉन्ड्रिंग एंगल की जांच कर रही है।

राम रहीम 16वीं बार जेल से बाहर

फिर मिली पैरोल; रोहतक जेल से सिरसा पहुंचा डेरा प्रमुख

सिरसा, 26 मई (एजेंसियां)। डेरा प्रमुख गुरमीत सिंह को 23 दिन की पैरोल मिली है। मंगलवार सुबह साढ़े 6 बजे रोहतक की सुनारिया जेल से निकलकर सिरसा के लिए रवाना हुए। उन्हें लेने के लिए उनकी मुंह बोली बेटी हनीप्रीत इंसा गई थी। चार गाड़ियों के काफिले में गुरमीत सिंह लैंड क्रूजर गाड़ी में सवार था। सुबह साढ़े आठ बजे डेरा प्रमुख का काफिला शाह सतनाम धाम में पहुंचा गया। डेरा प्रमुख के दर्शनों के लिए उसके अनुयायी पहले से ही मौजूद थे। इससे पहले गुरमीत के पैरोल मिलने की सूचना पर रात को डेरे के चारों ओर बेरीकेड्स लगा दिए गए थे और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई है।

डेरा के आस पास सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई थी साध्वी यौन शोषण मामले में 20 साल की सजा काट रहा गुरमीत सिंह वर्ष 2026 में पांच जनवरी को 40 दिन की पैरोल पर बाहर आया था। तब शाह सतनाम सिंह का अवतार दिवस था। इस वर्ष में उसकी दूसरी पैरोल है।

सीएम शुभेंदु के सख्त एक्शन से डरे बांग्लादेशी

वापस जाने के लिए सीमा के पास लगी घुसपैठियों की भीड़

कोलकाता, 26 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनते ही घुसपैठियों के खिलाफ प्रशासन का अभियान शुरू हो गया है। शुभेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री का पद संभालते ही बंगाल में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों के खिलाफ कार्रवाई का आदेश जारी कर दिया है। ऐसे में सीएम शुभेंदु के सख्त एक्शन से बांग्लादेशी घुसपैठियों के बीच खलबली मच गई है। बांग्लादेश वापस जाने के लिए बॉर्डर के पास वाले इलाकों में घुसपैठियों की भीड़ जुटने लगी है।

आपको बता दें कि कुछ महीने पहले पश्चिम बंगाल में एशआईआर की घोषणा के बाद नॉर्थ 24 परगना जिले के स्वरूपनगर में बिथरी हकीमपुर चेक पोस्ट से हजारों अवैध घुसपैठिए बांग्लादेश वापस चले गए थे। वे राज्य के अलग-अलग हिस्सों में अवैध रूप से रह रहे थे। हाल ही में राज्य में सरकार बदलने के बाद मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने घुसपैठियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आदेश दिया है। एक बार फिर से बिथरी हकीमपुर चेक पोस्ट पर वही तस्वीर कैद हुई है।

पंजाब में हथियार तस्करी से जुड़े गिरोह का भंडाफोड़

चंडीगढ़, 26 मई (एजेंसियां)। पंजाब पुलिस ने एक ऐसे गिरोह का भंडाफोड़ किया है, जो सीमा पार से हथियारों की तस्करी करता था। अब पुलिस ने एक तरफ जहां इस गिरोह का भंडाफोड़ किया, तो वहीं दूसरी तरफ इसमें शामिल सभी लोगों के खिलाफ एक एक करके कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने अपनी इस कार्रवाई के बारे में अपने सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर जानकारी दी है। पुलिस का स्पष्ट कहना है कि इस गिरोह में संलिप्त किसी भी आरोपी को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।

पुलिस के मुताबिक, पुलिस ने आरोपियों के पास से पांच .30 बोर ग्लॉक पिस्तौल और चार जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। अब सभी आरोपियों से पूछताछ की जा रही है, ताकि इस मामले के संदर्भ में अतिरिक्त जानकारी जुटाई जा सके। इससे आगे की कार्रवाई करने में मदद मिलेगी। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, अब पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि सीमा पार से हथियारों की तस्करी करने के बाद इनकी आपूर्ति किन लोगों के बीच में की जाती थी, ताकि पूरी तस्वीर साफ हो सके। इस मामले में एफआईआर भी दर्ज की जा चुकी है, जिसके आधार पर अब यह जांच की जा रही है।

डीआरडीओ रेजिडेंशियल कॉम्प्लेक्स में लाखों की चोरी

नई दिल्ली, 26 मई (एजेंसियां)। दिल्ली के तिमारपुर थाना क्षेत्र में स्थित डीआरडीओ के अत्यधिक सुरक्षित माने जाने वाले रेजिडेंशियल कॉम्प्लेक्स में चोरों ने लाखों रुपये के गहने, नकदी और कीमती सामान पर हाथ साफ कर दिया। यह घटना डीआरडीओ की एक महिला वैज्ञानिक के घर में हुई, जिसने सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार, डीआरडीओ वैज्ञानिक अपने परिवार से मिलने के लिए 15 मई को चंडीगढ़ गई थीं। जब वह 23 मई को वापस लौटीं, तो उन्होंने देखा कि उनके घर का सामान अस्त-व्यस्त है और लाखों रुपये के गहने, चांदी के बर्तन, घड़ियां और अन्य कीमती वस्तुएं गायब हैं।

'अनुमान पर केस चला रही सीबीआई'

कोल ब्लॉक स्कैम केस में कोर्ट की फटकार; पूर्व केंद्रीय मंत्री के भाई समेत सभी बरी

नई दिल्ली, 26 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ कोल ब्लॉक आवंटन घोटाले से जुड़े एक और मामले में विशेष सीबीआई अदालत ने पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय के भाई सुधीर कांत सहाय समेत सभी आरोपितों को बरी कर दिया। अदालत ने अपने 271 पन्नों के फैसले में सीबीआई की जांच और साक्ष्यों पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष कयास और अनुमान के आधार पर मामला चला रहा था और साजिश साबित करने के लिए प्रत्यक्ष या परोक्ष साक्ष्य पेश नहीं कर पाया। विशेष न्यायाधीश सुनेना शर्मा ने कहा कि आपराधिक साजिश के आरोप पूरी तरह कमजोर आधार पर टिके थे। अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष भारतीय दंड संहिता की धारा 120बी के तहत किसी भी आरोपित की संलिप्तता साबित करने में पूरी तरह विफल रहा।

यह मामला 2012 में केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) की उस जांच के बाद दर्ज हुआ था, जिसमें 2006 से 2009 के बीच कोल ब्लाक आवंटन में अनियमितताओं की बात कही गई थी। सीबीआई ने आरोप लगाया था कि एसकेएस इस्पात एंड पावर लिमिटेड और उसके पदाधिकारियों ने छत्तीसगढ़ के विजय सेंट्रल कोल ब्लॉक का आवंटन हासिल करने के लिए कंपनी के निवेश, जमीन, उत्पादन क्षमता और पर्यावरण मंजूरी से जुड़ी जानकारियां बढ़ा-चढ़ाकर पेश कीं।

खेत में काम कर रही महिला को जंगली हाथी ने कुचला

लोहरदगा, 26 मई (एजेंसियां)। झारखंड के लोहरदगा जिले के भंडरा थाना क्षेत्र अंतर्गत बेदाल टंगरा टोली गांव में मंगलवार सुबह जंगली हाथी के हमले में एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। मिली जानकारी के अनुसार भंडरा प्रखंड के बेदाल टंगरा टोली निवासी प्रतिमा उराइन 35 वर्ष अपने पति कृष्णा उरांव और दो बच्चों के साथ खेत में कृषि कार्य कर रही थी। अचानक एक जंगली हाथी खेत की ओर पहुंच गया। हाथी को देखकर परिवार और आसपास मौजूद लोग इधर-उधर भागने लगे। हाथी ने बच्चे या अन्य लोगों को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया और प्रतिमा उराइन को अपनी चपेट में ले लिया

टीसीएस धर्मांतरण मामले की चार्जशीट में खुलासा

पीड़िता को घर ले जाती थी निदा खान, बुर्का पहनना-कलमा पढ़ना सिखाया

नासिक, 26 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नासिक जिले में मल्टीनेशनल कंपनी टीसीएस में धर्मांतरण का मामला सामने आया था। कुछ दिन पहले ही नासिक पुलिस ने इस मामले में कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की है। इस चार्जशीट में मुख्य आरोपी निदा खान पर धर्म परिवर्तन कराने और धार्मिक भावनाएं आहत करने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। चार्जशीट के अनुसार, मामले की महिला पीड़िता का कथित धर्म परिवर्तन निदा खान ने ही करवाया था।

जांच में सामने आया है कि निदा खान लगातार पीड़िता के संपर्क में रहती थी और उसपर धर्म परिवर्तन करने के लिए दबाव डालती थी। पुलिस के मुताबिक, कई बार वह पीड़िता को अपने नासिक स्थित घर भी लेकर गई थी।

जांच एजेंसी का दावा है कि वहां निदा ने पहले पीड़िता को बुर्का पहनना सिखाया और बाद में उसे कलमा पढ़ने और नमाज पढ़ने की तालीम दी गई। पुलिस के अनुसार, यह सिलसिला कई महीनों तक चलता रहा। चार्जशीट में यह भी उल्लेख किया गया है कि अब तक इस मामले में दो लोगों के धर्म परिवर्तन की बात सामने आई है, जिनमें एक महिला और एक पुरुष शामिल हैं। फिलहाल मामले की आगे की जांच जारी है और पुलिस अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है।

'जब तक अनुच्छेद 370 बहाल नहीं होता तब तक चुप नहीं बैठेगी एनसी'

डॉ. फारुक बोले- 'जनता आज भी फैसले के खिलाफ'

श्रीनगर, 26 मई (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कान्फ्रेंस के अध्यक्ष डा फारूक अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर का विशेष संवैधानिक दर्जा बहाल करना ही हमारा प्रमुख राजनीतिक उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि पांच अगस्त 2019 के फैसले को रद कराने तक नेशनल कान्फ्रेंस अपना संघर्ष जारी रखेगी।

आज यहां एक सभा को संबोधित करत हुए डा फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू-कश्मीर का भारत संघ में विलय संवैधानिक गारंटी और वादों पर आधारित था, जिन्हें "गैर-कानूनी और गैर-लोकतांत्रिक तरीकों" से कमजोर किया गया। फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद जम्मू-कश्मीर के लोगों से उनके राजनीतिक और संवैधानिक अधिकार छीन लिए गए। उन्होंने दावा किया कि छह साल बाद भी जनता ने इन फैसलों को स्वीकार नहीं किया है। उन्होंने अनुच्छेद370 को भारत और जम्मू-कश्मीर के संबंधों का संवैधानिक आधार बताते हुए कहा कि इसने 1947 के बाद क्षेत्र की विशेष पहचान और स्वायत्त स्थिति की रक्षा की थी नेशनल कॉन्फ्रेंस की विरासत का उल्लेख करते हुए फारूक ने कहा कि पार्टी ने किसानों के हित में "लैंड टू द टिलर" जैसे ऐतिहासिक भूमि सुधार लागू कर सामंती व्यवस्था को समाप्त किया।

उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, पेयजल और रोजगार के क्षेत्र में पार्टी के योगदान को भी रेखांकित किया। केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 हटाने के बाद विकास, शांति और रोजगार के वादे खोखले साबित हुए हैं। उन्होंने केंद्र से जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने और लोकतांत्रिक अधिकार लौटाने की मांग की।

पूर्व मंत्री आलमगीर आलम के आश्वासन के बाद शेरशाहबादी का धरना समाप्त

साहिबगंज, 26 मई (एजेंसियां)। शेरशाहबादी डेवलपमेंट सोसाइटी की ओर से साहिबगंज के बरहरवा प्रखंड मुख्यालय में 4 मई 2026 से शेरशाहबादी जाति प्रमाण पत्र की मांग को लेकर चल रहा अनिश्चितकालीन धरना मंगलवार को खत्म हो गया। पूर्व मंत्री आलमगीर आलम और राजमहल विधायक एमटी राजा की उपस्थिति में आंदोलनकारी को आश्वासन देने के बाद धरना को समाप्त कर दिया गया। मामले को लेकर पूर्व मंत्री आलमगीर आलम ने कहा कि आंदोलनकारी को यह आश्वासन दिया गया है कि शेरशाहबादी जाति प्रमाण पत्र निर्गत करने को लेकर उपायुक्त और अन्य अधिकारियों से बातचीत हुई। धरना स्थल पर राजमहल एसडीओ सदानंद महतो भी उपस्थित हुए।

ब्रिटेन में बजा हरियाणा का डंका

एक साथ मेयर बने मां-बेटे, 23 साल के छोरे तुषार कुमार ने रचा इतिहास

लंदन, 26 मई (एजेंसियां)। ब्रिटेन की धरती से भारत, खासकर हरियाणा के लिए एक बेहद गौरवशाली खबर सामने आई है। दरअसल, रोहतक के एक ही परिवार के मां-बेटे ने ब्रिटेन में एक साथ मेयर का चुनाव जीतकर नया इतिहास रच दिया है। साल 2013 में हरियाणा से यूके गए इस परिवार की इस दोहरी सफलता ने देश-दुनिया में तहलका मचा दिया है। मात्र 23 साल के तुषार कुमार और उनकी मां परवीन रानी अब ब्रिटेन के दो अलग-अलग शहरों में मेयर की कमान संभालेंगे। तुषार कुमार ने इसके साथ ही ब्रिटेन में सबसे कम उम्र के भारतीय मूल के मेयर बनने का गौरव भी हासिल कर लिया है। यह कामयाबी हरियाणा के सोनीपत जिले के खरखौदा स्थित रोहना गांव से ताल्लुक रखने वाले परिवार को मिली है। यह परिवार लंबे समय तक रोहतक में रहा और फिर साल 2013 में ब्रिटेन चला गया था। तुषार कुमार ने 13 मई को एल्स्ट्री और बोरहमवुड टाउन काउंसिल के सबसे युवा मेयर के रूप में शपथ ली। इसके ठीक एक हफ्ते बाद, 20 मई को उनकी मां परवीन रानी को हट्र्समेर बरो काउंसिल का पहला भारतीय मूल का मेयर चुना गया।

टीएमसी नेता दीपांकर भट्टाचार्य के ठिकानों से 80 लाख रुपये का कैश बरामद, राहत सामग्री का भी किया गबन

24 परगना, 26 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के नॉर्थ 24 परगना जिले में टीएमसी नेता के अलग-अलग ठिकानों से 80 लाख रुपये कैश बरामद किए गए हैं। जानकारी के मुताबिक बदुरिया म्युनिसिपालिटी के चेयरमैन और टीएमसी नेता दीपांकर भट्टाचार्य के घर, पार्टी ऑफिस और पास के एक कंप्यूटर सेंटर की तलाशी ली गई। इन सभी ठिकानों पर ली गई तलाशी के बाद करीब 80 लाख रुपये कैश बरामद किए गए हैं। वहीं दीपांकर भट्टाचार्य को सरकारी राहत सामग्री के गबन और भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किया गया है

। इसके साथ ही उनके घर को पुलिस के तरफ से ताला लगा दिया गया है। दरअसल, पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद सरकार बदलने के बाद से भ्रष्टाचार के खिलाफ ताबड़तोड़ एक्शन जारी है। भ्रष्टाचार के आरोप में कई सारे तृणमूल नेताओं को गिरफ्तार किया गया है।

इसी क्रम में देर रात नॉर्थ 24 परगना जिले के बादुरिया पुलिस स्टेशन की पुलिस ने बादुरिया म्युनिसिपालिटी के चेयरमैन दीपांकर भट्टाचार्य के घर पर छापा मारा गया।

इस दौरान दीपांकर भट्टाचार्य के घर, पार्टी ऑफिस और पास में एक कंप्यूटर सेंटर में छापेमारी की गई। जानकारी के मुताबिक कंप्यूटर सेंटर में ताला लगा होने के वजह से पुलिस की टीम को ताला तोड़ कर अंदर जाना पड़ा। छापेमारी के दौरान पुलिस को अलग-अलग जगहों से लगभग 80 लाख रुपए कैश मिले हैं। जानकारी के मुताबिक इस रुपये का हिसाब दीपांकर भट्टाचार्य के पास नहीं था। इसके अलावा उनके ठिकानों से राहत सामग्री भी बरामद की गई।

मोबाइल टावर पर युवती ने फांसी लगाकर दी जान

जशपुर, 26 मई (एजेंसियां)। जशपुर के कुनकुरी थाना क्षेत्र के धुमाडांड गांव की एक 22 वर्षीय युवती ने कुनकुरी थाने के सामने स्थित टावर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका की मां के अनुसार, नीलिमा पिछले काफी समय से मानसिक रूप से अस्वस्थ थी और उसे मोबाइल देखने की ज्यादा आदत थी। परिजनों ने बताया कि युवती का बगीचा सेमरडीह गांव के एक युवक के साथ प्रेम संबंध था और वह उसी के साथ रहती थी। साल भर पहले भी एक मामूली विवाद के बाद उसने आम के पेड़ पर फांसी लगाने का प्रयास किया था, लेकिन समय रहते उसे बचा लिया गया था। परिजनों ने उसका कई जगह इलाज और झाड़-फूंक भी कराया था।

जी हुजूरी करने वाले पाकिस्तान ने ट्रंप की अपील क्यों ठुकराई?, अब्राहम समझौते पर कहा- हमें मंजूर नहीं

इस्लामाबाद, 26 मई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मुस्लिम देशों से अब्राहम समझौते में शामिल होने की मांग की थी। वहीं, पाकिस्तान ने अब्राहम समझौते में शामिल होने से इनकार कर दिया है। रक्षा मंत्री ख्वाजा मुहम्मद आसिफ ने कहा कि इस्लामाबाद किसी भी ऐसे समझौते का समर्थन नहीं करेगा जो देश की मौलिक विचारधाराओं के खिलाफ हो। पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार, यह बयान पाकिस्तानी प्रसारक समा टीवी के साथ एक साक्षात्कार के दौरान दिया गया। रक्षा मंत्री आसिफ से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा दबाव और कूटनीतिक संकेतों के बाद पाकिस्तान के अब्राहम समझौते पर हस्ताक्षर करने की संभावना के बारे में पूछा गया था। उन्होंने साक्षात्कार में कहा,

निजी तौर पर मुझे नहीं लगता कि हमें ऐसे किसी भी समझौते में शामिल होना चाहिए जो हमारी मौलिक विचारधाराओं से टकराता हो। इस्राइल के साथ जुड़ाव की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने आगे कहा, आप उन लोगों के साथ कैसे बैठेंगे जिन पर एक दिन के लिए भी भरोसा नहीं किया जा सकता? उन्होंने इस्लामाबाद के इस मुद्दे पर लंबे समय से चले आ रहे रुख को दोहराते हुए कहा, हमारा रुख बहुत साफ है कि यह हमारे लिए स्वीकार्य नहीं है। आसिफ ने इस्राइल के बारे में पाकिस्तान की पासपोर्ट नीति का भी जिक्र किया।

पश्चिम बंगालः सोने के व्यापारी के अपहरण और हत्या का फरार आरोपी बीडीओ गिरफ्तार

कोलकाता, 26 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के उत्तरी दिनाजपुर जिले के रायगंज ब्लॉक के पूर्व ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसर (बीडीओ) प्रशांत बर्मन को आखिरकार गिरफ्तार कर लिया गया है। प्रशांत लंबे समय से फरार चल रहा था और उस पर पिछले साल कोलकाता के सॉल्ट लेक स्थित दत्ताबाद में सोने के व्यापारी स्वपन कामिलिया के अपहरण और हत्या का आरोप था। बर्मन की गिरफ्तारी सोमवार आधी रात के आस-पास कोलकाता के उत्तरी बाहरी इलाके न्यू टाउन में हुई। बिधाननगर सिटी पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, बर्मन ने रात में अपनी कार चलाते समय एक दोपहिया वाहन चालक को टक्कर मार दी थी और वह तब पूरी तरह से नशे में था। हादसे के बाद दोपहिया वाहन चालक किसी तरह खड़ा हुआ और बर्मन की गाड़ी का रास्ता रोककर उससे गाड़ी से बाहर निकलने को कहा।

'केंद्र को सता रहा जनता के गुस्से और सड़क पर उतरने का डर', शिवसेना यूबीटी का तीखा वार

मुंबई, 26 मई (एजेंसियां)। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने मंगलवार को महंगाई में हो रही वृद्धि और आठ दिनों के भीतर पेट्रोल-डीजल की कीमतों में चार बार हुई बढ़ोतरी की कड़ी आलोचना की। शिवसेना (यूबीटी) ने कहा कि इससे आम जनता का जीवन दूभर हो गया है। पार्टी ने आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार को डर है कि महंगाई से जनता का गुस्सा भड़क उठेगा और लोग सड़कों पर उतर आएंगे। पार्टी के मुखपत्र 'सामना' में प्रकाशित एक तल्ख संपादकीय में शिवसेना (यूबीटी) ने कहा कि ईंधन की महंगाई सभी जरूरी चीजों को प्रभावित करती है। संपादकीय में कहा गया है, सरकार इतनी डरी हुई है कि उन्होंने 'पीपली लाइव' फिल्म का गाना 'महंगाई डायन खाए जात है' पर प्रतिबंध लगा दिया है। इसका सीधा मतलब हैः महंगाई की आग में जल मरो, लेकिन दर्द का एक शब्द भी मत कहो।

एयरपोर्ट गार्ड ड्यूटी में हेड कांस्टेबल की संदिग्ध पारिस्थितियों में मौत

देहरादून, 26 मई (एजेंसियां)। देहरादून एयरपोर्ट के स्टेट गेस्ट हाउस में तैनात एक हेड कांस्टेबल की संदिग्ध परिस्थिति में उनके आवास रानीपोखरी में कार्बाइन से गोलियां चलने से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि उस वक्त सुनील अपने घर के बरामदे में थे। करीब साढ़े दस बजे थाना हेड कांस्टेबल सुनील (49) की उनके नागाघेर, रानीपोखरी में कार्बाइन से गोलियां चलने से मौत हो गई। गोलियां चलने के बाद उन्हें उपचार के लिए हिमालय अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में चिकित्सा द्वारा हेड कांस्टेबल को मृत घोषित किया गया।

निर्माणाधीन सेप्टिक टैंक में दम घुटने से छह लोगों की मौत

कालाहांडी, 26 मई (एजेंसियां)। ओडिशा के कालाहांडी जिले में मंगलवार को एक दर्दनाक हादसे में निर्माणाधीन सेप्टिक टैंक के अंदर दम घुटने से कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, यह घटना मदनपुर-रामपुर थाना क्षेत्र के करियाखुंटा गांव में हुई। हादसे में एक अन्य व्यक्ति की तबीयत भी बिगड़ गई, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने शवों को परिजनों को सौंपा। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सभी लोग निर्माणाधीन सेप्टिक टैंक के अंदर काम कर रहे थे। इसी दौरान आशंका है कि जहरीली गैस या ऑक्सीजन की कमी के कारण उनका दम घुट गया। सूचना मिलते ही पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंचे और सभी को बाहर निकाला गया। इस हादसे पर ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने गहरा दुख जताया है। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट जारी कर कहा कि मदनपुर-रामपुर में निर्माण स्थल पर हुए इस हादसे में छह लोगों की मौत बेहद दुखद है।

अनिल अंबानी की कंपनियों के पूर्व निदेशकों पर मुंबई पुलिस का शिकंजा

150 करोड़ की धोखाधड़ी में एफआईआर दर्ज

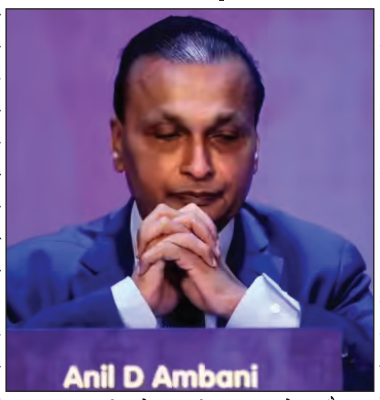

नई दिल्ली, 26 मई (एजेंसियां)। मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने सोमवार को अनिल धीरुभाई अंबानी ग्रुप से जुड़ी कंपनियों के तत्कालीन निदेशकों के खिलाफ धोखाधड़ी, अमानत में खयानत (क्रिमिनल ब्रीच ऑफ ट्रस्ट) और आपराधिक साजिश का मामला दर्ज किया है। आरोप है कि इन्होंने बैंक से 150 करोड़ रुपये का लोन लिया, उसे दूसरे कामों में डाइवर्ट किया और फिर लोन चुकाने में डिफॉल्ट कर गए। यह एडीएजी से जुड़ी कंपनियों के खिलाफ एक्सिस बैंक की शिकायत पर दर्ज की गई दूसरी एफआईआर है।

ईओडब्ल्यू के सूत्रों के मुताबिक, यह मामला एक्सिस बैंक के उपाध्यक्ष प्रकाश प्रभाकर राव की शिकायत पर कफ परेड पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता राव ने इससे पहले इसी साल मार्च महीने में भी अनिल अंबानी से जुड़ी कंपनियों और उनके कई निदेशकों के खिलाफ एक और एफआईआर दर्ज कराई थी।

किन-किन के खिलाफ दर्ज हुआ केस?

रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड के तत्कालीन पूर्णकालिक निदेशक एडीएजी के भीतर लाभार्थी कंपनियों के तत्कालीन निदेशक अनिल अंबानी ग्रुप के संबंधित कंपनी अधिकारी शामिल हैं।

2010 से 2019 के बीच हुआ घोटाला

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह वित्तीय अपराध जनवरी 2010 से नवंबर 2019 के बीच अंजाम दिया गया। सूत्रों के अनुसार, आरोपियों ने कंपनी के तत्कालीन निदेशकों के साथ मिलकर बैंक को धोखा देने और उसे वित्तीय नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से एक आपराधिक साजिश रची। लोन हासिल करने के लिए आरोपियों ने फर्जी दस्तावेज जमा किए, गलत जानकारियां दीं और रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड की वित्तीय स्थिति को लेकर भ्रामक खुलासे किए। जैसे ही लोन की रकम मिली, उसे ग्रुप से जुड़ी अन्य कंपनियों के खातों में डाइवर्ट कर दिया गया।

मार्च में भी दर्ज हुआ था ऐसा ही मामला

इसी साल 12 मार्च को भी मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने इन्हीं आधारों पर अनिल अंबानी से जुड़ी कंपनियों के खिलाफ एक मामला दर्ज किया था। अब यह दूसरा बड़ा मामला सामने आया है।

दावा- डीजल महंगा होने से 19 लाख ट्रक बंद

माल भाड़ा 15% तक बढ़ा, खाने-पीने का सामान महंगा हो सकता है

नई दिल्ली, 26 मई (एजेंसियां)। डीजल महंगा होने से ट्रांसपोर्टर्स ने ट्रकों को खड़ा करना शुरू कर दिया है। हालात ये है कि देशभर में मौजूद 95 लाख ट्रकों में से करीब 20% यानी 19 लाख ट्रक सड़कों से हट गए हैं। इकोनॉमिक्स टाइम्स की रिपोर्ट में ये दावा किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, डीजल की कमी और ऊंचे दामों की वजह से ट्रांसपोर्ट कंपनियों ने मालभाड़ा भी बढ़ा दिया है। पश्चिम से उत्तर भारत जैसे मुख्य रूट्स पर भाड़े में 10 से 15% की बढ़ोतरी हुई है। 30 किमी तक की लोकल ढुलाई के दाम तो और भी ज्यादा बढ़े हैं। इसका सीधा असर आम जनता की जेब पर पड़ेगा, क्योंकि आने वाले दिनों में फल, सब्जी और राशन के दाम बढ़ सकते हैं।

11 दिन में 8 तक बढ़े दाम, पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें

कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से सरकारी तेल कंपनियों ने पिछले 11 दिनों में पेट्रोल-डीजल के दाम 4 बार बढ़ाए हैं, जिससे कुल बढ़त 7.5 से 8 प्रति लीटर तक पहुंच गई है। नेशनल हाईवे के पेट्रोल पंपों पर ट्रकों की लंबी कतारें देखी जा रही हैं।

छोटे ऑपरेटर्स की मुसीबत बढ़ी

भारत के ट्रांसपोर्ट सेक्टर में 70% से ज्यादा छोटे ट्रक ऑपरेटर्स हैं। ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस के नेशनल प्रेसिडेंट हरीश सभरवाल के मुताबिक, ट्रक चलाने के कुल खर्च में 40-45% हिस्सा अकेले डीजल का होता है। तेल की कीमतों में किस्तों में हुई बढ़ोतरी का बोझ अब छोटे ऑपरेटर्स उठाने की स्थिति में नहीं हैं। कई पंपों ने उधार पर तेल देना बंद कर दिया है, जिससे वर्किंग कैपिटल का संकट खड़ा हो गया है।

इंडस्ट्रियल डीजल पंपों महंगा होने से पंपों पर बढ़ी भीड़

बाजार में डीजल की दो तरह की कीमतें हैं- बल्क (थोक) और रिटेल। थोक में मिलने वाला डीजल रिटेल के मुकाबले 40-42 प्रति लीटर महंगा हो गया है, हाल ही में सरकार ने इंडस्ट्रियल डीजल की कीमत 22 रुपए बढ़ाई थी। ऐसे में जो बड़े संस्थान पहले थोक में तेल खरीदते थे, वे अब आम जनता वाले पेट्रोल पंपों पर भीड़ लगा रहे हैं। इसी वजह से रिटेल आउटलेट्स पर सप्लाई कम पड़ रही है और ट्रकों को 6 से 8 घंटे तक इंतजार करना पड़ रहा है।

इंडियन ऑयल जैसी सरकारी कंपनियों ने देशभर में तेल की कमी की बात से इनकार किया है। कंपनियों का कहना है कि पेट्रोल की बिक्री 14% और डीजल की 18% बढ़ी है। उनके मुताबिक, किल्लत सिर्फ कुछ चुनिंदा इलाकों में है और यह अस्थायी है।

एक दिन दौड़ कर हांफ गया शेयर बाजार

सेंसेक्स 479 अंक गिरा, निफ्टी 24000 से नीचे

मुंबई, 26 मई (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव के फिर से गहराने का सीधा असर मंगलवार को भारतीय शेयर बाजार पर देखने को मिला। दक्षिणी ईरान में अमेरिका की ओर से किए गए हमलों की खबर ने निवेशकों की चिंताओं को बढ़ा दिया है। इससे सोमवार की सकारात्मक धारणा बदल गई और बाजार में बिकवाली का भारी दबाव हावी हो गया।

बाजार के मुख्य आंकड़े

मंगलवार के कारोबारी सत्र के अंत में दोनों प्रमुख बेंचमार्क सूचकांकों में तेज गिरावट दर्ज की गईः **सेंसेक्सः** बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 479.26 अंक यानी 0.62 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 76,009.70 के स्तर पर बंद हुआ। **निफ्टीः** नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी इंडेक्स 23,950 का अहम स्तर भी नहीं बचा सका और 118.00 अंक (0.49 प्रतिशत) का नुकसान दर्ज करते हुए 23,913.70 के स्तर पर खिसक गया। पश्चिम एशिया में नए सिरे से पनपे भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि के कारण मंगलवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 47 पैसे गिरकर 95.73 (अस्थायी) पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि मजबूत अमेरिकी डॉलर और कमजोर घरेलू बाजारों ने भी रुपये पर दबाव डाला।

गिरावट के मुख्य कारण और सेक्टोरल इम्पैक्ट

बाजार में इस रिवर्सल का मुख्य कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निवेशकों के सेंटीमेंट में अचानक आया नकारात्मक बदलाव था। दबाव वाले सेक्टर्सः शेयर बाजार को नीचे खींचने में मुख्य रूप से बैंकिंग, तेल और गैस तथा फार्मा सेक्टर के शेयरों का हाथ रहा, जिनमें सबसे ज्यादा बिकवाली दर्ज की गई। टॉप लूजर्सः प्रमुख स्टॉक्स की बात करें तो, टेक महिंद्रा और अपोलो हॉस्पिटल्स के शेयरों को सबसे ज्यादा नुकसान उठाना पड़ा और दोनों ही स्टॉक्स लगभग 2 प्रतिशत की गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए।

वैश्विक तनाव का साया

सोमवार को बाजार में जो रिकवरी दिख रही थी, वह अमेरिका द्वारा दक्षिणी ईरान में किए गए हमलों की खबरों के बाद पूरी तरह उलट गई। इस घटनाक्रम ने निवेशकों के बीच यह डर पैदा कर दिया है कि मध्य पूर्व में संघर्ष लंबा खिंच सकता है। विशेष रूप से तेल और गैस सेक्टर के स्टॉक्स में गिरावट इसी भू-राजनीतिक अनिश्चितता का सीधा परिणाम है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ते इस सैन्य तनाव के कारण भारतीय इक्विटी

भारत और अमेरिका की महाडील से उड़ी चीन की नींद

ड्रैगन के सबसे बड़े 'हथियार' की काट तैयार

नई दिल्ली, 26 मई (एजेंसियां)। भारत और अमेरिका ने मिलकर एक ऐसी डील की है, जिससे चीन की नींद उड़नी तय है। भारत और अमेरिका ने मंगलवार को क्रिटिकल मिनरल्स (महत्वपूर्ण खनिजों) और रेयर अर्थ्स (दुर्लभ खनिजों) को लेकर एक रणनीतिक समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते का उद्देश्य चीन पर निर्भरता कम करना है।

दोनों देशों के बीच यह डील सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रिक वाहन, स्वच्छ ऊर्जा और रक्षा तकनीकों के लिए जरूरी संसाधनों की सुरक्षित आपूर्ति को बढ़ावा देगी। यह समझौता क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो की मौजूदगी में हुआ।

क्या हैं इस डील के मायने?

समझौते पर हस्ताक्षर के बाद विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा, 'आज हम महत्वपूर्ण खनिजों और रेयर अर्थ्स के खनन व प्रोसेसिंग की आपूर्ति सुरक्षित करने के लिए भारत-अमेरिका द्विपक्षीय ढांचे पर हस्ताक्षर कर रहे हैं। चाहे हम इसे द्विपक्षीय रूप से करें, क्वाड के मंच पर करें या समान विचारधारा वाले देशों के बड़े समूह के साथ, यह फैसला बेहद समयोचित और महत्वपूर्ण है।'

रुबियो बोले- साझेदारी बेहद जरूरी

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भारत-अमेरिका के बीच इस रणनीतिक साझेदारी को दोनों देशों के राष्ट्रीय हित के लिए बेहद जरूरी बताया। रुबियो ने कहा, 'हमारी इनोवेशन इकोनॉमी के लिए महत्वपूर्ण खनिजों और उनकी सप्लाई चेन तक दीर्घकालिक व विश्वसनीय पहुंच सुनिश्चित करना दोनों देशों का साझा रणनीतिक हित है।' उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका जैसी जीवंत अर्थव्यवस्थाएं इन उद्योगों के लिए बुनियादी माने जाने वाले कच्चे माल को किसी एकतरफा एकाधिकार वाले देश के भरोसे कमजोर नहीं छोड़ सकतीं। रुबियो के मुताबिक ऐसा एकाधिकार न केवल युद्ध के समय, बल्कि आम दिनों में भी हमारी संप्रभुता और राष्ट्रीय हितों के खिलाफ एक हथियार की तरह इस्तेमाल किया जा सकता है।

क्यों खास है यह समझौता?

आज के दौर में बैटरियों, इलेक्ट्रॉनिक्स, रिन्यूएबल एनर्जी सिस्टम और एडवांस डिफेंस टेक्नोलॉजी में रेयर अर्थ एलिमेंट्स का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होता है। वैश्विक स्तर पर इसके प्रोसेसिंग और सप्लाई चेन पर चीन का एकछत्र राज है। ऐसे में भारत और अमेरिका का यह समझौता वैश्विक स्तर पर नए विकल्पों को खड़ा करने और आर्थिक सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा मील का पत्थर साबित होगा।

चांदी 4,750 गिरकर 2.66 लाख पर आई

ऑलटाइम हाई से 1.20 लाख नीचे आ चुकी; सोना आज 1,135 सस्ता हुआ

नई दिल्ली, 26 मई (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 26 मई को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 1 किलो चांदी की कीमत 4,750 रुपए कम होकर 2.66 लाख रुपए पर आ गई है। 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 1,135 रुपए गिरकर 1.58 लाख रुपए हो गया है।

सोने की कीमतों का सफरः 1.76 लाख से 1.58 लाख तक

सोने में इस साल की शुरुआत में तेजी दिखी थी, लेकिन पिछले कुछ हफ्तों में मुनाफावसूली और वैश्विक कारणों से इसमें गिरावट आई है। शुरुआती स्तर (31 दिसंबर 2025): 1.33 लाख ऑलटाइम हाई (29 जनवरी 2026): 1.76 लाख (सिर्फ एक महीने में भारी उछाल) मौजूदा स्थितिः अपने उच्चतम स्तर से सोना अब तक 18 हजार सस्ता हो चुका है।

चांदी की कीमतों में क्रैशः 3.86 लाख से 2.66 लाख तक

चांदी में सोने के मुकाबले ज्यादा उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। यह अपने ऑलटाइम हाई से काफी नीचे आई है। शुरुआती स्तर (31 दिसंबर 2025): 2.30 लाख ऑलटाइम हाई (29 जनवरी 2026): 3.86 लाख (ऐतिहासिक बढ़त) गिरावट का आंकड़ाः पिछले 117 दिन में चांदी 1.20 लाख सस्ती हो गई है।

सीएनजी 2 तक महंगी, दिल्ली में कीमत 83.09 किलोःइस महीने चौथी बार दाम बढ़े, अब तक 6 इजाफा

नई दिल्ली, 26 मई (एजेंसियां)। ईरान जंग के बीच कंप्रेस्ड नेचुरल गैस यानी सीएनजी के दाम पिछले दो हफ्तों के भीतर चौथी बार बढ़ गए हैं। इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड ने आज मंगलवार 26 मई को सीएनजी 2 प्रति किलोग्राम महंगी कर दी है। दिल्ली-एनसीआर सहित कई शहरों में ये दाम बढ़ाए गए हैं।

दिल्ली और एनसीआर के शहरों में अब यह होंगे नए रेट्स

दिल्ली में सीएनजी 81.09 प्रति किलो से बढ़कर अब 83.09 प्रति किलो हो गई है।

नोएडा, गाजियाबाद और ग्रेटर नोएडा में सीएनजी के लिए 91.70 देने होंगे।

गुरुग्राम में सीएनजी की कीमत बढ़कर 88.12 प्रति किलोग्राम कर दी गई है।

पेट्रोल-डीजल के दाम महीने में चौथी बार बढ़े

तेल कंपनियों ने 25 मई को पेट्रोल 2.61 और डीजल 2.71 प्रति लीटर महंगा कर दिया। इस बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में अब पेट्रोल की कीमत 102.12 और डीजल की कीमत 95.20 हो गई है।

पेट्रोल-डीजल और सीएनजी की कीमतों में क्यों हुई बढ़ोतरी

पेट्रोल-डीजल और सीएनजी के दामों बढ़ोतरी की मुख्य वजह अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव है। ईरान और अमेरिका की जंग शुरू होने से पहले क्रूड ऑयल के दाम 70 डॉलर थे, जो अब बढ़कर 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गए हैं।

क्रूड ऑयल की कीमतें बढ़ने से तेल कंपनियां दबाव में थीं। इसलिए कंपनियों ने घाटे की भरपाई के लिए यह कदम उठाया है। अगर कच्चे तेल की कीमतों में लंबे समय तक तेजी बनी रही है तो पेट्रोल-डीजल और सीएनजी की कीमतें और भी बढ़ाई जा सकती हैं।

तेल कंपनियों को हर दिन 600 करोड़ का घाटा

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने 25 मई को बताया कि सरकारी तेल कंपनियों को करीब 600 करोड़ रुपए प्रति दिन का घाटा हो रहा है। 15 मई से

शुरू हुए कीमतों में बदलाव से पहले पेट्रोल, डीजल और घरेलू रसोई गैस बेचने पर कंपनियों को रोजाना लगभग 1,000 करोड़ रुपए का घाटा हो रहा था।

अन्य चीजों के दाम भी बढ़ सकते हैं...

मालभाड़ा बढ़ेगाः ट्रक और टेम्पो का किराया बढ़ जाएगा, जिससे दूसरे राज्यों से आने वाली सब्जियां, फल और राशन महंगे हो जाएंगे।

खेती की लागतः ट्रैक्टर और पंपिंग सेट चलाने के लिए किसानों को ज्यादा खर्च करना होगा, जिससे अनाज की लागत बढ़ेगी।

बस-ऑटो का किरायाः सार्वजनिक परिवहन और स्कूल बसों के किराए में भी इजाफा देखने को मिल सकता है।

50% तक बढ़ी सीएनजी गाड़ियों की बिक्री

पिछले तीन साल में भोपाल में सीएनजी गाड़ियों की बिक्री 50% तक बढ़ी है। शोरूम से हर रोज सीएनजी बेस्ड 10 से 15 गाड़ियां बिक रही है। इसकी मुख्य वजह पेट्रोल-डीजल के मुकाबले सीएनजी से एवरेज ज्यादा मिलना है। वहीं, सीएनजी के रेट भी कम है।

नॉलेज पार्टःसीएनजी का पूरा नाम कंप्रेस्ड नेचुरल गैस है। यह मुख्य रूप से मीथेन गैस से बनती है और पेट्रोल-डीजल के मुकाबले बहुत कम प्रदूषण फैलाती है। यह गैस जमीन के नीचे बने तेल और गैस के कुओं से प्राकृतिक रूप से निकलती है। इसके बाद फैक्ट्रियों में इसे रिफाइन करके इसकी नमी और अशुद्धियां साफ की जाती हैं। फिर इस प्राकृतिक गैस पर बहुत ज्यादा प्रेशर डाला जाता है, जिससे यह भारी गैस कम जगह में सिमट जाती है। इसी दबी हुई गैस को सिलेंडरों में भरकर गाड़ियों में ईंधन के रूप में इस्तेमाल किया जाता है।

'रुपये को कमजोर होने देना आरबीआई का सही फैसला'

अर्थशास्त्री अहलूवालिया ने क्यों किया केंद्रीय बैंक का समर्थन?

नई दिल्ली, 26 मई (एजेंसियां)। पिछले काफी समय से अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये में गिरावट बनी हुई है। मंगलवार को भी इसमें गिरावट आई। इस बीच अर्थशास्त्री और योजना आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष मोंटेक सिंह अहलूवालिया ने रुपये की गिरावट को लेकर भारतीय रिजर्व बैंक का समर्थन किया है।

उन्होंने कहा कि वैश्विक दबावों के बीच आरबीआई द्वारा रुपये को कमजोर होने देना बिल्कुल सही कदम था। अहलूवालिया के मुताबिक, हर कीमत पर करेंसी का बचाव करने के बजाय विनिमय दर में बाजार की वास्तविकताओं की झलक दिखनी चाहिए। यह बयान ऐसे समय में आया है जब कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों, विदेशी निवेशकों की बिकवाली और ईरान संघर्ष से जुड़ी अनिश्चितता के कारण हाल ही में रुपया डॉलर के मुकाबले 97 रुपये के स्तर के करीब पहुंच गया था।

हालांकि, पिछले कुछ सत्रों में कच्चे तेल की कीमतों में आई नरमी के बाद रुपये में मामूली सुधार देखा गया है। लेकिन आज मंगलवार को शुरुआती कारोबार में इसमें फिर गिरावट आई। इंडिया टुडे के मुताबिक एक इंटरव्यू में मोंटेक सिंह अहलूवालिया ने कहा, 'भारत पर बढ़ते बाहरी दबावों और विदेशी पूंजी के प्रवाह में आई कमी को देखते हुए रुपये का कमजोर होना काफी हद तक अपरिहार्य था। प्रतिकूल बाजार स्थितियों में एक्सचेंज रेट का थोड़ा गिरना स्वाभाविक है।'

कमजोर रुपये को लेकर यह दिया तर्क

अहलूवालिया ने तर्क दिया कि रुपये का कमजोर होना अर्थव्यवस्था के लिए पूरी तरह नकारात्मक नहीं है। मध्यम अवधि में कमजोर रुपया भारतीय निर्यात को वैश्विक स्तर पर अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने में मदद करता है। उनका यह बयान उन अर्थशास्त्रियों के बीच चल रही बहस के बीच आया है जो मानते हैं कि आरबीआई को ब्याज दरों में बढ़ोतरी या भारी डॉलर बेचकर रुपये को आक्रामक तरीके से बचाना चाहिए।

विदेश में चला भारतीय आम का जादू

खरीदने के लिए सुपरमार्केट में भारी भीड़, यूएई निकला सबसे बड़ा दीवाना

नई दिल्ली, 26 मई (एजेंसियां)। भारतीय आम एक बार फिर वैश्विक बाजारों में धूम मचा रहे हैं। बढ़ते एक्सपोर्ट, प्रीमियम कीमतों और विदेशों में बसे भारतीयों के साथ-साथ विदेशी उपभोक्ताओं के बीच बढ़ती लोकप्रियता ने भारतीय आम के एक्सपोर्ट को नई बुलंदियों पर पहुंचा दिया है। खाड़ी देशों से लेकर यूरोप, सिंगापुर और अमेरिका तक भारतीय आमों को 'प्रीमियम सीजनल फ्रूट' के रूप में हाथों-हाथ लिया जा रहा है।

भारत दुनिया का सबसे बड़ा आम उत्पादक देश है, जो वैश्विक उत्पादन में लगभग आधी हिस्सेदारी रखता है। बिजनेस टुडे के मुताबिक देश की बड़ी आबादी खुद इस फसल का एक बड़ा हिस्सा खा जाती है। इसके बाद भी हाल के वर्षों में बेहतर लॉजिस्टिक्स, इरेडिएशन सुविधाओं और कोल्ड-चेन नेटवर्क के सुधरने से निर्यात में जबरदस्त तेजी आई है। एग्रीकल्चरल एंड प्रोसेस्ड फूड प्रोडक्ट्स एक्सपोर्ट डेवलपमेंट अथॉरिटी के डेटा के अनुसार, भारत ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में लगभग 29,938 मीट्रिक टन ताजे आमों का एक्सपोर्ट किया, जिससे 470 करोड़ रुपये से अधिक का एक्सपोर्ट रेवेन्यू हासिल हुआ।पिछले एक दशक में भारत का आम निर्यात इकोसिस्टम काफी आधुनिक हुआ है। भारतीय निर्यातक अब बेहतर पैकेजिंग, पकाने के बुनियादी ढांचे और पश्चिमी देशों द्वारा मांगे जाने वाले सख्त फाइटोसैनिटरी मानकों का पूरी तरह पालन कर रहे हैं। विदेशों में मौजूद भारतीय दूतावासों और एपीईडीए ने फूड फेस्टिवल्स और बड़े रिटेल स्टोर्स के साथ टाइ-अप करके विदेशी सुपरमार्केटों में भारतीय आमों की ब्रांडिंग मजबूत की है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000 सूर्योदय 05-45
भोग्य कलि वर्ष. - 426873 सूर्यास्त 18 -39
कलियुग वर्ष. - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
दिशाशूल - उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
मास - अधिक ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष बुधवार 27 May 2026
तिथि - एकादशी 06-22 तक उपरान्त द्वादशी
नक्षत्र - हस्त. 05-56 तक उप चित्रा
योग. - व्यतिपात 03-25 तक रात्रि उप वरियान
करण - विष्टि 06-22 तक उप बव

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष	में	वृष-	05-01 बजे
चंद्र	कन्या	में	मिथुन-	07-01 बजे
मंगल	मेष	में	कर्क-	09-14 बजे
बुध	वृष	में	सिंह-	11-26 बजे
गुरु	मिथुन	में	कन्या-	13-32 बजे
शुक्र	मिथुन	में	तुला-	15-37 बजे
शनि	मीन	में	वृश्चिक-	17-48 बजे
राहु	कुंभ	में	धनु-	20-02 बजे
केतु	सिंह	में	मकर-	22-07 बजे
			कुंभ-	23-57 बजे
			मीन-	01-36 बजे
			मेष-	03-12 बजे

विशेष: पुरुषोत्तम एकादशी व्रत सर्वे, सर्वार्थसिद्ध योग 05-50 से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखाये व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 12-13 से 13-51 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05-45 - 07-20	शुभ	उत्पात	18-39 - 20-06	अशुभ
अमृत	07-20 - 08-58	शुभ	शुभ	20-06 - 21-29	शुभ
काल	08-58 - 10-36	अशुभ	अमृत	21-29 - 22-51	शुभ
शुभ	10-36 - 12-13	शुभ	चंचल	22-51 - 00-13	शुभ
रोग	12-13 - 13-51	अशुभ	रोग	00-13 - 01-36	अशुभ
उत्पात	13-51 - 15-29	अशुभ	काल	01-36 - 02-58	अशुभ
चंचल	15-29 - 17-06	शुभ	लाभ	02-58 - 04-20	शुभ
लाभ	17-06 - 18-39	शुभ	उत्पात	04-20 - 05-45	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आपने किसी परियोजना में अपना काफी समय और प्रयास लगाये हैं और आपको अब इसका फल मिलना शुरू हो जाएगा । दूरदृष्टि के साथ साथ आपके दृढ संकल्प और प्रयास भी रंग लाये हैं । आप कुछ नए बदलाव करना चाह रहे हैं ,लेकिन वित्तीय बाधाएं हैं । आज आप सीमित साधनों से ही इन कामों को पूरा करने के सृजनात्मक तरीके खोज लेंगे।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
अनुभव सबसे बड़ा अध्यापक है और अभी आपको इसी से सीखना है । भूतकाल से ली हुई सीख की उपेक्षा ना करें ताकि भविष्य की परेशानियों से बच सकें । जरुरतमंदों ,चाहे बच्चे हों या बूढ़े,उनकी मदद करें । ऐसे करने से ही आप सही रास्ते पर चल पायेंगे चाहे आपको अभी इस पर चलने में कोई भी परेशानी आ रही हो ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,)
आज का दिन घटनाओं से भरा रहेगा और आपको किसी अप्रत्याशित घटना के लिए तैयार रहना है । आपको कई दिशायों में सक्रिय रहना पड़ेगा लेकिन सकारात्मक बने रहेंगे । आप नयी उर्जा एवं वास्तविकता से परिपूर्ण सार्थक योजनायें पेश करेंगे । अपनों को भी इनमे शामिल करें । आज किसी ख़ास व्यक्ति से मुलाक़ात होगी ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
अपनी आँखें खुली रखें ,आज आपकी मुलाकात अपने सपनों के साथी से हो सकती है । प्रेम पाने की सम्भावना आज प्रबल है । हालाँकि अलग से अंदाज के कारण उसे पहचानना मुश्किल हो सकता है । आज आपको किसी अप्रत्याशित व्यक्ति से उपहार भी मिल सकता है । कुल मिलकर आज का दिन आपके लिए घटनाओं से भरा रहेगा ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
यह सोचने और जानने के लिए कि आप अपने जीवन से क्या चाहते हैं,कुछ देर एकांत में बैठें । पिछले कई दिन काफी व्यस्त रहे हैं । इसीलिए आपको अपने उद्देश्यों का फिर से मूल्यांकन करना है और यह भी देखना है की आपके काम किस प्रकार आपके जीवन और संबंधों को प्रभावित कर रहे हैं । यात्रा संभावित है ,हालाँकि हमारा सुझाव यह है कि किसी रोमांचक ताबड़तोड़ यात्रा के स्थान पर शांतिपूर्वक अपनी छुट्टियाँ बिताएं ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आपके दिमाग में आज कोई अद्भुत विचार आएगा और आपको इसे हाथोहाथ केवल इसीलिए रद्द नही क्र देना चाहिए क्योंकि आपको इसका हो पाना मुश्किल लग रहा है । आज बड़ा सोचने और ऊँचाइयों को छूने का दिन है । ऐसा करने के लिए आपको बाधाओं की सूची बनाकर अच्छी योजना बनानी अहि और आप पायेंगे कि परेशानियों से खुद-ब-खुद समाधान नजर आने लगेंगे ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आज का दिन आपके लिए विशेष रूप से अच्छा है । आप अपना कुछ नया शुरू कर सकते हैं ,काफी समय लेने वाला अपना कोई अधूरा काम पूरा कर सकते हैं ,या कोई ऐसा काम जिसे आप लम्बे समय से टाल रहे हैं,को भी शुरू कर सकते हैं । आज शाम खेल और मौज मस्ती के नाम रहेगी । अपने नए-पुराने दोस्तों के साथ समय बितायें और मजे करें । खरीदारी में विशेष आनंद आएगा ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आज का दिन अलग अलग तरह के विचारों और दुनियाभर के नए पैदा हो रहे अवसरों के चलते थोडा सा उलझाने वाला रहेगा । विभिन्न शक्तियां आपको अपनी तरफ खीचेंगी । अधिक सोचने और हर किसी को खुश करने की कोशिश न करें ।इसके स्थान पर,अपने मन की ही सुनें.आपके लिए सर्वोत्तम होगा । भले ही आपको इस समय यह सही ना लग रहा हो।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आप एक आशावादी व्यक्ति हैं और आज यह बात सबको जान्ने देने और इससे लाभ उठाने का दिन है । इससे आपकी छवि एक प्रेरणात्मक वक्ता की बनेगी,जिसकी कोशिश आप लम्बे समय से करते आ रहे हो । समाज में आपके सम्बन्ध जिन लोगों के साथ बहुत अच्छे नही हैं ,उनके साथ भी आपके संबंधों में अब सुधार आना शुरू हो जाएगा ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आप प्रेरणा से भरे हैं और काफी अच्छी स्थिति में भी हैं ।आपका दिमाग सक्रिय है और इसमें नए नए विहार और नीतियां आती रहती हैं । आज का दिन आपके लिए सफलता से भरा रहेगा । हालाँकि अगर आपने अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नही दिया तो यह सब उल्टा -पुल्टा भी हो सकता है ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आप पिछले कुछ दिनों से काफी व्यस्त दिनचर्या बिता रहे हैं । अब सारी चीजों को व्यवस्थित करने का समय है । आज आपको तुलनात्मक रूप से थोड़ी राहत मिलेगी,लेकिन आपको इस समय का उपयोग अपनी सब चीजों को व्यवस्थित करने में लगाना चाहिए । नही तो सब कुछ और अधिक उलझता जाएगा और आप स्थिति के नियंत्रण से बाहर होने के कारण और भी अधिक परेशान रहेंगे ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आज आप विशेषकर हलके फुल्के मूड में रहेंगे । सब समस्याओं का सामना चेहरे पर मुस्कराहट के साथ करेंगे । आज किसी विवाद में मैत्रीपूर्ण मध्यस्थ की भूमिका भी अदा कर सकते हैं।आपकी मौजूदगी से ख़ुशी और रोनक रहेगी और शाम को पार्टी की जान बने रहेंगे ।

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द अत्तापुर

‘पाक की ‘नापाक’ हरकतों का मुंहतोड़ जवाब दो’

भारत-पाक बॉर्डर पर अमित शाह की ‘दहाड़’

बीकानेर, 26 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मंगलवार को बीकानेर की उस ऐतिहासिक मिट्टी पर पहुंचे, जिसने 1965 और 1971 के युद्धों में पाकिस्तानी सेना को धूल चटा दी थी। सांचू बॉर्डर आउटपोस्ट पर बने वॉच टावर पर चढ़कर गृह मंत्री ने दूरबीन की मदद से सीमा पार के सुरक्षा हालातों का खुद जायजा लिया। इस दौरान उनके साथ राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और बीकानेर के सांसद व केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल भी मौजूद रहे। अमित शाह का यह दौरा न केवल रणनीतिक रूप से बल्कि सामाजिक रूप से भी बेहद अहम माना जा रहा है क्योंकि इस बार गृह मंत्री के काफिले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सादगी और न्यूनतम प्रोटोकॉल के संदेश की साफ झलक देखने को मिली। नाल एयरफोर्स स्टेशन से लेकर बीएसएफ मुख्यालय तक कोई बड़ा वीवीआईपी तामझाम नजर नहीं आया। सांचू पोस्ट पर पहुंचे गृह मंत्री ने देश की रक्षा में दिन-रात मुस्तैद जवानों का हाथ मिलाकर और उनके कंधे थपथपाकर हौसला बढ़ाया।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सांचू पोस्ट पर बीएसएफ मुख्यालय में अधिकारियों और जवानों को संबोधित करते हुए देश की सुरक्षा को लेकर एक नया और आधुनिक सुरक्षा मॉडल दुनिया के सामने रखा। शाह ने देश की सीमाओं को 'स्मार्ट बॉर्डर' में तब्दील करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए एक मजबूत चतुष्कोणीय ग्रिड बनाने का आह्वान किया। गृह मंत्री द्वारा समझाए गए इस चतुष्कोणीय ग्रिड के 4 मुख्य स्तंभ इस प्रकार हैं:

सीमा सुरक्षा बल : सरहद की पहली रक्षा पंक्ति जो आधुनिक ड्रोन और राडार तकनीक से लैस होगी।

भारतीय सेना : किसी भी आपातकालीन युद्ध जैसी स्थिति में तुरंत मोर्चा संभालने वाली बैकअप शक्ति।

जागरूक नागरिक : सीमावर्ती गांवों में रहने वाले देशप्रेमी लोग, जो संदिग्ध गतिविधियों की पहली सूचना देंगे।

स्थानीय प्रशासन : जिला कलेक्टर और साइबर विंग जो घुसपैठ और तस्करी के नेटवर्क को जमीनी स्तर पर ध्वस्त करेंगे।

अमित शाह ने बेहद कड़े शब्दों में कहा, जब यह चारों स्तंभ मिलकर एक चक्रव्यूह की तरह काम करेंगे, तो सीमा पार से आने वाले किसी भी खतरे, हथियारों की तस्करी या जासूसी ड्रोन को तुरंत हवा में ही मार गिराया जाएगा। हमें सीमा पार के खतरों पर न केवल पैनी नजर रखनी है, बल्कि देश की संप्रभुता को चुनौती देने वालों को पूरी निर्दयता के साथ मुंहतोड़ जवाब देना है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, जब से बीएसएफ की स्थापना हुई तब से इन सीमा प्रहरियों ने ना धूप देखी ना ठंड देखी, बर्फ से ढके पहाड़ों से लेकर, 45 डिग्री सेल्सियस तापमान से लेकर -45 डिग्री सेल्सियस तापमान तक हमारे सीमा प्रहरियों ने भारत की सीमाओं की सुरक्षा का जो उनको दायित्व सौंपा गया है, उसको बहुत अच्छे तरीके से वीरता, साहस और सर्वोच्च बलिदान की भावना के साथ निभाया है।

भाषण के दौरान गृह मंत्री अमित शाह भावुक भी हुए और उन्होंने सांचू पोस्ट के उस गौरवशाली इतिहास को याद किया, जिसने भारतीय सेना के अदम्य साहस की गाथा लिखी है। सांचू बॉर्डर का इतिहास 1965 और 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्धों का मूक गवाह रहा है। 1965 की जंग के दौरान जब पाकिस्तानी सेना ने धोखे से इस पोस्ट पर कब्जे का प्रयास किया था, तब भारतीय जांबाजों ने अपनी जान की बाजी लगाकर दुश्मनों को खदेड़ा था।

अमित शाह ने 'ऑपरेशन सिन्दूर' के दौरान बीएसएफ के वीर प्रहरियों द्वारा दिखाए गए अदम्य साहस की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि आज सांचू पोस्ट पर बना मिलिट्री म्यूजियम हमारी आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा देता है। शाह ने बेहद भावुक मन से कहा, देश की सरहदों की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्यौछावर करने वाले 200 शहीद सीमा प्रहरियों का सर्वोच्च बलिदान आज 140 करोड़ भारतीयों पर एक ऐसा ऋण है, जिसे हम कभी नहीं चुका सकते। उनकी शहादत की बदौलत ही आज पूरा देश चैन की नींद सोता है।

उन्होंने भरोसा दिलाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले सालों में देश की सुरक्षा नीतियों में आमूलचूल परिवर्तन हुआ है और अब सेना व बीएसएफ का पूरी तरह आधुनिकीकरण किया जा रहा है।

प्रसूताओं की मौत के बाद बड़ा खुलासा

जांच में फेल निकला इंजेक्शन, प्रदेश भर में अलर्ट

जयपुर, 26 मई (एजेंसियां)। कोटा अस्पताल में प्रसूताओं की मौत के बाद दवाओं की जांच में बड़ा खुलासा हुआ है। जांच के लिए भेजे गए ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन के सैंपल अमानक पाए गए हैं। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण आयुक्तालय ने अलर्ट जारी करते हुए प्रदेशभर में संबंधित बैच की बिक्री और उपयोग पर तत्काल रोक लगाने के निर्देश दिए हैं।

ड्रग कंट्रोलर अजय फाटक ने बताया कि लैब जांच में सामने आया कि बाजार में सप्लाई किए जा रहे ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन में ऑक्सीटोसिन तत्व ही मौजूद नहीं था। यह इंजेक्शन अमृतसर स्थित मे. जैक्सन लैबोरेट्रीज द्वारा निर्मित बताया गया है। विभाग ने संबंधित बैच को नॉट ऑफ स्टैंडर्ड क्वालिटी घोषित किया है।

हालांकि विभाग ने स्पष्ट किया है कि कोटा में जिन प्रसूताओं की मौत हुई, उन्हें यही इंजेक्शन लगाया गया था या नहीं, इसकी

पुष्टि अभी नहीं हुई है। अधिकारियों के अनुसार मृत प्रसूताओं की सिजेरियन डिलीवरी हुई थी और मामले की जांच अभी जारी है।

कोटा के न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल में पोस्ट-ऑपरेटिव गायनी वार्ड में हुई मौतों के बाद ड्रग विभाग ने एहतियातन अस्पताल और ड्रग स्टोर से 30 से अधिक दवाओं के सैंपल जांच के लिए लिए थे। इनमें से अब तक 21 दवाओं की रिपोर्ट सुरक्षित आई है, जबकि बाकी दवाओं की जांच रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।

ड्रग कंट्रोल विभाग ने राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड को संदिग्ध दवा स्टॉक के उपयोग और वितरण पर रोक लगाने के निर्देश पहले ही जारी कर दिए थे। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि बाकी दवाओं की जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण आयुक्तालय ने राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड को निर्देश जारी कर संदिग्ध दवा स्टॉक के उपयोग और वितरण पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी थी कोटा और बूंदी के ड्रग कंट्रोल अधिकारियों ने न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल के पोस्ट-ऑपरेटिव गायनी वार्ड और ड्रग स्टोर से विभिन्न दवाओं के नमूने लिए थे और तक़रीबन 30 से अधिक दवाओं के सैम्पल लिए गए थे, जिसमें 21 दवाएं सेफ पाई गई हैं और अन्य दवाओं के जांच परिणाम भी विभाग को जल्दी ही प्राप्त हो जाएंगे।

शिक्षा, महंगाई और विदेश नीति तक सरकार पर बरसे सचिन पायलट

पेपर लीक मामले में एनटीए पर उठाए सवाल

टोंक, 26 मई (एजेंसियां)। पूर्व उपमुख्यमंत्री और टोंक विधायक सचिन पायलट ने अपने दौरे के दौरान बहुचर्चित धर्मांतरण और आत्महत्या मामले के मृतक कुणाल गुर्जर के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। साथ ही विभिन्न कार्यक्रमों में भी शिरकत की।

मीडिया से बातचीत करते हुए पायलट ने कहा कि चुनाव परिणाम आने के बाद रोज पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ रहे हैं। अगर बढ़ोतरी करनी ही थी तो चुनाव से पहले जनता को बता देते लेकिन चुनाव के समय सिर्फ भाषण दिए गए। अब कहा जा रहा है कि बचत करनी है, खाने के तेल का कम उपयोग करना है और सोना नहीं खरीदना है। पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ने से चौतरफा महंगाई बढ़ती है। खाने-पीने की चीजों से लेकर हर वस्तु महंगी हो जाती है। उन्होंने कहा कि सरकार का महंगाई पर कोई ध्यान नहीं है। सरकार का एकमात्र एजेंडा सिर्फ चुनाव जीतना, विपक्ष को प्रताड़ित करना और विपक्ष के लोगों को बदनाम करना रह गया है।

नीट पेपर लीक मामले पर उन्होंने कहा कि लगातार तीसरी बार नीट पेपर लीक हुआ है 2024, 2025 और 2026 में। सरकार हर बार जांच सीबीआई को सौंपकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेती है। जब मामला उजागर हो जाता है,

तभी परीक्षा रद्द की जाती है। ऐसे कितने पेपर होंगे जिनमें नकल हुई होगी या पेपर लीक हुआ होगा, लेकिन उन्हें रद्द नहीं किया गया।

उन्होंने कहा कि यदि वास्तव में सरकार को युवाओं और विद्यार्थियों की चिंता होती तो जिम्मेदारी तय की जाती, लोगों को बर्खास्त किया जाता और इस्तीफे लिए जाते लेकिन सरकार ऐसा करने को तैयार नहीं है। 22 लाख विद्यार्थियों ने परीक्षा दी थी और कई छात्र आत्महत्या तक कर चुके हैं।

सचिन पायलट ने कहा कि कल वे झुंझुनू गए थे, जहां एक गरीब दलित परिवार के बच्चे ने आत्महत्या कर ली। ऐसे कई मामले सामने आ रहे हैं लेकिन सरकार पर इसका कोई असर नहीं पड़ता। सरकार को सिर्फ सत्ता से प्रेम है और वह किसी भी तरह सत्ता में बने रहना चाहती है। महंगाई और बेरोजगारी की सरकार को कोई चिंता नहीं है। उन्होंने कहा कि इन मामलों में पूरी कांग्रेस पार्टी और विपक्ष एकजुट होकर आंदोलन करेगा ताकि सरकार की आंखें खुलें और बचे हुए कार्यकाल में जनता के हित में काम किया जाए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राओं पर तंज कसते हुए पायलट ने कहा कि प्रधानमंत्री लगातार विदेश यात्राएं कर रहे हैं और देश की जनता को बचत के प्रवचन दे रहे हैं। गरीब जनता की जेब पर महंगाई का डाका डाला जा रहा है लेकिन सरकार के मंत्री अपने पद बचाने में लगे हैं। चाहे शिक्षा मंत्री हों या पेट्रोलियम मंत्री, कोई इस्तीफा देने को तैयार नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की जिम्मेदारी बनती है कि जो विभाग लगातार फेल हो रहे हैं, उन्हें जवाबदेह बनाया जाए लेकिन ऐसा नहीं किया जा रहा।

नीट पेपर लीक पर आगे बोलते हुए उन्होंने कहा कि 22 लाख बच्चे मध्यम वर्ग, गरीब और ग्रामीण परिवारों से आते हैं। उन्होंने 2-3 साल मेहनत की है। पेपर लीक छात्र नहीं करते, बल्कि शिक्षा माफिया करोड़ों रुपए खर्च कर पेपर खरीदते हैं और उसे आगे फैलाते हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि राजस्थान सरकार और केंद्र सरकार ऐसे शिक्षा माफियाओं के खिलाफ क्या कार्रवाई कर रही हैं? कितने लोगों को पकड़ा गया है? कितनी संस्थाओं पर कार्रवाई हुई है? उन्होंने कहा कि पेपर लीक का खुलासा सरकार या पुलिस ने नहीं किया। बच्चों ने बताया कि गेस पेपर और मुख्य पेपर एक जैसे हैं। दिल्ली में शिकायत होने के बाद मामला सामने आया और मजबूरी में परीक्षा रद्द करनी पड़ी। सचिन पायलट ने कहा कि एनटीए अब नेशनल ट्रॉमा एजेंसी बन चुकी है और पेपर लीक मामले में अब तक किसी की जवाबदेही तय नहीं हुई है। शिक्षा, बेरोजगारी, महंगाई, विदेश नीति और ऊर्जा नीति हर मोर्चे पर सरकार विफल साबित हुई है।

अमेरिका के विदेश मंत्री के जयपुर दौरे पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि हर सरकार ने संतुलित विदेश नीति बनाई थी ताकि सभी देशों से अच्छे संबंध बने रहें लेकिन देश के मान-सम्मान और स्वाभिमान की रक्षा करना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि भारत की ऊर्जा नीति, विदेश नीति, वित्तीय नीति और आंतरिक सुरक्षा सर्वोपरि होनी चाहिए। यदि कोई देश हमें यह बताए कि हम रूस से तेल नहीं खरीद सकते या हमें किसी विशेष देश से निश्चित मात्रा में सामान खरीदना होगा तो यह विदेश नीति की सफलता नहीं कही जा सकती।

सरकार ने बदले 9 साल पुराने नियम : होटल-रेस्टोरेंट में

स्टार रेटिंग खत्म, जिम-ब्यूटी पार्लर चलाना होगा महंगा

उदयपुर, 26 मई (एजेंसियां)। स्वायत्त शासन विभाग ने शहरी निकायों के अधिकार क्षेत्र के होटल-रेस्टोरेंट के लिए वार्षिक लाइसेंस फीस की दरों में बड़ा बदलाव किया। नए आदेश के तहत होटल, रेस्टोरेंट, कैफे, मिठाई की दुकान, जिम, ब्यूटी पार्लर और मोबाइल फूड वैन सहित 18 श्रेणियों की नई वार्षिक फीस में 2 से 5 गुना तक वृद्धि कर दी। इसमें एक बड़ा नीतिगत बदलाव किया है। 9 साल पुराने नियम में बड़ा बदलाव किया है। सरकार ने वर्ष 2017 से चले आ रहे होटल स्टार रेटिंग (फाइव स्टार, फोर स्टार, थ्री स्टार) के आधार पर लाइसेंस फीस वसूलने के सिस्टम को पूरी तरह खत्म कर

दिया।

अब शहरों में होटल चलाने के लिए स्टार श्रेणी नहीं, बल्कि कमरों की संख्या और वहां मौजूद लग्जरी सुविधाओं (स्विमिंग पूल, जिम, स्पा) को आधार बनाया है। नगर निगम क्षेत्र में किसी होटल में 50- 100 कमरे हैं तो उसे 50 हजार रुपए वार्षिक देने होंगे। अगर लग्जरी सुविधाओं के साथ लाइसेंस लेना है तो 75 हजार रुपए वार्षिक देने होंगे।

होटल संचालकों का कहना है कि पर्यटन उद्योग पहले से ही बिजली की बढ़ती दरों, विभिन्न टैक्स और संचालन लागत से दबा हुआ है। ऐसे में लाइसेंस फीस को अचानक 3 से 5 गुना तक बढ़ा देना कहीं से भी व्यावहारिक नहीं है। एक तरफ सरकार पर्यटन को बढ़ावा देने का दावा करती है, वहीं दूसरी तरफ धरातल पर व्यापारियों की कमर तोड़ी जा रही है। इससे नए निवेश और रोजगार पर बुरा असर पड़ेगा।

नियम तोड़ने पर सीलिंग और भारी जुर्माने का भी शिकंजा

नए आदेशों में केवल फीस ही नहीं बढ़ी है, बल्कि नियम कायदों को भी बेहद सख्त कर दिया है। उल्लंघन करने पर 5,000 जुर्माना देना होगा। बिना वैध लाइसेंस या नवीनीकरण के चलने वाले प्रतिष्ठानों को सीधे सील करने की कार्रवाई होगी।

स्वास्थ्य अधिकारी और ईओ संभालेंगे कमान

जिन नगरीय निकायों में स्वास्थ्य अधिकारी (एमबीबीएस) कार्यरत हैं, वहां वरिष्ठतम स्वास्थ्य अधिकारी ही लाइसेंस जारी और नवीनीकृत करने के लिए अधिकृत होंगे। वहीं, जिन निकायों में स्वास्थ्य अधिकारी नहीं हैं, वहां आयुक्त, जोन उपायुक्त या अधिशाषी अधिकारी इस जिम्मेदारी को संभालेंगे।

50 लाख में पेपर खरीदा, अफसर ने बेटे-बेटी को पढ़ाया

एसआई भर्ती रिटन में पास हुए, फिजिकल में फेल; बाबूलाल कटारा से ही लिया था

जयपुर, 26 मई (एजेंसियां)। सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा-2021 पेपर लीक मामले में राजस्थान राज्य बेवरेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड के डिपो मैनेजर को अरेस्ट किया है। स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप ने मंगलवार दोपहर लोकेंद्र पंडया (58) निवासी वरदा (डूंगरपुर) को उसके घर से गिरफ्तार किया। लोकेंद्र के भाई कुंदन कुमार पंडया निवासी सागवाड़ा (डूंगरपुर) ने आरपीएससी के पूर्व मेंबर बाबूलाल कटारा से अपनी बेटी सहित बाकी लोगों के लिए 50 लाख रुपए में पेपर खरीदा था। कुंदन, उसकी बेटी रिद्धि, लोकेंद्र की बेटी नेहा और बेटे नैतिक को साल 2025 में गिरफ्तार किया गया था। एसओजी ने लोकेंद्र को कोर्ट में पेश कर दो दिन के रिमांड पर लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है।

एडीजी (एसओजी) विशाल बंसल ने बताया- SI भर्ती-2021 की लिखित परीक्षा के सभी पेपर बाबूलाल कटारा से कुंदन कुमार पंडया ने प्राप्त किए थे। कुंदन के भाई लोकेंद्र ने परीक्षा से पहले ये पेपर बेटे नैतिक, बेटी नेहा और भतीजी रिद्धि को पढ़ाया था।

तैयारी करवाने के बाद अपनी गाड़ी से जयपुर लाकर उन्हें लिखित परीक्षा दिलवाई थी। नैतिक को हिन्दी सब्जेक्ट में 200 में 143.33 और सामान्य ज्ञान में 200 में से 147.20 नंबर मिले थे। नेहा को हिन्दी में 158.89 और सामान्य ज्ञान में 153.46 नंबर मिले थे। नैतिक, नेहा और रिद्धि ने लिखित परीक्षा पास कर ली थी। हालांकि तीनों फिजिकल में फेल हो गए थे। तीनों को 10 जुलाई 2025 को अरेस्ट किया गया था। लोकेंद्र के भाई कुंदन कुमार पंडया को जून 2025 में गिरफ्तार किया गया था। कुंदन राजकीय प्राथमिक विद्यालय कन्यालाघाटा पालवाडा में ग्रेड थर्ड टीचर के रूप में पोस्टेड था। कुंदन ने 50 लाख रुपए में बाबूलाल कटारा से पेपर खरीदा था। कटारा की अस्थमा की हर्बल दवाइयां चल रही थीं। कुंदन 10 सितंबर 2021 को हर्बल दवाइयां देने कटारा के घर पहुंचा था। तब कटारा को हर्बल दवाइयों के साथ लिफाफे में बंद कर पैसे दिए थे। कटारा ने 13, 14 और 15 सितंबर 2021 को होने वाली तीनों दिन की परीक्षा के पेपर दे दिए थे। मामले में अब तक 142 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। बता दें कि SI भर्ती परीक्षा-2021 को रद्द कर दिया गया है। अब यह परीक्षा 20 सितंबर को फिर से आयोजित की जाएगी।

भीषण गर्मी और लू से तप रहा राजस्थान

नौतपा के पहले दिन कई शहरों में पारा 45 पार

जयपुर, 26 मई (एजेंसियां)। नौतपा के पहले दिन राजस्थान भीषण गर्मी और लू की चपेट में रहा। जयपुर, कोटा, श्रीगंगानगर, बीकानेर, जैसलमेर समेत कई जिलों में तापमान 44 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार पश्चिमी राजस्थान में अगले दो दिन तापमान 45 से 46 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना रह सकता है। हालांकि उत्तर-पूर्वी जिलों में पश्चिमी विक्षोभ के असर से तापमान में 2 से 4 डिग्री तक गिरावट आने की संभावना है। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से 28 मई से राज्य के कुछ हिस्सों में धूलभरी आंधी, हल्की बारिश और कहीं-कहीं ओलावृष्टि हो सकती है। विभाग ने 16 जिलों के लिए यलो अलर्ट जारी किया है।

कबड्डी का विवाद खूनी खेल में बदला

फायरिंग में 1 खिलाड़ी की मौत, 9 आरोपी अरेस्ट

हनुमानगढ़, 26 मई (एजेंसियां)। हनुमानगढ़ जिले में भादरा थाना क्षेत्र के गांव कलाना में मोबाइल दुकान पर हुई फायरिंग के मामले में पुलिस ने षड्यंत्र और रैकी में शामिल 9 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों को न्यायालय में पेश कर 30 मई तक पुलिस रिमांड पर लिया गया है। वहीं घटना का मुख्य आरोपी विशाल सहित अन्य आरोपियों की तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है। जिला पुलिस अधीक्षक नरेन्द्र सिंह मीणा के

अनुसार कलाना गांव में मोबाइल दुकान पर फायरिंग की सूचना मिलने पर पुलिस अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया गया।

मेडिकल दुकान की एनओसी के नाम पर रिश्वतखोरी

ग्राम विकास अधिकारी 8.50 लाख की रिश्वत लेते गिरफ्तार

झुंझुनू, 26 मई (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने बड़ी कार्रवाई करते हुए झुंझुनू जिले की ग्राम पंचायत बेरला, पंचायत समिति सूरजगढ़ के ग्राम विकास अधिकारी राजकुमार को 8.50 लाख रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। एसीबी की इस कार्रवाई से स्थानीय प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया।

एसीबी महानिदेशक पुलिस गोविन्द गुप्ता ने बताया कि झुंझुनू एसीबी चौकी को एक शिकायत प्राप्त हुई थी। शिकायत में परिवादी ने बताया कि वह गांव बेरला में अपने आवासीय भूखंड पर मेडिकल दुकान संचालित करता है। परिवादी ने उक्त भूखंड को व्यवसायिक श्रेणी में परिवर्तित करवाने और एनओसी जारी कराने के लिए ग्राम पंचायत बेरला में आवेदन किया था।

आरोप है कि ग्राम विकास अधिकारी राजकुमार ने भूखंड को व्यवसायिक में बदलने और एनओसी जारी करने की एवज में 8.50 लाख रुपये रिश्वत की मांग की। एसीबी ने शिकायत मिलने के बाद मामले का गोपनीय सत्यापन कराया। 19 मई 2026 को

पहली बार रिश्वत मांग की पुष्टि हुई, जबकि 21 मई को पुनः सत्यापन में आरोपी ने रिश्वत राशि स्वयं को देने के लिए कहा।

इसके बाद एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर उप महानिरीक्षक पुलिस डॉ. रामेश्वर सिंह के सुपरवीजन में ट्रैप कार्रवाई की योजना बनाई गई।

झुंझुनू एसीबी इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नरेन्द्र कुमार पूनियां के नेतृत्व में टीम ने रविवार को कार्रवाई करते हुए परिवादी को आरोपी के पास भेजा।

आरोपी राजकुमार ने परिवादी को सूरजगढ़ स्थित दीपक मेडिकोज पर बुलाया। वहां जैसे ही आरोपी ने परिवादी से 8.50 लाख रुपये रिश्वत राशि ली, एसीबी टीम ने उसे रंगे हाथों दबोच लिया। एसीबी ने रिश्वत की पूरी राशि आरोपी के कब्जे से बरामद कर ली।

फिलहाल एसीबी की टीम आरोपी से पूछताछ कर रही है और मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की जांच जारी है। कार्रवाई एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव और महानिरीक्षक एस. परिमला के सुपरवीजन में की जा रही है। इस कार्रवाई को राज्य में भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी सफलता माना जा रहा है।

आसाराम आश्रम में महिलाओं से छेड़छाड़?

कोर्ट ने पुलिस की एफआर की खारिज, 4 आरोपी तलब

जोधपुर, 26 मई (एजेंसियां)। जोधपुर की अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (संख्या 8) ज्योत्सना मीना की अदालत ने बड़े मामले की सुनवाई की।मामला आसाराम आश्रम से जुड़ा है। यहां कोर्ट ने पाल रोड स्थित महिला साधकों के साथ हुई कथित छेड़छाड़ और लज्जाभंग के आरोप लगे हैं। इस पर कड़ा फैसला सुनाते हुए न्यायालय ने इस पूरे प्रकरण में पुलिस द्वारा पेश की गई फाइनल रिपोर्ट (FR) को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। पुलिस ने अपनी तफ्तीश में इस मामले को झूठा बताते हुए आरोपियों को क्लीन चिट दे दी थी, जिसे कोर्ट ने स्वीकार करने से साफ इनकार कर दिया। इसके साथ ही अदालत ने आश्रम प्रबंधन से जुड़े चार मुख्य आरोपियों के खिलाफ सम्मन जारी कर उन्हें तलब किया है। यह पूरा मामला 21 जुलाई 2024 का बताया जा रहा है, जब गुरु पूर्णिमा के मौके पर एक महिला अन्य महिला साधकों के साथ आश्रम पहुंची थीं। महिलाएं वहां आश्रम प्रबंधन से आसाराम के स्वास्थ्य, उनके इलाज और चल रहे कानूनी मामलों को लेकर सवाल-जवाब करने गई थीं। जब उन्हें प्रबंधन की तरफ से कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला, तो महिलाएं आश्रम की देखरेख करने वाले पंकज मीरचन्दानी उर्फ अर्जुन से मिलने के लिए ऊपर बने दफ्तर में चली गईं।

महिला साधकों का आरोप है कि दफ्तर में मौजूद पंकज मीरचन्दानी, चेतन, सचित भोला और जीवण ने उनके साथ अभद्रता की। विरोध करने पर महिलाओं के साथ धक्का-मुक्की की गई, उनके कपड़े खींचे गए और उनके निजी अंगों को छूकर अश्लील हरकतें की गईं। इतना ही नहीं, जब महिलाओं ने इस बात का विरोध किया, तो उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने और जान से मारने की धमकियां भी दी गईं।

परिवादी पक्ष के अधिवक्ता जेठाराम सेन के मुताबिक, इस मामले की जांच बोरानाडा थाना पुलिस ने की थी। पुलिस ने 3 फरवरी 2025 को अदालत में फाइनल रिपोर्ट पेश कर मामले को मनगढ़ंत और झूठा करार दे दिया था। पुलिस का दावा था कि आश्रम में केवल हंगामा हुआ था, छेड़छाड़ जैसी कोई वारदात नहीं हुई थी।

नौतपा से तपा तेलंगाना, जनजीवन बेहाल

हैदराबाद, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जेठ की तपती दोपहर और आसमान से बरसती आग ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि गर्मी अब केवल मौसम नहीं, बल्कि एक गंभीर संकट बनती जा रही है। सोमवार से शुरू हुए नौतपा ने पहले ही दिन अपने तीखे तेवर दिखा दिए। हैदराबाद समेत कई इलाकों में सुबह से ही लोग पसीने से तरबतर नजर आए। जैसे-जैसे दिन चढ़ता गया, धूप ने रौद्र रूप धारण कर लिया और सड़कों से लेकर बाजारों तक सन्नाटा पसर गया। लू के थपेड़ों ने आम जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। दोपहर के समय हालात ऐसे रहे कि लोग घरों से बाहर निकलने से बचते रहे। जरूरी काम से निकलने वाले राहगीर और वाहन चालक पूरे चेहरे को कपड़े से ढंककर किसी तरह सफर करते दिखाई दिए। गर्म हवाओं और उमस ने लोगों की परेशानी कई गुना बढ़ा दी। शरीर से लगातार बहता पसीना और झुलसाती धूप ने दिनभर लोगों को बेचैन किए रखा। स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि घरों और दफ्तरों में चल रहे कूलर और पंखे भी गर्म हवा फेंकते नजर आए। एसी तक बेअसर साबित होने लगे। ऊपर से बिजली की ट्रिपिंग ने लोगों की मुश्किलों को और बढ़ा दिया। गर्मी के इस दौर में बार-बार बिजली कटौती यह सवाल खड़ा करती है कि क्या हमारी व्यवस्थाएं बढ़ते तापमान का सामना करने के लिए तैयार हैं? हर वर्ष गर्मी नए रिकॉर्ड बना रही है, लेकिन ऊर्जा और जल प्रबंधन की चुनौतियां अब भी जस की तस बनी हुई हैं।

इस भीषण गर्मी का असर केवल इंसानों तक सीमित नहीं है। पशु-पक्षी भी इस प्रचंड तापमान से व्याकुल दिखाई दे रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में मवेशी पेड़ों की छांव तलाशते नजर आए, जबकि पक्षी पानी की तलाश में भटकते दिखे। लगातार घटते पेड़ और बढ़ते कंक्रीट के जंगल इस संकट को और गंभीर बना रहे हैं। पर्यावरणविदों ने बताया कि प्रकृति के साथ लगातार हो रही छेड़छाड़ अब सीधे मानव जीवन पर भारी पड़ रही है।

गर्मी बढ़ने के साथ बाजारों का स्वरूप भी बदल गया है। शिकंजी, लस्सी, फलों के जूस और तरबूज जैसी ठंडी चीजों की मांग तेजी से बढ़ी है। मिट्टी के घड़ों और सुराहियों की बिक्री में भी इजाफा हुआ है। वहीं, कूलर, पंखे और एसी की खरीदारी से दुकानों को रौनक अचानक बढ़ गई है। यह तस्वीर बताती है कि लोग गर्मी से राहत पाने के लिए हर संभव उपाय कर रहे हैं।

हालांकि मौसम विभाग ने 29 मई के बाद आंधी और बारिश की संभावना जताई है, जिससे तापमान में गिरावट आ सकती है। यह राहत भरी खबर जरूर है, लेकिन स्थायी समाधान नहीं। बढ़ती गर्मी और लू के खतरे से निपटने के लिए जल संरक्षण, वृक्षारोपण और मजबूत बिजली व्यवस्था की दिशा में गंभीर प्रयास करने होंगे। नौतपा की यह तपिश केवल मौसम की मार नहीं, बल्कि प्रकृति की स्पष्ट चेतावनी है, जिसे अब नजरअंदाज किया गया तो उसके परिणाम भी भुगतने पड सकते हैं।

360 महिलाओं ने लिया भाग स्वरोजगार और आर्थिक सशक्तिकरण पर जोर

हैदराबाद, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार के महत्वाकांक्षी 99 दिवसीय प्रजा पालना-प्रगति प्राणालिका (पीपी-पीपी) कार्यक्रम के तहत 12वें सप्ताह और 82वें दिन महिला उद्यमिता प्रोत्साहन अभियान महिला शक्ति आइडिएशन/कम्प्लीशन का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जीएचएमसी के विभिन्न सर्किलों में आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य महिलाओं को उद्यमिता, नवाचार और स्वरोजगार के माध्यम से सशक्त बनाना रहा। कार्यक्रम में विभिन्न समुदायों की महिलाओं, स्वयं सहायता समूहों और स्थानीय संगठनों से जुड़ी लगभग 360 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान महिलाओं को व्यवसायिक अवसरों, वित्तीय साक्षरता, कौशल विकास, विपणन रणनीतियों तथा विचारों को सफल व्यवसाय में बदलने से संबंधित प्रशिक्षण और मार्गदर्शन दिया गया।

प्रतियोगिता के विजेताओं को किया गया सम्मानित

> रोड सुरक्षा पर कलाकारों ने दिया प्रभावशाली संदेश

हैदराबाद, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) द्वारा आयोजित आर्ट फॉर लाइफ संदेशात्मक कला प्रतियोगिता के विजेताओं को मंगलवार को बस भवन में आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। यह प्रतियोगिता राज्य सरकार के 99 दिवसीय प्रजा पालना-प्रगति प्राणालिका कार्यक्रम के तहत 9 मई को टीजीएसआरटीसी कला भवन में आयोजित की गई थी। इसमें चित्रकला, स्केचिंग और मूर्तिकला श्रेणियों में कलाकारों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। टीजीएसआरटीसी के उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक वाई. नागिरेड्डी ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। उन्होंने कहा कि कला में समाज को जागरूक करने की अद्भुत शक्ति होती है और कलाकार अपने सृजन के माध्यम से ऐसे संदेश प्रभावी ढंग से प्रस्तुत कर सकते हैं, जिन्हें शब्दों में व्यक्त करना कठिन होता है।

उन्होंने विशेष रूप से सड़क सुरक्षा और दुर्घटना रोकथाम जैसे विषयों पर कलाकारों द्वारा दिए गए योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे सामाजिक अभियानों में केवल सरकार ही नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग की भागीदारी आवश्यक है। नागिरेड्डी ने कहा कि कलाकारों ने अपनी प्रतिभा के माध्यम से सड़क सुरक्षा के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिसके लिए वे सराहना के पात्र हैं। इस प्रतियोगिता में चित्रकला वर्ग में 35 प्रतिभागियों, स्केचिंग वर्ग में 21 प्रतिभागियों सहित कई कलाकारों ने भाग लिया और अपनी कला का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार (20,000 रुपये): भारती कर (आर्ट नंबर 16), द्वितीय पुरस्कार (10,000 रुपये): वुय्यूरि दुर्गाराव (आर्ट नंबर 38), तृतीय पुरस्कार (5,000 रुपये): सूरम संपत कुमार (आर्ट नंबर 3) रहे। इस अवसर पर टीजीएसआरटीसी के ईडी कुशो शाह खान, सी.एच. वेंकन्ना, हैदराबाद आरएम सुधा परिमल, वरिष्ठ कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. ए. श्रीनिवास कुमार सहित कई अधिकारी उपस्थित रहे।

हैदराबाद पासपोर्ट कार्यालय 28 मई को बंद रहेगा

हैदराबाद, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, हैदराबाद ने घोषणा की है कि ईद-उल-जुहा (बकरीद) के लिए सरकारी अवकाश में 27 से 28 मई तक के बदलाव के कारण, पीएसके और पीओपीएसके सहित सभी पासपोर्ट सेवा सेवाएं 28 मई को बंद रहेंगी। पासपोर्ट उप अधिकारी श्रीनिवास राव के अनुसार, पासपोर्ट कार्यालय, सभी पासपोर्ट सेवा केंद्र (पीएसके) और डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्र (पीओपीएसके) 28 मई, 2026 (गुरुवार) को बंद रहेंगे। हालांकि, हैदराबाद स्थित क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय के अधिकार क्षेत्र में आने वाले पासपोर्ट कार्यालय, सभी पीएसके और पीओपीएसके 27 मई (बुधवार) को खुले और कार्यरत रहेंगे। 28 मई को निर्धारित सभी अपॉइंटमेंट 27 मई के लिए पुनर्निर्धारित कर दिए गए हैं।

अमेरिकी कंपनी स्थापित करेगी पहला अंतरराष्ट्रीय जीसीसी

> आईटी और लाइफ साइंसेज क्षेत्र में बढ़ेंगे रोजगार के अवसर

हैदराबाद, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी एवं उद्योग मंत्री दुद्दिल्ला श्रीधर बाबू ने कहा कि विश्वस्तरीय आधारभूत संरचना और कुशल मानव संसाधन के कारण हैदराबाद वैश्विक कंपनियों के लिए ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) स्थापित करने का पसंदीदा केंद्र बनता जा रहा है। उन्होंने कहा कि शहर में तेजी से बढ़ रहे जीसीसी आईटी इंजीनियरों और तकनीकी पेशेवरों के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा करेंगे। मंत्री ने खुशी जताई कि अमेरिका के न्यूयॉर्क स्थित टैरीटाउन मुख्यालय वाली वैश्विक बायोटेक कंपनी रीजेनरॉन ने अमेरिका के बाहर अपना पहला जीसीसी स्थापित करने के लिए तेलंगाना का चयन किया है। उन्होंने कहा कि इससे राज्य की अंतरराष्ट्रीय पहचान और मजबूत होगी।

मंगलवार को रीजेनरॉन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष बारी कोवाल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने डॉ. बी.आर. अंबेडकर तेलंगाना सचिवालय में मंत्री श्रीधर बाबू से मुलाकात की। इस दौरान बारी कोवाल और तेलंगाना लाइफ साइंसेज के सीईओ सर्वेश सिंह के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) का आदान-प्रदान किया गया। मंत्री ने कहा कि रीजेनरॉन पहले से आयरलैंड, ब्रिटेन, जर्मनी और नीदरलैंड जैसे देशों में कार्यालय एवं विनिर्माण इकाइयां संचालित कर रही है, लेकिन हैदराबाद केंद्र एक विशिष्ट वैश्विक हब के रूप में कार्य करेगा। उन्होंने बताया कि यह केंद्र कंपनी के वैश्विक संचालन के समन्वय के साथ-साथ क्लीनिकल ट्रायल संचालन, उन्नत डेटा साइंस, कृत्रिम बुद्धिमत्ता इंजीनियरिंग तथा व्यावसायिक विश्लेषण जैसी उच्च स्तरीय डिजिटल सेवाओं को समर्थन देगा। श्रीधर बाबू ने कहा कि वर्तमान में हैदराबाद में लगभग 450 ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर कार्यरत हैं और शहर लगातार अंतरराष्ट्रीय निवेश आकर्षित कर रहा है।

उन्होंने बताया कि हैदराबाद मुंबई, दिल्ली और चेन्नई जैसे शहरों को पीछे छोड़ते हुए देश का दूसरा सबसे बड़ा जीसीसी केंद्र बन चुका है। मंत्री ने कहा कि जैव प्रौद्योगिकी, लाइफ साइंसेज, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डेटा साइंस और डिजिटल तकनीकों के क्षेत्र में राज्य का मजबूत इकोसिस्टम वैश्विक कंपनियों को आकर्षित कर रहा है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार अनुसंधान, विनिर्माण, औद्योगिक नीति और आधारभूत संरचना विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि जीनोम वैली के विस्तार और

हैदराबाद रनर्स सोसाइटी ने 20वें वर्ष में रखा कदम

फिटनेस अभियान को मिलेगा नया विस्तार

हैदराबाद, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। एनएमडीसी हैदराबाद मैराथन के आयोजन के लिए प्रसिद्ध हैदराबाद रनर्स सोसाइटी (एचआरएस) ने अपने 20वें वर्ष में प्रवेश कर लिया है। संस्था ने इस अवसर पर सामुदायिक फिटनेस, सक्रिय जीवनशैली और जनस्वास्थ्य अभियानों को और व्यापक स्तर पर आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया। वर्ष 2007 में स्थापित एचआरएस एक छोटे रनिंग समूह के रूप में शुरू हुई थी, लेकिन समय के साथ यह भारत की प्रमुख सामुदायिक फिटनेस संस्थाओं में शामिल हो गई। संस्था ने हजारों लोगों को दौड़, वॉकिंग और फिटनेस जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया है। इस उपलब्धि को विशेष वर्षगांठ रन के साथ मनाया गया, जिसमें शहरभर से धावक, स्वयंसेवक, प्रशिक्षक और फिटनेस प्रेमी शामिल हुए।

जल बोर्ड भविष्य की जल आपूर्ति व्यवस्था को कर रहा मजबूत : मंत्री

हैदराबाद, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद जिला प्रभारी मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने मंगलवार को कहा कि हैदराबाद महानगर जल आपूर्ति एवं सीवरेज बोर्ड (एचएमडब्ल्यूएसएसबी) शहर में निर्बाध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने और जल निकासी व्यवस्था को मजबूत करने के लिए व्यापक कदम उठा रहा है। खैरताबाद स्थित जल बोर्ड मुख्यालय में आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मोहम्मद आज़हरुद्दीन भी मौजूद रहे। बैठक में एचएमडब्ल्यूएसएसबी के प्रबंध निदेशक अशोक रेड्डी, निदेशक सुधर्शन और संयुक्त एमडी मायंक मित्तल सहित वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। बैठक में पेयजल आपूर्ति, ग्रीष्मकालीन टैंकर सेवाएं, मानसून की तैयारियां, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी), जल संरक्षण तथा चल रहे बुनियादी ढांचे के विकास कार्यों की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में हैदराबाद में 650 एमजीडी पेयजल आपूर्ति की जा रही है।

भविष्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए गोदावरी फेज-2 और फेज-3 परियोजनाओं पर 7,000 करोड़ रुपये का निवेश किया जा रहा है। इसके साथ ही कृष्णा फेज-4 और फेज-5 तथा सिंगूर जल पाइपलाइन परियोजना की भी योजना बनाई जा रही है।

मंत्री ने बताया कि शहर में वर्तमान में 14.50 लाख नल कनेक्शन हैं, जिनमें 6.23 लाख निःशुल्क कनेक्शन शामिल हैं। उन्होंने कहा कि जल संबंधी सभी शिकायतों का त्वरित समाधान किया जा रहा है। मानसून तैयारियों पर चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि शहर में लगभग 6.14 लाख मैनहोल हैं और जलभराव की समस्या से बचने के लिए अप्रैल-मई में व्यापक स्तर पर नालों की सफाई और डी-सिल्टिंग का कार्य किया जा रहा है। ग्रीष्मकालीन प्रबंधन के तहत उन्होंने बताया कि लगभग 95 प्रतिशत टैंकर बुकिंग का 24 घंटे के भीतर आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। भूजल संरक्षण पर जोर देते हुए मंत्री ने नागरिकों से वर्षा जल संचयन (रेन वाटर हार्वेस्टिंग) संरचनाएं बनाने की अपील की।

हिंदू व्यापारियों के लिए नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदू टू हिंदू बिजनेस नेटवर्किंग ने सनातनी हिंदू व्यापारियों के लिए नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। यह बैठक विशाखापट्टनम के हिंदू व्यापारियों की सहायता और प्रोत्साहन के लिए आयोजित की गई थी।

बैठक का आयोजन होटल ओशन विस्टा बे, विशाखापट्टनम में किया गया। बैठक के मुख्य अतिथि उद्योगपति और सामाजिक कार्यकर्ता गोपाल बलदवा थे। उनके साथ प्रशिक्षक श्रीकांत रियानी और विजाग के क्षेत्रीय प्रमुख गीतेश काटे भी उपस्थित थे। बैठक का नेतृत्व विजाग चैप्टर की अध्यक्ष निर्मला वोम्मी ने किया और डॉ. राधिका गौतम, सुधीर चौधरी और श्रीकांत ने इसमें सहयोग दिया। दोनों प्रशिक्षकों द्वारा प्रस्तुत विषयों और प्रस्तुतियों से प्रतिभागी मंत्रमुग्ध दिखे।

बकरीद सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाएं : पुलिस आयुक्त

हैदराबाद, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस आयुक्त एम. रमेश ने नागरिकों से बकरीद का त्योहार शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने की अपील की है। मंगलवार को साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय में आयोजित शांति समिति की बैठक में उन्होंने कहा कि त्योहार के दौरान कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। धार्मिक नेताओं और सामुदायिक प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए पुलिस आयुक्त ने बताया कि पुलिस पिछले 45 दिनों से सुरक्षा व्यवस्था को लेकर व्यापक तैयारियां कर रही है। इसके तहत विभिन्न स्थानों पर चेक पोस्ट स्थापित किए गए हैं तथा असामाजिक तत्वों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

बकरीद को शांतिपूर्ण और स्वच्छ वातावरण में मनाने के निर्देश

> साइबराबाद पुलिस आयुक्त ने समन्वय बैठक की

हैदराबाद, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आगामी बकरीद पर्व के मद्देनज़र साइबराबाद पुलिस आयुक्त डॉ. एम. रमेश के नेतृत्व में मंगलवार को सीएमसी, राजस्व एवं पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारियों के साथ समन्वय बैठक आयोजित की गई। यह बैठक ज़ूम माध्यम से आयोजित हुई, जिसमें वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, थाना प्रभारी तथा संबंधित विभागों के अधिकारी शामिल हुए। बैठक में बकरीद के दौरान स्वच्छता, जनस्वास्थ्य तथा पशु अपशिष्ट के समुचित निस्तारण पर विशेष रूप से चर्चा की गई। अधिकारियों ने सुझाव दिया कि ईदगाहों, मस्जिदों और आवासीय क्षेत्रों में पशु अपशिष्ट के संग्रहण के लिए मजबूत काले पॉलीथिन बैग उपलब्ध कराए जाएं तथा उनके परिवहन के लिए पर्याप्त वाहन व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

इसके साथ ही सड़कों और सार्वजनिक स्थानों की स्वच्छता के लिए पर्याप्त संख्या में वाटर टैंकर, सफाई कर्मचारी तथा आवश्यक स्थानों पर ब्लीचिंग पाउडर का उपयोग करने पर बल दिया गया, ताकि दुर्गंध और गंदगी को नियंत्रित किया जा सके। पुलिस आयुक्त डॉ. एम. रमेश ने कहा कि बकरीद का पर्व सभी नागरिक शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाएं। उन्होंने कहा कि स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए और पशु अपशिष्ट को खुले में न फेंककर निर्धारित व्यवस्था के अनुसार ही निस्तारित किया जाए। उन्होंने सभी विभागों-सीएमसी, राजस्व और पशु चिकित्सा-को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि त्योहार के दौरान जनता को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए पर्याप्त सफाई कर्मचारी, वाटर टैंकर और कचरा वाहन उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि प्रत्येक पुलिस स्टेशन स्तर पर विशेष अधिकारियों की नियुक्ति की जाए, जो संबंधित विभागों के साथ समन्वय कर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करें। पुलिस आयुक्त ने नागरिकों से भी अपील की कि वे पुलिस एवं अन्य विभागों का सहयोग करें और स्वच्छता, जनस्वास्थ्य एवं सामुदायिक सौहार्द बनाए रखने में योगदान दें। इस बैठक में एसबी डीसीपी सुधींद्र, क्राइम्स डीसीपी मुत्यम रेड्डी, साइबर क्राइम्स डीसीपी साई मनोहर, सीएआर हेडक्वार्टर डीसीपी संजीव सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

टीजीएसआरटीसी ने दिवंगत ड्राइवरों के परिजनों को दी 1-1 करोड़ की सहायता

दुर्घटना बीमा योजना के तहत यूनियन बैंक ने प्रदान की आर्थिक मदद

हैदराबाद, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) ने दो दिवंगत ड्राइवरों के परिजनों को यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के सहयोग से 1-1 करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की है। पिकेट डिपो के चालक सुधाकर और परिगी डिपो के चालक श्रीनिवास रेड्डी की अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु हो गई थी, जिससे उनके परिवारों के सामने गंभीर आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया था। यूनियन बैंक की सुपर सैलरी सेविंग अकाउंट योजना के तहत आरटीसी कर्मचारियों को रूपे डेबिट कार्ड से जुड़े व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा का लाभ मिलता है, जिसके अंतर्गत दुर्घटना में मृत्यु होने पर 1 करोड़ रुपए की राशि प्रदान की जाती है।

बस भवन में आयोजित कार्यक्रम में टीजीएसआरटीसी के उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक वाई. नागिरेड्डी, यूनियन बैंक के मुख्य महाप्रबंधक एम. रविंद्र बाबू तथा क्षेत्रीय प्रमुख डी. वेंकटेश्वरलु ने दिवंगत ड्राइवरों के परिजनों को 1-1 करोड़ रुपए के चेक सौंपे। इस अवसर पर नागिरेड्डी ने दोनों ड्राइवरों के असामयिक निधन पर शोक व्यक्त किया और कहा कि निगम कठिन समय में उनके परिवारों के साथ मजबूती से खड़ा है।

'ईसीआईएल गौरव, अनुवाद एवं भाषा प्रौद्योगिकी' विशेषांक का विमोचन

हैदराबाद, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की पत्रिका ईसीआईएल गौरव का नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम) की अर्द्धवार्षिक बैठक में विमोचन किया गया। यह विशेषांक 'अनुवाद एवं भाषा प्रौद्योगिकी' पर आधारित है।

पत्रिका का विमोचन डॉ. अनीश कुमार शर्मा, उत्कृष्ट वैज्ञानिक, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक तथा अध्यक्ष, नराकास (उपक्रम) ने किया। इस अवसर पर विभिन्न सदस्य कार्यालयों के कार्यालय प्रमुख, प्रशासन प्रमुख तथा क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय के अनुसंधान अधिकारी तथा राजभाषा संवर्ग के अधिकारी एवं राजभाषा नोडल अधिकारी उपस्थित थे।

इस विशेषांक में 'अनुवाद एवं परंपरा से प्रौद्योगिकी तक भाषा प्रौद्योगिकी' पर आधारित लेख को अग्रलेख के रूप में प्रकाशित किया गया है। इस विशेषांक में अनुवाद एवं भाषा प्रौद्योगिकी : परंपरा से प्रौद्योगिकी तक, डॉ. राजनारायण अवस्थी, प्रबंधक (राजभाषा) तथा अजहर सुल्तान, अनुभाग सहायक, ईसीआईएल की डिजिटल यात्रा, जे. सुब्बाराम, महाप्रबंधक (सीएसएस), ईसीआईएल की महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी उपलब्धियां, एस.आर.सी. रेड्डी, प्रमुख (सीआर एंड डी), अनुवाद : कला और विज्ञान का संगम, डॉ. सीएच. अंबेडकर, वरि. हिन्दी अनुवादक, सतत ऊर्जा संक्रमण, प्रियंका बिजारनिया, उप प्रबंधक (तकनीकी), विकसित भारत 2047 एवं उद्यमिता, स्वामी विवेकानंद : युवा चेतना के प्रेरणास्त्रोत, शर्मिला मुर्मू, प्रबंधक-तकनीकी; विश्व के प्रमुख जलडमरूमध्य, एम. प्रताप कुमार, प्रबंधक-तकनीकी, आत्मनिर्भर किसान : चुनौतियां एवं समाधान, प्रियंका अधिकारी, प्रबंधक-तनकीकी, प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर, केदार सिंह, उपप्रबंधक-तकनीकी, इंडस्ट्री 4.0 और स्मार्ट फैक्ट्री, अनिल कुमार, उप-प्रबंधक-तकनीकी, लीन मैन्युफैक्चरिंग का महत्व, वी. कनका महालक्ष्मी, वरि. हिन्दी अनुवादक तथा तेलुगु साहित्य : कवि गरिमेल्ला सत्यनारायण, सीएच. निहारिका, प्रशिक्षु (राजभाषा) ने विस्तृत लेख प्रकाशित किए गए हैं।

एसबीआई एटीएम में चोरी, मशीन तोड़कर नकदी ले गए बदमाश

महबूबनगर, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। महबूबनगर में मंगलवार तड़के चोरों ने तेलंगाना चौरास्ता स्थित एसबीआई के एटीएम केंद्र में सेंध लगाकर नकदी चोरी कर ली। घटना में कैश वेंडिंग मशीन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। जानकारी के अनुसार, चोरी से पहले बदमाशों ने एटीएम केंद्र में लगे सीसीटीवी कैमरे और अन्य उपकरणों को भी नुकसान पहुंचाया, ताकि उनकी पहचान न हो सके। स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी तुरंत पुलिस और बैंक अधिकारियों को दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मौके पर सुराग जुटाने के लिए विशेष टीम तैनात की गई है, जिसने अपराधियों के फिंगरप्रिंट एकत्र किए हैं। इनका मिलान पूर्व में इसी प्रकार की चोरी की घटनाओं में पकड़े गए अपराधियों के रिकॉर्ड से किया जाएगा।

अंतरिक्ष युद्ध और उपग्रह सुरक्षा पर रणनीतिक रक्षा संगोष्ठी का आयोजन होगा

हैदराबाद, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जैसे-जैसे वैश्विक संघर्ष उपग्रहों, साइबर प्रणालियों, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध की ओर अग्रसर हो रहे हैं, हैदराबाद 29 मई को यहां टी-हब में युद्ध और राष्ट्रीय सुरक्षा के भविष्य पर एक महत्वपूर्ण रणनीतिक संवाद की मेजबानी करेगा।

संगोष्ठी का तीसरा प्रमुख सत्र, जिसका शीर्षक है 'वह दिन जब आकाश अंधकारमय हो जाएगा: उपग्रह निर्भरता के युग में युद्ध', अमेरिका, ईरान और इज़राइल से जुड़े बढ़ते भू-राजनीतिक तनावों के बीच आयोजित किया जा रहा है। इस आयोजन में भारत के रक्षा, एयरोस्पेस, प्रौद्योगिकी और नीति क्षेत्रों के प्रमुख प्रतिनिधियों के एक साथ आने की उम्मीद है। इस चर्चा में इस बात पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा कि भविष्य के युद्ध किस प्रकार अंतरिक्ष और साइबरस्पेस में लड़े जा सकते हैं, जिसमें विशेषज्ञ उपग्रहों के लिए खतरों, साइबर हमलों, उपग्रह-रोधी हथियारों, एआई-संचालित युद्ध और अंतरिक्ष के बढ़ते सैन्यीकरण की जांच करेंगे। इस सत्र का संचालन लेफ्टिनेंट जनरल पीजेएस पन्नू करेंगे, जिन्होंने भारत की रक्षा अंतरिक्ष एजेंसी और रक्षा साइबर एजेंसी की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। प्रतिष्ठित पैनल में इसरो के पूर्व अध्यक्ष डॉ. एएस किरण कुमार; डॉ. जी.सतीश रेड्डी, पूर्व अध्यक्ष, डीआरडीओ और रक्षा मंत्री के पूर्व वैज्ञानिक सलाहकार; एयर चीफ मार्शल विवेक राम चौधरी पीवीएसएम एवीएसएम वीएम एडीसी (सेवानिवृत्त), पूर्व वायु सेना प्रमुख, भारतीय वायु सेना; डॉ सुब्बा राव पावुलुरी, अनंत टेक्नोलॉजीज के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक और रौनक कुमार सामंत्रे - सीईओ और टेकमी2स्पेस के संस्थापक इस आयोजन में युवाओं का दृष्टिकोण जोड़ने के लिए, इनिया प्रगति मार्टियन विशेष अतिथि और विशिष्ट युवा वक्ता के रूप में भाग लेंगी। गिरीश मल्लापानी द्वारा स्थापित और आईएएस अधिकारी जयेश रंजन द्वारा सह-स्थापित 'सिम्पोजियम' का उद्देश्य भारत के भविष्य को आकार देने वाले मुद्दों पर विभिन्न क्षेत्रों के बीच संवाद के लिए एक नियमित मंच बनाना है। रक्षा, एयरोस्पेस, स्टार्टअप, शिक्षा जगत और नीति निर्माण से जुड़े 100 से अधिक आमंत्रित अतिथियों के इस विशेष कार्यक्रम में शामिल होने की उम्मीद है।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

पहली बार आईपीएल में 1300 सिक्स लगे

एक सीजन में 61 बार 200 का स्कोर बना, शुरू के 9 साल मिलाकर भी इससे कम

खेल डेस्क, 26 मई (एजेंसियां)। लीग स्टेज खत्म होते-होते आईपीएल 2026 रनरेट, सिक्सर्स और 200 से ऊपर के स्कोर के मामलों में अब तक का सबसे बड़ा सीजन बन गया है। 70 मैचों में ही 61 बार 200 या इससे ज्यादा का स्कोर बन चुका है। शुरुआती 9 सीजन- 2008 से 2016 तक हुए 538 मैचों में 57 बार ही 200+ का स्कोर बना था।

सबसे तेज रनरेट वाला सीजन

इस सीजन का ओवरऑल रनरेट 9.85 रहा, जो आईपीएल इतिहास में अब तक का सबसे ज्यादा है। इससे पहले सबसे ज्यादा रन रेट का रिकॉर्ड पिछले ही सीजन में बना था। तब टीमों ने 9.62 रन प्रति ओवर बनाए थे।

61 बार बने 200+ स्कोर, बड़े टारगेट भी अब सुरक्षित नहीं

आईपीएल 2025 में 52 बार 200+ स्कोर बने थे, लेकिन 2026 में यह आंकड़ा बढ़कर 61 तक पहुंच गया। यह आईपीएल इतिहास में किसी एक सीजन में सबसे ज्यादा 200+ टोटल हैं। खास बात यह है कि 2022 तक किसी भी सीजन में 20 से ज्यादा बार 200+ स्कोर नहीं बने थे।

इस सीजन सिर्फ बड़े स्कोर ही नहीं बने, बल्कि बड़े टारगेट चेज करना भी आम हो गया। आईपीएल 2026 में 16 बार 200+ रनचेज हुए, जो किसी भी सीजन में सबसे ज्यादा हैं। इससे पहले 2025 में 9 और 2023 में 8 बार ऐसा हुआ था।

पहली पारी का औसत स्कोर और विनिंग टोटल रिकॉर्ड स्तर पर

इस सीजन में पहली पारी का औसत स्कोर 192 रहा, जो आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा है। इससे पहले 2025 में यह 191 और 2024 में 190 था। सबसे बड़ा बदलाव विनिंग टोटल में देखने को मिला। आईपीएल 2026 में जीतने वाली टीम का औसत स्कोर 217 रहा, जो आईपीएल इतिहास में पहली बार 215 के पार पहुंचा। इससे पहले 2025 में यह 211 और 2024 में 211 था।

शतकों में रिकॉर्ड की बराबरी, अभी 4 मैच बाक

इस सीजन के लीग मैचों में ही अब तक 14 शतक लग चुके हैं। यह किसी एक सीजन में सबसे ज्यादा शतकों के रिकॉर्ड की बराबरी है। इससे पहले 2024 में भी 14 सेंचुरी बनी थीं।

हर 12वीं गेंद पर सिक्स

इस सीजन में अब तक 1349 छक्के लग चुके हैं। आईपीएल में पहली बार 1300 से ज्यादा छक्के लगे हैं। इस बार करीब हर 12 गेंद पर एक छक्का लगा, जो आईपीएल इतिहास में सबसे तेज है।

पहली बार पावरप्ले में रनरेट 10 से ऊपर पहुंचा

आईपीएल इतिहास में पहली बार पावरप्ले (1 से 6 ओवर) का रनरेट 10 के पार पहुंच गया। इससे पहले 2025 में यह 9.60 और 2024 में 9.47 था। 2022 तक किसी भी सीजन में पावरप्ले रनरेट 9 तक नहीं पहुंचा था।

गेंदबाजों की शामत, पेसर्स-स्पिनर्स दोनों पिटे

आईपीएल 2026 का हाई स्कोरिंग ट्रेंड गेंदबाजों पर सबसे भारी पड़ा। यह सीजन स्पिनर्स और पेसर्स, दोनों के लिए सबसे महंगा साबित हुआ। स्पिन गेंदबाजों ने 9.26 की इकोनॉमी से रन दिए, जो आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा है। इससे पहले 2025 में यह आंकड़ा 8.86 और 2024 में 8.68 था।

तेज गेंदबाजों की स्थिति भी ज्यादा अलग नहीं रही। आईपीएल 2026 में पेसर्स की और इकोनॉमी 9.94 रही। यह आईपीएल इतिहास में सबसे खराब हैं। इससे पहले 2025 में पेसर्स की इकॉनमी 9.90 और 2024 में 9.78 थी। इस सीजन लीग स्टेज के टॉप-10 विकेट टेकरों में सिर्फ दो स्पिनर्स शामिल हैं- राशिद खान (19 विकेट) और सुनील नरेन (15 विकेट)।

फील्डिंग प्रेशर में, 169 कैच छूटे

हाई-स्कोरिंग क्रिकेट का असर सिर्फ गेंदबाजों पर नहीं, बल्कि फील्डिंग पर भी साफ दिखाई दिया। आईपीएल 2025 में रिकॉर्ड 188 कैच छोड़े गए थे, जबकि 2026 में यह संख्या 169 रही। 2022 के बाद लगातार हर सीजन में 148 से ज्यादा कैच छूटे हैं। टीमों के हिसाब से देखें तो इस सीजन सबसे खराब फील्डिंग रिकॉर्ड हैदराबाद का रहा। टीम ने सबसे ज्यादा 26 कैच छोड़े। इसके बाद पंजाब और चेन्नई ने 20-20 कैच ड्रॉप किए।

विनेश फोगाट के एशियन गेम्स खेलने की गारंटी नहीं

लांग लिस्ट में नाम नहीं, ट्रायल जीतीं तो भी ओसीए करेगा अंतिम फैसला; हाईकोर्ट से राहत मिली

नई दिल्ली, 26 मई (एजेंसियां)। भारत की ओलंपिक मेडलिस्ट और स्टार महिला रेसलर विनेश फोगाट के रेसलिंग में वापसी के ऐलान के बाद सरगर्मियां तेज हैं। लगातार विनेश को लेकर कोई ना कोई नया अपडेट भी सामने आ रहा है। हाल ही में गोंडा में आयोजित एक नेशनल ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट में उन्हें हिस्सा लेने का मौका नहीं मिला था। अब दिल्ली हाईकोर्ट ने विनेश को आगामी एशियन गेम्स 2026 के ट्रायल्स में हिस्सा लेने की अनुमति भी दे दी है। मगर एक पेंच अभी भी फंस रहा है कि विनेश अगर ट्रायल्स में जीत भी जाती हैं फिर भी उन्हें एशियाड का टिकट नहीं मिलेगा।

विनेश को नहीं मिल पाएगा एशियन गेम्स का टिकट?

30 मई को नई दिल्ली में आयोजित होने वाले एशियन गेम्स के 57 किलोग्राम कैटेगरी के ट्रायल्स में विनेश हिस्सा लेंगी। यहां विनेश फोगाट अगर जीत भी जाती हैं फिर भी उन्हें शायद एशियन गेम्स का टिकट नहीं मिलेगा। इसका एक बहुत बड़ा कारण भी सामने आया है। द ट्रिब्यून ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया है कि भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने जिन एथलीट्स की लंबी लिस्ट एशियन गेम्स के आयोजकों को भेजी है, उसमें विनेश का नाम नहीं है।

आपको बता दें कि हर राष्ट्रीय महासंघ को 4 मई तक आईओए को अपने संभावित प्रतिभागियों की लिस्ट सौंपनी थी। आयोजकों को यह लिस्ट भेजने की अंतिम तारीख 14 मई थी। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से पता चला कि विनेश का नाम उस लिस्ट में था ही नहीं जो भारतीय कुश्ती महासंघ ने आईओए को सौंपी थी। नियमों के मुताबिक देश के ओलंपिक संघ उन्हीं एथलीट्स का नाम चुन सकते हैं जो महासंघ द्वारा दी गई लिस्ट में थे।

अंडर-23 एशियाई कुश्ती में अक्षय-विक्की ने जीता सोना

महिला पहलवानों का भी शानदार प्रदर्शन

नई दिल्ली, 26 मई (एजेंसियां)। अंडर-23 एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में भारतीय पहलवानों का शानदार प्रदर्शन जारी है, जहां अक्षय टी धेरे और विक्की ने फ्रीस्टाइल वर्ग में गोल्ड मेडल जीते। महिला वर्ग में मुस्कान, तपस्या, भाग्यश्री और पुलकित ने स्वर्ण पदक हासिल किए, जबकि अमृता शशिकांत पुजारी ने सिल्वर मेडल अपने नाम किया।

अक्षय और विक्की ने फ्रीस्टाइल में दिलाया गोल्ड

57 किलोग्राम भार वर्ग में भारत के अक्षय टी धेरे ने कजाकिस्तान के येलामन अमांगेल्दी को कड़े मुकाबले में 4-2 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। इसके बाद 97 किलोग्राम वर्ग में विक्की ने उज्बेकिस्तान के शेरजोड पोयोनोव को रोमांचक मुकाबले में 7-5 से मात देकर भारत को दूसरा गोल्ड दिलाया।

महिला वर्ग में भी भारतीय खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। 53 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में मुस्कान ने मेजबान वियतनाम की थी माय लिन्ह गुयेन को 6-2 से हराकर गोल्ड अपने नाम किया।

57 किलोग्राम वर्ग में तपस्या ने कजाकिस्तान की अल्तीन शगायेवा को 'विक्ट्री बाय फॉल' से हराकर स्वर्ण पदक जीता। मुकाबले के समय वह 4-0 से आगे थीं। 72 किलोग्राम वर्ग में अमृता शशिकांत पुजारी को फाइनल में मंगोलिया की ओदगेरेल एडेने ओचिर के खिलाफ 2-4 से हार का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

डब्ल्यूएफआई के अध्यक्ष संजय सिंह ने भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि एशियाई स्तर पर दो फ्रीस्टाइल गोल्ड जीतना बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि भारतीय महिला पहलवानों ने भी शानदार जुझारूपन दिखाया है और यह प्रदर्शन भारतीय कुश्ती के उज्ज्वल भविष्य का संकेत है।

ओलंपिक पदक विजेता रवि दहिया और शरद ने खटखटाया कैट का दरवाजा, सरकारी नौकरी को लेकर की मांग

नई दिल्ली, 26 मई (एजेंसियां)। टोक्यो ओलंपिक के रजत पदक विजेता पहलवान रवि कुमार दहिया और ऊंची कूद में पैरालंपियन शरद कुमार ने केंद्रीय प्रशासनिक पंचाट (कैट) से संपर्क किया है। इन्होंने दिल्ली सरकार में सहायक शिक्षा निदेशक (खेल) के तौर पर अपनी सेवाओं के नियमितीकरण की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया है कि वर्षों से नियमित प्रशासनिक काम करने के बावजूद उन्हें बार-बार अस्थायी विस्तार दिया जा रहा है।

अलग-अलग लेकिन एक जैसी भाषा वाली याचिकाओं में दोनों खिलाड़ियों ने तर्क दिया कि उन्होंने अपनी अंतरराष्ट्रीय उपलब्धियों की पहचान के तौर पर ग्रुप ए पदों की पेशकश मिलने के बाद और अंततः अपनी नौकरी पक्की होने की उम्मीद में सुरक्षित सरकारी नौकरियां छोड़कर दिल्ली सरकार से जुड़ गए। टोक्यो पैरालंपिक के कांस्य और पेरिस पैरालंपिक के रजत पदक विजेता शरद ने बताया कि उन्होंने 2022 में दिल्ली सरकार में शामिल होने के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) में अपनी स्थायी नौकरी से इस्तीफा दे दिया था जहां वह एथलेटिक्स (पैरा) कोच के तौर पर काम कर रहे थे।

याचिकाओं में यह तर्क दिया गया कि हालांकि नियुक्तियों को शुरू में छह महीने के लिए या नियमित नियुक्ति होने तक तदर्थ बताया गया था, लेकिन ज्ञापन में दो साल की परिवीक्षा अवधि का प्रावधान भी शामिल था जिससे यह वैध उम्मीद जगी थी कि खिलाड़ियों की सेवाएं अंततः नियमित कर दी जाएंगी। दोनों खिलाड़ियों ने कहा कि वे खेल विभाग में लगातार सरकारी काम करते आ रहे हैं जिसमें चयन ट्रायल की देखरेख, स्टेडियम और खेल केंद्र का निरीक्षण, कोच का मूल्यांकन और खेलो इंडिया कार्यक्रम से जुड़े काम शामिल हैं। इन याचिकाओं में दिल्ली के उपराज्यपाल के 2023 के एक निर्देश का भी जिक्र किया गया है जिसमें कहा गया था कि तदर्थ आधार पर नियुक्त पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को केंद्रीय लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) से सलाह लेकर जल्द से जल्द स्थाई किया जाना चाहिए।

स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा का राष्ट्रमंडल खेल में हिस्सा लेना मुश्किल

नई दिल्ली, 26 मई (एजेंसियां)। ओलंपिक में दो पदक जीतने वाले भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा का ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में भाग लेना मुश्किल है। नीरज पीठ की चोट से उबर रहे हैं और 23 जुलाई से होने वाले इन खेलों तक पूरी तरह फिट होने की उम्मीद नहीं है। एथलेटिक फेडरेशन ऑफ इंडिया के सूत्रों के मुताबिक, नीरज राष्ट्रमंडल खेलों से दूर रह सकते हैं। वह अभी पूरी तरह से फिट नहीं हैं। सितंबर में एशियाई खेलों व 2028 ओलंपिक को ध्यान में रखकर फिट हुए बिना राष्ट्रमंडल खेलों में उतारना जोखिम भरा होगा।

सितंबर में विश्व एथलेटिक्स में आठवें स्थान पर रहे नीरज ने तुर्किये में अभ्यास किया। अब 10 जुलाई तक वह स्विटजरलैंड में अभ्यास करेंगे।

राष्ट्रमंडल खेलों के लिए फेडरेशन कप के अंतिम दिन रांची में 16-16 पुरुष-महिलाओं का चयन रांची में होना है। इसमें नीरज को जगह मिल सकती है, पर उनके खेलने पर फैसला पूरा फिट होने पर ही लिया जाएगा। नीरज बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल 2022 में भी नहीं खेले थे। तब पेरिस ओलंपिक विजेता पाकिस्तान के अरशद नदीम ने 90 मीटर से अधिक दूर भाला फेंकते हुए स्वर्ण जीता था।

फुटबॉल विश्व कप के लिए स्पैनिश टीम घोषित

18 साल के लामिन यमाल को भी मौका

मैड्रिड, 26 मई (एजेंसियां)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए स्पेन ने 26-सदस्यीय टीम घोषित कर दी है, जिसमें फिटनेस संबंधी चिंताओं के बावजूद, 18 वर्षीय लामिन यमाल को शामिल किया गया है। फीफा वर्ल्ड कप 2026 की शुरुआत 11 जून से होगी। फुटबॉल का यह महाकुंभ यूएसए, मैक्सिको और कनाडा में खेला जाना है। स्पेन के हेड कोच लुइस डे ला फुएंते ने ऐसी संतुलित टीम को चुना है, जिसने यूईएफए यूरो 2024 का खिताब जिताया था।

एफसी बार्सिलोना के लिए खेलने वाले लामिन यमाल से स्पैनिश राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के लिए आक्रामक शक्ति बनने की उम्मीद है। हालांकि, इस युवा सनसनी के चोट के कारण 'ला रोजा' (स्पैनिश टीम) के ग्रुप चरण का पहला मैच न खेल पाने की खबरें भी हैं।

फीफा विश्व कप 2026 के लिए स्पैनिश टीमः

गोलकीपरः उनाई सिमोन, डेविड राया, जोन गार्सा।

डिफेंडरः मार्क कुकुरेला, एलेजांद्रो ग्रिमाल्डो, पाउ क्यूबर्स, आयमेरिक लापोर्टे, मार्क पबिल, एरिक गार्का, मार्कोस लोरेंटे, पेड्रो पोरो।

मिडफील्डरः पेड्री, फैबिन रुइज, मार्टिन जुबिमेन्डी, गेवी, रोड्री, लेक्स बेना, मिकेल मेरिनो, मिकेल ओयारजाबल।

फॉरवर्डः दानी ओल्मो, निको विलियम्स, येरेमी पिनो, फेरान टोरेस, बोर्जा इग्लेसियस, विक्टर मुओज, लामिन यमाल।

मुरुगन अश्विन ने लिया संन्यास

एक झटके में मिल गए थे 4.5 करोड़ रुपये

चेन्नई, 26 मई (एजेंसियां)। तमिलनाडु के लेग स्पिनर और पांच आईपीएल टीमों के लिए खेल चुके मुरुगन अश्विन ने 35 साल की उम्र में संन्यास ले लिया है. मुरुगन अश्विन ने संन्यास का ऐलान किया. इस लेग स्पिनर ने तमिलनाडु के लिए 7 फर्स्ट क्लास मैच खेले, साथ ही उन्होंने 34 लिस्ट ए मैचों में भी हिस्सा लिया. मुरुगन टी20 के स्पेशलिस्ट गेंदबाज थे और इसलिए उन्होंने अपने करियर में कुल 117 टी20 मैच खेले, जिसमें उन्होंने 117 विकेट हासिल किए. मुरुगन अश्विन को दुनिया ने साल 2016 में जाना जब उनकी आईपीएल में तूफानी एंट्री हुई. राइजिंग पुणे सुपर जायंट्स ने इस अनजान खिलाड़ी को 4.5 करोड़ रुपये में खरीदा. आइए आपको बताते हैं मुरुगन अश्विन की गजब कहानी.

मुरुगन अश्विन के पिता का नाम एरा मुरुगन हैं जो कि तमिल लेखक और स्क्रिप्ट राइटर रहे हैं. उन्होंने तमिल फिल्मों के लिए कई स्क्रिप्ट लिखी जिसमें अजित कुमार की मशहूर फिल्म बिल्ला 2 शामिल है. मुरुगन अश्विन पढ़ाई में कमाल थे, उन्होंने 12वीं में 94.5 फीसदी हासिल किए और मैकेनिकल इंजीनियरिंग में उन्होंने अच्छा जीपीए हासिल किया. लेकिन मुरुगन अश्विन क्रिकेटर बनना चाहते थे और उन्होंने तमिलनाडु के लिए डेब्यू किया. साल 2015 में इस खिलाड़ी ने तमिलनाडु के लिए 10 विकेट लेकर सुर्खियां बटोरी. वो चेन्नई सुपरकिंग्स के नेट बॉलर बने, जहां उनपर धोनी की नजर थी. साल 2016 में मुरुगन अश्विन पर राइजिंग पुणे सुपरजायंट्स ने बोली लगाई और 10 लाख के बेस प्राइस वाले इस खिलाड़ी को 4.5 करोड़ रुपये की बड़ी रकम मिली.

डेब्यू मैच में छाया भारत से नाता रखने वाला

वर्ल्ड नंबर 9 को हराया, अब होगा इस धुरंधर से सामना

पेरिस, 26 मई (एजेंसियां)। टेनिस के 4 ग्रैंडस्लैम में से एक फ्रेंच ओपन का आगाज 24 मई से हो चुका है. पेरिस की लाल मिट्टी की कोर्ट पर खेले जाने वाले साल के दूसरे टेनिस ग्रैंडस्लैम में इस बार भारतीय मूल के निषेश बसावारेड्डी ने भी डेब्यू किया. दुनिया के 148वें नंबर के इस खिलाड़ी ने पहले ही राउंड में वर्ल्ड नंबर 9 टेलर फ्रिट्ज को हराकर सबको चौंका दिया. टेलर को फ्रेंच ओपन 2026 में 7वीं सीड मिली थी. उस लिहाज से अपने डेब्यू मैच में टेलर को हराना निषेश के लिए और भी बड़ी उपलब्धि रही.

फ्रेंच ओपन की कोर्ट पर डेब्यू करते हुए निषेश बसावारेड्डी ने पहले राउंड में बड़ा उलटफेर करते हुए टेलर फ्रिट्ज को 7-6(5), 7-6(5), 6-7(9), 6-1 से हराया. इस बड़ी जीत के साथ उन्होंने ग्रैंडस्लैम के दूसरे राउंड में जगह बना ली है. दूसरे राउंड में अब उनका मुकाबला वर्ल्ड नंबर 42 एलेक्स मिसेलसन से होगा. ये मुकाबला 26 मई को खेला जाएगा. फ्रेंच ओपन 2026 में भारतीय मूल के निषेश और एलेक्स, दोनों ही अमेरिका का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं.

अब सवाल है कि निषेश बसावारेड्डी कौन हैं और भारत से उनका नाता कैसे है? 21 साल के इस टेनिस प्लेयर का जन्म 2 मई 2005 को कैलिफोर्निया के न्यूपोर्ट बीच में हुआ था. उनके पिता का नाम मुरलीकृष्णा बसावारेड्डी और मां का नाम साई प्रसन्ना है, जो साल 1999 में आंध्र प्रदेश के नेल्लोर से कैलिफोर्निया, USA चले गए थे. 8 साल कैलिफोर्निया के इरविन में रहने के बाद उनके पिता इंडियाना के कारमेल शिफ्ट हो गए, जहां निषेश बसावारेड्डी ने टेनिस का पाठ पढ़ना शुरू किया.

निषेश बसावारेड्डी का फ्रेंच ओपन में डेब्यू भले ही साल 2026 में हुआ मगर ग्रैंडस्लैम की कोर्ट पर उनके कदम पहली बार पिछले साल ही पड़ गए थे. उन्होंने बतौर प्रोफेशनल ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 में अपना ग्रैंडस्लैम डेब्यू किया, जहां उनका सामना नोवाक जोकोविच से हुआ था. 2025 में ही उन्होंने विम्बल्डन और यूएस ओपन में भी डेब्यू किया मगर पहले राउंड से आगे नहीं बढ़ सके. 2026 के ऑस्ट्रेलियन ओपन में उन्हें दूसरे राउंड तक पहुंचने में कामयाबी मिली.

अब वो फ्रेंच ओपन 2026 के भी दूसरे राउंड में पहुंच चुके हैं. टेलर फ्रिट्ज पर जीत से उनका हौसला बढ़ा होगा. ऐसे में उम्मीद है कि एलेक्स मिसेलसन के खिलाफ मुकाबला जीतकर वो पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम के तीसरे राउंड में पहुंचने में भी कामयाबी हासिल कर सकेंगे.

वावरिंका ने इमोशनल होकर फ्रेंच ओपन को अलविदा कहा

पहले दौर में हारे; 19 साल के राफेल जोदार ने डेब्यू मैच में सुर्खियां बटोरी

पेरिस, 26 मई (एजेंसियां)। स्विट्जरलैंड के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी स्टेन वावरिंका ने पहले दौर में हार के साथ फ्रेंच ओपन को भावुक विदाई दी। 41 साल के वावरिंका पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि वे इस सत्र के अंत में संन्यास ले लेंगे। उन्हें नीदरलैंड के जेस्पर डी जोंग ने 6-3, 3-6, 6-3, 6-4 से हराया।

वहीं, 19 साल के स्पेनिश स्टार राफेल जोदार ने डेब्यू में सबका ध्यान खींचा। उन्होंने अलेक्जेंडर कोवाचेविच को 6-1, 6-0, 6-4 से हराया। जोदार ने पूरे मैच में सिर्फ पांच गेम गंवाए। फ्रेंच ओपन डेब्यू में इससे कम गेम नोवाक जोकोविच ने 2005 में गंवाए थे।

विमेंस सिंगल्स में चार बार की चैंपियन और वर्ल्ड नंबर-3 इगा स्वियातेक ने पहले दौर में डेब्यू कर रहीं इमर्सन जोन्स को 6-1, 6-2 से हराया। उन्हें दाएं हाथ की उंगली के छाले के लिए ट्रेनर की मदद लेनी पड़ी।

जीत के बाद डी जोंग ने दर्शकों से वावरिंका के सम्मान में तालियां बजाने को कहा। वावरिंका 2015 में फ्रेंच ओपन के चैंपियन रहे थे, जबकि 2017 में उपविजेता बने थे। मैच से पहले दर्शकों ने खड़े होकर वावरिंका का स्वागत किया। विदाई से पहले वावरिंका ने दर्शकों के साथ मैक्सिकन वेव की।

मुकाबले के बाद वावरिंका ने स्टेडियम में अपने करियर के यादगार पलों का वीडियो देखा। उन्हें रोजर फेडरर, राफेल नडाल, नोवाक जोकोविच, विश्व नंबर-1 यानिक सिनर और मौजूदा चैंपियन कार्लोस अलकराज के वीडियो संदेश भी दिखाए गए।

वावरिंका ने स्वीकार किया कि टेनिस को अलविदा कहना आसान नहीं होगा। हालांकि उनके पास अभी विंबलडन और यूएस ओपन खेलने का अवसर बाकी है। उन्होंने कहा- 'पिछले 20 साल से मैंने इन भावनाओं को जिया है और मन कभी नहीं चाहता कि यह सफर खत्म हो। मैंने इस खेल के लिए अपना सबकुछ झोंक दिया।'

राफल जोदार ने पिछले 19 में से 16 मैच जीते हैं। वे एक साल पहले तक ATP रैंकिंग में 707वें स्थान पर थे। अब दुनिया के 29वें नंबर के खिलाड़ी हैं। उन्हें यहां 27वीं वरीयता मिली है।

महिला वर्ग में चार बार की चैंपियन इगा स्वियातेक ने इमर्सन जोन्स को 6-1, 6-2 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई। हालांकि मैच के दौरान उन्हें दाहिने हाथ की उंगली में परेशानी के कारण मेडिकल सहायता लेनी पड़ी।

हाल ही में स्वियातेक ने राफेल नडाल के साथ काम कर चुके फ्रांसिस्को रोइग को अपने जोड़ा है। उन्होंने कहा कि लगातार खिताब जीतने के बाद उम्मीदें बढ़ जाती हैं। इसलिए विनम्र रहना और हर मैच को नए सिरे से खेलना जरूरी होता है।

प्रजा पालना के समापन समारोह भव्य तरीके से आयोजित किए जाएं

> मंत्रिमंडल की उप-समिति ने अधिकारियों को निर्देश दिया

हैदराबाद, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्रिमंडल की उप-समिति ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि प्रतिष्ठित 99 दिवसीय जनसंपर्क कार्यक्रम 'प्रजा पालना-प्रगति प्रणलिका' के सफल समापन समारोह को 2 जून से 12 जून तक पूरे राज्य में भव्य तरीके से आयोजित किया जाए। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लु की अध्यक्षता में मंगलवार को सचिवालय में कैबिनेट उप-समिति की बैठक हुई। इस उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी, दुद्दिला श्रीधर बाबू और पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने भाग लिया। उप-समिति ने ग्राम, मंडल, निर्वाचन क्षेत्र और जिला स्तर पर अब तक संचालित 'प्रजा पालना-प्रगति प्रणालिका' कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे आने वाले दिनों में सक्रिय जनभागीदारी के साथ और अधिक पहल करें। 2 से 12 जून तक निर्धारित कार्यक्रमों में पर्यावरण सप्ताह समारोह, सड़क सुरक्षा जागरूकता, नशा-विरोधी अभियान, महिला एवं बाल संरक्षण पहल, आवास कार्यक्रम, पर्यटन संवर्धन, शहरी विकास गतिविधियां और नवीकरणीय ऊर्जा (हरित ऊर्जा) परियोजनाओं की आधारशिला रखना और उद्घाटन शामिल हैं। मंत्रियों ने इस बात पर जोर दिया कि सभी विभागों को समन्वय में काम करना चाहिए और इन गतिविधियों का त्रुटिहीन निष्पादन सुनिश्चित करना चाहिए। उप-समिति ने राज्य के प्रत्येक परिवार को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू की गई 'इंदिरम्मा पारिवारिक जीवन बीमा' योजना के कार्यान्वयन पर विस्तृत चर्चा की। सरकार ने इस बात पर फिर से जोर दिया कि योजना के अंतर्गत प्रत्येक पात्र व्यक्ति को कवर किया जाएगा।

मुख्य सचिव रामकृष्ण राव ने सभी विभागों को तत्काल विस्तृत कार्य योजना तैयार करने और प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। बैठक में डीजीपी सीवी आनंद, विशेष मुख्य सचिव जयेश रंजन, विकास राज, नवीन मित्तल, वाणी प्रसाद, दाना किशोर और प्रधान सचिव संदीप कुमार सुल्तानिया, गौरव उप्पल सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

चलती बस में लगी आग, चालक ने कूदकर बचाई जान

आउटर रिंग रोड पर कुछ देर प्रभावित रहा यातायात

हैदराबाद, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अब्दुल्लापुरमेट स्थित आउटर रिंग रोड पर मंगलवार को एक चलती बस में अचानक आग लग गई। घटना के चलते क्षेत्र में कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा। जानकारी के अनुसार बस राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से ऑटोनगर, हयातनगर की ओर जा रही थी। इसी दौरान अचानक बस से धुआं निकलने लगा और देखते ही देखते उसमें आग लग गई। बस चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए समय रहते वाहन से कूदकर अपनी जान बचाई।

सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। पुलिस और दमकल विभाग के अधिकारी आग लगने के कारणों की जांच कर रहे हैं। प्रारंभिक आशंका तकनीकी खराबी की जताई जा रही है। घटना के कारण आउटर रिंग रोड पर कुछ समय तक वाहनों की आवाजाही प्रभावित रही।

हरीश ने कांग्रेस पर लगाया विश्वासघात का आरोप

हैदराबाद, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और बीआरएस के उपसभापति हरीश राव ने कांग्रेस सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि उसने चेवेल्ला घोषणापत्र में किए गए वादों को लागू करने में विफल रहकर अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति समुदायों को धोखा दिया है। मंगलवार को इंदिरा पार्क में आयोजित 'लंबड़ी अधिकार संरक्षण समिति' के धरने में बोलते हुए हरीश राव ने कहा कि यह विरोध प्रदर्शन मात्र एक प्रदर्शन नहीं बल्कि लंबड़ी और आदिवासी समुदायों के आत्मसम्मान की लड़ाई है।

उन्होंने याद दिलाया कि तेलंगाना राज्य बनने से पहले, एलएचपीएस के नेतृत्व में 'हमारा टांडा में हमारा राज' के नारे के साथ कई आंदोलन हुए थे, लेकिन वाईएसआर, रोसैया और किरण कुमार रेड्डी के नेतृत्व वाली कांग्रेस की लगातार सरकारों ने उनकी मांगों को नजरअंदाज कर दिया था। हरीश राव ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव और बीआरएस सरकार ने ही 3,146 टांडों को ग्राम पंचायतों में परिवर्तित किया और आदिवासी समुदायों को राजनीतिक रूप से सशक्त बनाया। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाया कि उसने चुनाव से पहले बड़े-बड़े वादे करने के बावजूद सत्ता में आने के बाद अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के साथ विश्वासघात किया है। हरीश राव ने भूमि अधिग्रहण के विरोध में प्रदर्शन कर रही लंबड़ी महिलाओं और युवाओं की गिरफ्तारी की निंदा की और आरोप लगाया कि पुलिस कार्रवाई के दौरान गर्भवती महिलाओं को भी नहीं बख्शा गया।

उन्होंने कहा कि जबरन भूमि अधिग्रहण का विरोध करने के आरोप में 45 लंबड़ी युवाओं को जेल में डाल दिया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति घोषणा और चेवेल्ला घोषणा में किए गए एक भी वादे को पूरा करने में विफल रही। पूर्व मंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने पोडू भूमि के लिए भूमि स्वामित्व का वादा किया था, लेकिन इसके बजाय उद्योगों और बड़े कॉर्पोरेट परियोजनाओं के नाम पर लगभग 50,000 एकड़ अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की भूमि पर कब्जा कर लिया। उन्होंने चेतावनी दी कि कोडंगल में लंबड़ी समुदाय आदिवासी भूमि को निशाना बनाने के लिए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को राजनीतिक रूप से परास्त कर देगा। हरीश राव ने कहा कि कांग्रेस द्वारा किए गए कई कल्याणकारी आश्वासन, जिनमें एसएससी, इंटरमीडिएट और पीजी पाठ्यक्रम उत्तीर्ण करने वाले छात्रों के लिए वित्तीय सहायता, नए आईटीडीए, अनुबंधों में आरक्षण और लंबित पदों को भरना शामिल हैं, कभी लागू नहीं किए गए। उन्होंने आरोप लगाया कि जहां एक ओर मुख्यमंत्री के रिश्तेदारों को ठेके दिए गए, वहीं आदिवासी समुदायों को कुछ भी नहीं मिला।

धान खरीद पर टिप्पणी करने वाले बस चालक को हटाने पर विवाद

> बीआरएस ने कांग्रेस पर राजनीतिक असहिष्णुता का लगाया आरोप

जगतियाल, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जगतियाल में एक किराए की आरटीसी बस चालक को कथित रूप से ड्यूटी से हटाए जाने की घटना ने राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है। चालक का आरोप है कि उसे कांग्रेस नेताओं के विरोध प्रदर्शन के दौरान धान खरीद के मुद्दे पर टिप्पणी करने के कारण हटाया गया। जानकारी के अनुसार, जगतियाल डिपो से संबद्ध किराए की आरटीसी बस चालक अशोक सोमवार को जगतियाल से धर्मपुरी जा रही बस चला रहे थे। इसी दौरान कांग्रेस नेताओं द्वारा पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतों के विरोध में आरडीओ कार्यालय के पास धरना प्रदर्शन किया जा रहा था। प्रदर्शन के कारण सड़क जाम हो गई और बस वहीं रुक गई।

बताया गया कि इस दौरान चालक अशोक ने कथित तौर पर कहा कि कांग्रेस नेताओं को ईंधन कीमतों के बजाय धान खरीद और किसानों की समस्याओं पर ध्यान देना चाहिए। उनका यह बयान मोबाइल फोन में रिकॉर्ड हो गया और बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वायरल वीडियो के बाद धर्मपुरी कांग्रेस मंडल अध्यक्ष सी. लक्ष्मण ने आरटीसी अधिकारियों से शिकायत की। इसके बाद जगतियाल डिपो प्रबंधक ने कथित तौर पर बस मालिक को अशोक को सेवा से हटाने का निर्देश दिया। मंगलवार सुबह जब अशोक ड्यूटी पर पहुंचे, तो उन्हें कोई कार्य नहीं सौंपा गया। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए अशोक ने कहा कि उन्होंने किसी भी राजनीतिक दल या नेता के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी नहीं की थी, बल्कि केवल किसानों से जुड़े मुद्दों पर ध्यान देने की बात कही थी। इस घटनाक्रम पर बीआरएस नेता गंगुला कमलाकर ने कांग्रेस सरकार पर सत्ता के दुरूपयोग का आरोप लगाया। उन्होंने आरटीसी अधिकारियों से चालक को तत्काल बहाल करने की मांग करते हुए चेतावनी दी कि ऐसा नहीं होने पर बीआरएस आंदोलन करेगी। इस बीच, खबर है कि परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने मामले में हस्तक्षेप करते हुए आरटीसी अधिकारियों को चालक के खिलाफ कार्रवाई वापस लेने और उसे पुनः ड्यूटी पर बहाल करने के निर्देश दिए। बाद में आरटीसी अधिकारियों ने अशोक को दो दिन बाद ड्यूटी पर लौटने के लिए कहा।

महिला से दुर्व्यवहार करने वाले युवक को पांच दिन की जेल

अदालत ने सुनाई सजा चंचलगुड़ा जेल भेजा गया

हैदराबाद, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। स्थानीय अदालत ने एक महिला के साथ दुर्व्यवहार और सार्वजनिक उपद्रव करने के मामले में एक युवक को पांच दिन की कारावास की सजा सुनाई है।

पुलिस के अनुसार मूसारामबाग निवासी 24 वर्षीय एन. सुधीर कुमार ने मलकपेट क्षेत्र में सार्वजनिक स्थान पर हंगामा किया और एक महिला के साथ अभद्र व्यवहार करते हुए उसे गालियां दीं। पीड़िता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ ई-पेटी मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया। बाद में आरोपी को अदालत में पेश किया गया, जहां मजिस्ट्रेट ने उसे दोषी ठहराते हुए पांच दिन की जेल की सजा सुनाई। अदालत के आदेश के बाद आरोपी को चंचलगुड़ा केंद्रीय कारागार भेज दिया गया।

जीडीमेटला में बनेगा विशाल एकीकृत बस टर्मिनल

> पश्चिमी हिस्सों में यातायात दबाव कम करने की तैयारी

हैदराबाद, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के पश्चिमी क्षेत्रों में बढ़ती यातायात भीड़ को कम करने के उद्देश्य से राज्य सरकार और तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) जीडीमेटला में एक विशाल एकीकृत बस टर्मिनल विकसित करने की योजना बना रहे हैं।

यह परियोजना शहर के महात्मा गांधी बस स्टेशन की तर्ज पर तैयार की जाएगी। सूत्रों के अनुसार, सरकार ने इस परियोजना के लिए लगभग 100 एकड़ भूमि आवंटित की है। प्रस्तावित परियोजना को बहुउद्देशीय परिवहन केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा, जिसमें अंतरराज्यीय और शहरी बसों के लिए अलग-अलग टर्मिनल, इलेक्ट्रिक बस डिपो, बड़े ईवी चार्जिंग स्टेशन तथा बहुस्तरीय पार्किंग सुविधा शामिल होगी।

जानकारी के अनुसार, इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य कुकटपल्ली, केपीएचबी, बीएचईएल, लिंगमपल्ली, बाचुपल्ली, गंडीमैसम्मा और गजुलारामारम जैसे तेजी से विकसित हो रहे क्षेत्रों में यातायात जाम की समस्या को कम करना है। वर्तमान में इन क्षेत्रों में सैकड़ों बसें सड़क किनारे रुककर यात्रियों को चढ़ाती और उतारती हैं, जिससे ट्रैफिक प्रभावित होता है। इसके अलावा महाराष्ट्र, कर्नाटक और मेदक क्षेत्र से आने वाली अंतरराज्यीय बसें भी व्यस्त सड़कों पर रुकती हैं, जिससे यातायात दबाव और बढ़ जाता है। प्रस्तावित योजना के तहत लंबी दूरी की बसों को भविष्य में जीडीमेटला टर्मिनल तक ही सीमित किया जा सकता है, ताकि शहर के भीतर भारी बस यातायात को रोका जा सके।

परियोजना के तहत लगभग 30 एकड़ भूमि अंतरराज्यीय बस टर्मिनल तथा 20 एकड़ भूमि शहरी बस टर्मिनल के लिए निर्धारित की गई है।

इस योजना से आरटीसी कर्मचारियों की परिचालन संबंधी समस्याओं के समाधान की भी उम्मीद है। वर्तमान में पार्किंग सुविधा की कमी के कारण लगभग 60 बसें जगदगिरिगुट्टा क्षेत्र में सड़क किनारे खड़ी करनी पड़ती हैं। केंद्र सरकार की पीएम ई-ड्राइव योजना के तहत टीजीएसआरटीसी को 2,000 इलेक्ट्रिक बसें आवंटित की जा चुकी हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए प्रस्तावित परिसर में एक बड़ा इलेक्ट्रिक बस डिपो और आधुनिक ईवी चार्जिंग स्टेशन भी स्थापित किए जाएंगे। साथ ही यात्रियों और वाहनों की बढ़ती संख्या को देखते हुए भूमिगत बहुस्तरीय पार्किंग सुविधा विकसित करने की योजना है।

पालमूरु परियोजना पर बीआरएस ने जनता को गुमराह किया : जुपल्ली कृष्णा राव

हैदराबाद, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पर्यटन, संस्कृति एवं आबकारी मंत्री जुपल्ली कृष्णा राव ने बीआरएस नेताओं पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि पालमूरु-रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई योजना (पीआरएलआईएस) का 90 प्रतिशत कार्य पूरा होने का दावा पूरी तरह झूठा है। उन्होंने सवाल किया कि जमीनी हकीकत को नजरअंदाज कर जनता को गुमराह करने वाले नेताओं को पदयात्रा निकालने का नैतिक अधिकार कैसे है।

मंगलवार को मंत्री ने नागरकर्नूल और वनपर्थी जिलों में स्थित पालमूरु-रंगारेड्डी परियोजना के महत्वपूर्ण हिस्से नारलापुर जलाशय परियोजना पंप हाउस (पैकेज-3), एडुला पंप हाउस, जलाशय और कुम्मेरा क्षेत्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से चल रहे कार्यों की प्रगति की जानकारी ली और बाद में मीडिया को संबोधित किया। जुपल्ली कृष्णा राव ने कहा कि पूर्व बीआरएस सरकार ने पालमूरु-रंगारेड्डी परियोजना को 80 हजार करोड़ रुपये की लागत से शुरू किया था। हालांकि 35 हजार करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए, लेकिन दस वर्षों में केवल 27 हजार करोड़ रुपये ही खर्च किए गए।

वरिष्ठ अधिवक्ता ख्वाजा मोइजुद्दीन की हत्या की सुप्रीम कोर्ट बार ने की निंदा

> निष्पक्ष और त्वरित जांच की मांग उठी

नई दिल्ली, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने हैदराबाद के वरिष्ठ अधिवक्ता ख्वाजा मोइजुद्दीन की कथित हत्या की कड़ी निंदा करते हुए मामले की निष्पक्ष, त्वरित और गहन जांच की मांग की है।

63 वर्षीय वरिष्ठ अधिवक्ता ख्वाजा मोइजुद्दीन की 23 मई को हैदराबाद में संदिग्ध हिट एंड रन घटना में मौत हो गई थी। आरोप है कि मसाब टैंक स्थित उनके आवास के बाहर एक बिना नंबर प्लेट वाली एसयूवी ने उन्हें टक्कर मार दी थी। गंभीर रूप से घायल होने के बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह के नेतृत्व में जारी बयान में कहा गया कि बार के किसी सदस्य पर इस प्रकार का हमला केवल एक व्यक्ति पर हमला नहीं, बल्कि न्याय व्यवस्था की संस्था पर हमला है।

एसोसिएशन की सचिव प्रज्ञा बघेल द्वारा जारी प्रस्ताव में इस घटना को सुनियोजित, क्रूर और चौंकाने वाली हत्या बताया गया। बयान में कहा गया कि इस घटना ने विधि समुदाय को गहराई से झकझोर दिया है और अधिवक्ताओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं उत्पन्न कर दी हैं। एसोसिएशन ने संबंधित अधिकारियों से निष्पक्ष और त्वरित जांच सुनिश्चित करने तथा दोषियों को जल्द से जल्द कानून के दायरे में लाने की मांग की है। इस बीच, घटना के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए हैं। मृतक अधिवक्ता के पुत्र ने आरोप लगाया है कि उनके पिता वक्फ संपत्तियों पर कथित अतिक्रमण के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ रहे थे और इसी कारण उन्हें पहले भी कई बार जान से मारने की धमकियां मिली थीं। उन्होंने दावा किया कि उनके पिता पर पूर्व में भी पांच बार जानलेवा हमले किए जा चुके थे। पुत्र की शिकायत के आधार पर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

फर्जी नंबर प्लेट लगाकर वाहन चलाने वाला गिरफ्तार

हैदराबाद, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। विकाराबाद पुलिस ने फर्जी पंजीकरण संख्या का उपयोग कर वाहन चलाने और सरकार को धोखा देने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान विकाराबाद जिले के पुदुर मंडल निवासी मोहम्मद खय्यूम (46) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार उसके पास पंजीकरण संख्या एपी28एजेड1087 वाली एक मोटरसाइकिल थी। यातायात चालान से बचने के उद्देश्य से उसने किसी अन्य व्यक्ति के वाहन की पंजीकरण संख्या एपी28डीके4592 की नकली नंबर प्लेट तैयार कर अपनी बाइक पर लगा ली थी। जब वास्तविक वाहन मालिक को लगातार यातायात नियम उल्लंघन के चालान मिलने लगे, तब उन्होंने ट्रैफिक पुलिस से संपर्क कर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के बाद पुलिस ने निगरानी कैमरों की फुटेज की जांच की, जिसमें पता चला कि मोहम्मद खय्यूम धोखाधड़ीपूर्वक दूसरे वाहन की पंजीकरण संख्या का उपयोग कर रहा था।

गांधी अस्पताल से फरार हुआ विचाराधीन कैदी

हैदराबाद, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। गांधी अस्पताल में उपचाराधीन एक विचाराधीन कैदी सोमवार रात फरार हो गया।

घटना के बाद पुलिस और जेल प्रशासन ने उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, सैयद अमीर हुसैन को मोबाइल फोन छीनने के एक मामले में तिरूमलगिरी पुलिस ने गिरफ्तार किया था। बाद में 19 मई को उसे न्यायिक हिरासत में केंद्रीय कारागार चंचलगुड़ा भेज दिया गया।

राजस्थान सरकार

सूक्ष्म एवं लघु उद्यम सुविधा परिषद, उदयपुर संभाग

जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र, उदयपुर

मादड़ी इण्ड. एरिया, प्रतापनगर, उदयपुर

E-mail- msefc.udr@rajasthan.gov.in

क्रमांक : 4653 दिनांक : 25.5.26

सुरभि इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज जरिए प्रिंसिपल, द सुरभि एजुकेशनल सोसाइटी, मित्तापल्ली गांव, सिद्दीपेट जिला 502103, तेलंगाना

अंतिम नोटिस

केस नंबर-RJ/33/M/UDR/00367

अरविंद प्रकाशन जरिए प्रोपराइटर अरविन्द भण्डारी, 15-16 दुर्गा नर्सरी रोड, अशोक नगर मेन रोड, उदयपुर, राजस्थान, द्वारा आपको आपूर्ति /सेवा के रूप में उपलब्ध कराए गए जनरल्स एवं पुस्तकों के विलंबित भुगतान राशि रूपए 6,33,690/- का भुगतान आप द्वारा आपूर्तिकर्ता इकाई को नहीं किए जाने के कारण आपूर्तिकर्ता द्वारा एमएसएमईडी एक्ट, 2006 की धारा 18 के अंतर्गत सुविधा परिषद् को रेफरेन्स प्रस्तुत करने पर मीटिंग नोटिस दिनांक 14.02.2024, 31.05.2024, 21. 05.2026 में आपूर्तिकर्ता व आपको मीटिंग नोटिस जरिए रजिस्टर्ड डाक / ईमेल से प्रेषित किया जाकर बाद के संबंध में सुविधा परिषद् के समक्ष उपस्थित होने हेतु लिखा गया। सुविधा परिषद के समक्ष आपकी ओर से सभी मीटिंगों में कोई उपस्थित नहीं हुए। आपके बार-बार अनुपस्थित होने एवं परिषद् के निर्देशों की पालना नहीं करने को परिषद् द्वारा गंभीरता से लेते हुए प्रकरण में कांसिलेशन की प्रक्रिया को समाप्त कर एमएसएमईडी एक्ट, 2006 की धारा 18 (3) के अंतर्गत ऑर्बिट्रेशन की प्रक्रिया शुरू करते हुए निर्देशित किया गया कि क्रेता के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर के समाचार पत्र के माध्यम से आपूर्तिकर्ता स्वयं के व्यय पर क्रेता के लिए सुनवाई के अंतिम अवसर की लोक सूचना प्रकाशित करावें।

अत: अंतिम नोटिस के जरिए आपको सूचित किया जाता है कि आपूर्तिकर्ता इकाई को विलंबित बकाया भुगतान न किए जाने के संबंध में अपना प्रत्युत्तर अविलंब प्रस्तुत करें, अन्यथा राजस्थान सूक्ष्म एवं लघु उद्यम सुविधा परिषद नियम 2018 के प्रावधान के अनुसार विलंबित भुगतान - चक्रवृद्धि ब्याज लगाकर उपलब्ध तथ्यों के अनुसार अवार्ड पारित कर दिया जावेगा।

(शैलेन्द्र शर्मा)

संयुक्त आयुक्त सूक्ष्म एवं लघु उद्यम सुविधा परिषदारी

सूक्ष्म एवं लघु सुविधा उदयपुर संभाग

एआई और जेनएआई कौशल विकास पर बढ़ा जोर

> छात्रों और पेशेवरों के लिए नए पाठ्यक्रम शुरू

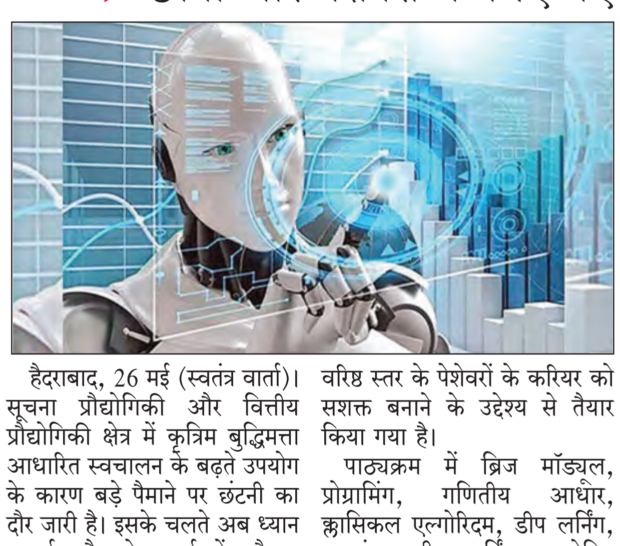

हैदराबाद, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सूचना प्रौद्योगिकी और वित्तीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित स्वचालन के बढ़ते उपयोग के कारण बड़े पैमाने पर छंटनी का दौर जारी है। इसके चलते अब ध्यान एआई और जेनएआई में कौशल विकास तथा कौशल उन्नयन पर केंद्रित हो गया है। इस बदलती परिस्थिति को देखते हुए शैक्षणिक संस्थानों और शिक्षा-प्रौद्योगिकी कंपनियों ने छात्रों और पेशेवरों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने हेतु विभिन्न विशेष कार्यक्रम शुरू किए हैं। इंटरनेशनल इंस्टीट्यट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (आईआईआईटी) हैदराबाद ने टैलेंटस्प्रिंट के सहयोग से एआई और मशीन लर्निंग में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र कार्यक्रम प्रारंभ किया है। यह कार्यक्रम विशेष रूप से मध्य और वरिष्ठ स्तर के पेशेवरों के करियर को सशक्त बनाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है।

पाठ्यक्रम में ब्रिज मॉड्यल, प्रोग्रामिंग, गणितीय आधार, क्लासिकल एल्गोरिदम, डीप लर्निंग, एडवांस्ड डीप लर्निंग, जनरेटिव एआई, एजेंटिक सिस्टम, अनुभवात्मक शिक्षण और उद्योग आधारित हैकथॉन शामिल किए गए हैं। वहीं, आईआईटी गुवाहाटी ने रोबोटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में एमटेक डिग्री कार्यक्रम शुरू किया है। यह कार्यक्रम नए स्नातकों और कार्यरत पेशेवरों दोनों के लिए तैयार किया गया है, जो एआई आधारित रोबोटिक्स प्रणाली में अपने कौशल को बढ़ाना चाहते हैं। यह पाठ्यक्रम कृषि, रक्षा, विनिर्माण, स्वास्थ्य सेवा, परिवहन और स्मार्ट अवसंरचना जैसे क्षेत्रों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। कार्यक्रम हाइब्रिड मोड में संचालित होगा, जिसमें ऑनलाइन कक्षाओं के साथ आईआईटी गुवाहाटी परिसर में प्रयोगशाला कार्य और अंतिम परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी।

विशेष बात यह है कि इस कार्यक्रम में प्रवेश के लिए गेट स्कोर अनिवार्य नहीं रखा गया है। अभ्यर्थियों का चयन लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के आधार पर किया जाएगा। आवेदन की अंतिम तिथि 15 जुलाई निर्धारित की गई है तथा कक्षाएं 10 अगस्त से शुरू होंगी। इसी क्रम में एनआईआईटी ने भी छात्रों और पेशेवरों के लिए छह नए जेनएआई कार्यक्रम शुरू किए हैं। इनमें शिक्षकों, छात्रों, मार्केटिंग पेशेवरों तथा नो-कोड एप्लीकेशन डेवलपमेंट से जुड़े लोगों के लिए विशेष पाठ्यक्रम शामिल हैं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य शिक्षार्थियों को एआई आधारित अध्ययन, रचनात्मकता, उत्पादकता, कंटेंट निर्माण, ऑडियंस एंगेजमेंट और वास्तविक कार्यप्रवाह में एआई के प्रभावी उपयोग के लिए प्रशिक्षित करना है। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले समय में एआई और जेनएआई कौशल रोजगार और करियर विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होंगे।

धान खरीद में देरी से किसानों का फूटा गुस्सा

बोरियों में लगाई आग, गोदाम में जड़ा ताला

नालगोंडा, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। धान खरीद प्रक्रिया में तेजी लाने के सरकारी दावों के बीच तेलंगाना के विभिन्न जिलों में किसान खरीद में देरी और अधिकारियों की कथित लापरवाही को लेकर लगातार विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। यादाद्री भुवनगिरी जिले में मंगलवार को किसानों ने खरीद केंद्रों पर लंबे समय से धान का स्टॉक पड़े रहने के विरोध में प्रदर्शन किया और गुस्से में धान की बोरियों में आग लगा दी। किसानों का आरोप है कि अधिकारियों और चावल मिल संचालकों की उदासीनता के कारण खरीद और परिवहन कार्य अत्यंत धीमी गति से चल रहे हैं।

प्रदर्शन कर रहे किसानों ने कहा कि कटाई का कार्य पूरा होने के बाद धान खरीद केंद्रों तक पहुंचा दिया गया है, लेकिन समय पर तौल और उठान नहीं होने से उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। किसानों ने आशंका जताई कि बेमौसम बारिश से उनकी फसल खराब हो सकती है और आर्थिक नुकसान बढ़ सकता है। बाद में अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर किसानों से बातचीत की और समस्या के समाधान का आश्वासन दिया। इसी प्रकार यादाद्री भुवनगिरी जिले के सिंगाराम गांव में भी किसानों ने खरीद में देरी के विरोध में एक गोदाम में ताला जड़ दिया। किसानों का कहना था कि कई दिनों से धान का स्टॉक खरीद केंद्रों पर बिना सुरक्षा और देखरेख के पड़ा हुआ है। किसानों ने अधिकारियों और चावल मिल प्रबंधन से तत्काल धान उठान की मांग की। हालांकि उनका आरोप है कि संबंधित अधिकारी और मिल संचालक उनकी समस्याओं के प्रति गंभीर नहीं हैं। बाद में अधिकारियों के हस्तक्षेप और कार्रवाई के आश्वासन के बाद किसानों ने विरोध समाप्त कर दिया। इस बीच सोमवार शाम हुई बारिश से यादगिरिगुट्टा, भुवनगिरी, तुर्कापल्ली और बोम्मलारामाराम मंडलों में किसानों को भारी नुकसान हुआ। सुखाने के लिए रखे गए धान के ढेर बारिश में भीग गए, जिससे फसल खराब होने लगी।

किसानों ने बताया कि कटाई हुए लगभग दो महीने बीत चुके हैं, लेकिन अब तक पूरी खरीद नहीं हो पाई है। कई केंद्रों पर धान की बोरियां तैयार होने के बावजूद परिवहन के लिए ट्रकों की कमी के कारण माल केंद्रों पर ही पड़ा हुआ है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.